हिन्दी दैनिक

पटना (बिहार) तथा लुधियाना (पंजाब) से एक साथ प्रकाशित

रोजनामा इन्डो गल्फ

www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना, मंगलावार | 08 अप्रैल 2025 | वर्ष : 03 अंक : 95 | पृष्ठ - 12 | PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 | मूल्य - ₹ 3 | पटना संस्करण

ब्रीफ न्यूज

मैं इसका तो हकदार, बुक माय शो ने कुणाल कामरा को हटाया तो कॉमेडियन ने दे दिया ऐसा जवाब

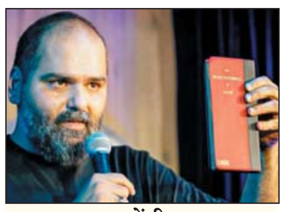

एजेंसी

नई दिल्ली: ऑनलाइन टिकटिंग प्लेटफॉर्म बुकमाईशो द्वारा स्टैंड-अप कॉमेडियन कुणाल कामरा को सूची से हटाने और शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे पर उनके चुटकुलों को लेकर उठे विवाद के बीच उनसे जुड़ी सभी सामग्री को हटाने के दो दिन बाद, उन्होंने प्लेटफॉर्म से या तो अपने कदम पर पुनर्विचार करने या उनके कार्यक्रमों से संबंधित दर्शकों के डेटा तक पहुंच प्रदान करने का आग्रह किया, ताकि वह सम्मान के साथ अपना जीवन जीना जारी रख सकें। स्टैंड-अप कॉमेडियन ने सोशल मीडिया पर जारी एक बयान में कहा कि मैं जो अनुरोध कर रहा हूं वह सरल है: कृपया सुनिश्चित करें कि आप मेरे एकल शो से एकत्र किए गए दर्शकों की संपर्क जानकारी सौंप दें ताकि मैं सम्मान के साथ अपना जीवन जीना जारी रख सकूं और उचित आजीविका की दिशा में काम कर सकूं। कामरा ने यह भी बताया कि कलाकारों को केवल बुकमायशो के माध्यम से अपने शो सूचीबद्ध करने की अनुमति देकर,

विश्व स्वास्थ्य दिवस: पीएम मोदी ने मोटापे पर जताई चिंता,

युवाओं को दिया फिटनेस का मंत्र

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार (7 अप्रैल) को विश्व स्वास्थ्य दिवस (वर्ल्ड हेल्थ डे) पर स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक किया। कहा, भारत में हर 8 में से एक व्यक्ति मोटापे के का शिकार है। खानपान और दिनचर्या में सुधार लाएं।

एजेंसी

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार (7 अप्रैल) को विश्व स्वास्थ्य दिवस पर देशवासियों से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और मोटापे से बचने की अपील की है। कहा, व्यक्तिगत फिटनेस को प्राथमिकता दें और विकसित भारत के लक्ष्य में सहयोग करें। साथ ही आश्वस्त किया कि हमारी सरकार स्वास्थ्य और आपकी भलाई के लिए विभिन्न क्षेत्रों में निवेश करती रहेगी।

पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा-विश्व स्वास्थ्य दिवस पर आइए हम स्वस्थ दुनिया बनाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता जाहिर करें। कहा, किसी भी समृद्ध समाज की नींव अच्छा स्वास्थ्य है। मोटापे के संकट पर चिंता जताते हुए कहा, हमारी जीवनशैली सेहत के लिए बड़ा खतरा बन गई है। हाल ही में प्रकाशित रिपोर्ट का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने बताया कि 2050 तक 44 करोड़ से ज्यादा भारतीय मोटापे से ग्रसित हो जाएंगे। जो कि एक बड़ा संकट होगा। हमें अपने खानपान की आदतें सुधारनी होंगी। तेल का कम से कम उपयोग करें। फूड आयल में 10 प्रतिशत की कटौती पीएम मोदी ने मोटापे से बचने के लिए सुझाव दिया।

हर आठ में से एक व्यक्ति मोटापे का शिकार

प्रधानमंत्री मोदी ने मन की बात कार्यक्रम में भी इसे लेकर अपील की थी। इस दौरान उन्होंने वैश्विक खेलों में भारत की प्रगति को सराहा था। साथ ही स्वस्थ जीवनशैली के महत्व पर जोर देते हुए चिंताजनक स्वास्थ्य प्रवृत्ति का जिक्र किया था। डब्ल्यूएचओ के आंकड़ों का जिक्र करते हुए बताया कि भारत में हर आठ में से एक व्यक्ति मोटापे का शिकार है। हाल के वर्षों में यह समस्या तेजी से बढ़ रही है। बचपन में मोटापा 4 गुना बढ़ गया है। जो हृदय रोग, मधुमेह और बीपी जैसी गंभीर बीमारियों का कारण बनता है। पीएम मोदी के अभियान में शामिल हुईं 10 हस्तियां

कहा, विश्व स्वास्थ्य दिवस पर आप वादा करिए कि हम सब भोजन बनाने में 10 प्रतिशत कम तेल की कटौती करेंगे। मोटापा कम करने की दिशा में यह एक बड़ा योगदान होगा। उन्होंने नियमित शारीरिक व्यायाम को भी दिनचर्या में शामिल करने की अपील की है। कहा, हम खुद को फिट रखेंगे तभी विकसित भारत की परिकल्पना को साकार कर पाएंगे। हर आठ में से एक व्यक्ति मोटापे का शिकार प्रधानमंत्री मोदी ने मन की बात कार्यक्रम में भी इसे लेकर अपील की थी। इस दौरान उन्होंने वैश्विक खेलों में भारत की प्रगति को सराहा था। साथ ही स्वस्थ जीवनशैली के महत्व पर जोर देते हुए चिंताजनक स्वास्थ्य प्रवृत्ति का जिक्र किया था। डब्ल्यूएचओ के आंकड़ों का जिक्र करते हुए बताया कि भारत में हर आठ में से एक व्यक्ति मोटापे का शिकार है। हाल के वर्षों में यह समस्या तेजी से बढ़ रही है। बचपन में मोटापा 4 गुना बढ़ गया है। जो हृदय रोग, मधुमेह और बीपी जैसी गंभीर बीमारियों का कारण बनता है। ढट मोदी के अभियान में शामिल हुईं 10 हस्तियां पीएम मोदी ने मोटापे के प्रति लोगों को जागरूक करने राष्ट्रीय अभियान शुरू किया। जिसमें देश की 10 प्रमुख हस्तियों को आमंत्रित किया। इनमें जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, उद्योगपति आनंद महिंद्रा, अभिनेता-राजनेता दिनेश लाल यादव उर्फ निरहुआ, ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर और मीराबाई चानू, अभिनेता मोहनलाल और आर. माधवन, गायिका श्रेया घोषाल, परोपकारी और राज्यसभा सांसद सुधा मूर्ति, और इंफोसिस के सह-संस्थापक नंदन नीलेकणी शामिल थे। प्रधानमंत्री ने इनसे भी दस और व्यक्तियों को अभियान में शामिल कराने को कहा था।

भारत में दलित, पिछड़े, आदिवासी सेकंड क्लास नागरिक हैं

राहुल गांधी बोले- पूरा सिस्टम खराब

एजेंसी

पटना: कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बिहार की राजधानी पटना में सामाजिक सुरक्षा सम्मेलन को संबोधित करते हुए देश के सिस्टम पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भारत में दलित, पिछड़े, आदिवासी, ईबीसी, ओबीसी, अल्पसंख्यक ये सभी सेकंड क्लास नागरिक हैं। इसमें महिलाएं भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि अगर आप उच्च जाति के नहीं हैं, तो परेशानी का सामना करना पड़ता है। यही देश की सच्चाई है। राहुल गांधी ने तेलंगाना में हुई जाति जनगणना के आंकडों का उदाहरण देते हुए यह बात कही। उन्होंने देश भर में जाति जनगणना कराने का वकालत भी की।पटना के श्रीकृष्ण मेमोरियल में सोमवार को कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर भी हमला बोला। उन्होंने कहा कि भाजपा और आरएसएस जाति जनगणना कराने के खिलाफ हैं। क्योंकि यह सामाजिक एक्सरे है, इससे सच्चाई का पता चल जाएगा। किस जाति के लोगों के पास कितना धन है, कौन कहां बैठा है, ब्यूरोक्रेसी में कौन लोग हैं, किस जाति के लोग कहां जा रहे हैं, किन्हें रोका जा रहा है, यह सब जाति जनगणना से मिल जाएगा।राहुल गांधी ने जाति जनगणना को क्रांतिकारी कदम बताया और कहा कि भले ही बीजेपी और आरएसएस के लोग इसके खिलाफ हैं, लेकिन अब कोई भी शक्ति इसे रोक नहीं सकती है।

भारत माता की जय कहने वाले मुसलमानों का संघ की शाखा में स्वागत है: मोहन भागवत

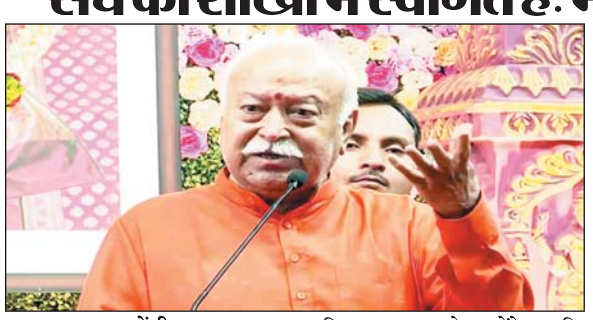

एजेंसी

दिल्ली: राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने कहा है कि आरएसएस शाखा में हर किसी का स्वागत है बशर्ते व्यक्ति खुद को भारतीय मानता हो और भारत माता के प्रति सम्मान रखता हो। उन्होंने कहा कि शाखाएं उन सभी का स्वागत करेंगी जो 'भारत माता की जय' नारे और 'भगवा झंडा' का सम्मान करते हैं। हम आपको बता दें कि मोहन भागवत इस समय वाराणसी के दौरे पर हैं। रविवार को संघ प्रमुख वाराणसी शहर के मलदहिया के लाजपत नगर पार्क में आरएसएस की शाखा में शामिल होने पहुंचे। स्वयंसेवकों ने उनसे सवाल पूछा कि क्या वह अपने मुस्लिम पड़ोसियों को भी शाखा ला सकते हैं? इसका जवाब देते हुए आरएसएस प्रमुख ने कहा कि जो कोई भी भारत माता की जय कहता है, उसका देश भर की शाखाओं में स्वागत है। हालांकि, उन्होंने कहा कि शाखा उन लोगों के लिए नहीं है जो खुद को औरंगजेब का वंशज मानते हैं। उन्होंने कहा कि शाखा में जाति, धर्म या भाषा के आधार पर भेदभाव नहीं किया जाता।

LPG cylinder price Hike: घरेलू गैस सिलेंडर हुआ महंगा; 8 अप्रैल से लागू होंगी नई कीमतें; जानें अपने शहर के रेट

एजेंसी

नई दिल्ली: केंद्र सरकार ने एलपीजी (रसोई गैस) के दामों में बढ़ोतरी कर की घोषणा की है। सरकार ने प्रति सिलेंडर 50 रुपए की बढ़ोतरी की है। केंद्र सरकार ने एलपीजी (रसोई गैस) के दामों में एक बार फिर बढ़ोतरी कर दी है। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने सोमवार को बताया कि एलपीजी सिलेंडर की कीमत 50 रुपए प्रति सिलेंडर बढ़ा दी गई है। इसके साथ ही, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (ढटव) के तहत मिलने वाले सिलेंडर (14.2 किलोग्राम) की कीमत 500 रुपए से बढ़कर 550 रुपए हो गई, जबकि सामान्य उपभोक्ताओं के लिए यह 803 रुपए से बढ़कर 853 रुपए प्रति सिलेंडर

(14.2 किलोग्राम) हो गई है पेट्रोलियम मंत्री ने कहा कि यह फैसला अस्थायी है और इसे 2-3 हफ्ते बाद फिर से समीक्षा की जाएगी। उन्होंने कहा, "यह एक ऐसा कदम है जिसकी हम समय-समय पर समीक्षा करते रहेंगे। हम हर 2-3 सप्ताह में इनकी समीक्षा करते हैं।"पेट्रोल-डीजल पर एक्साइज ड्यूटी भी बढ़ी

सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर एक्साइज ड्यूटी में भी 2 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी की है। अब पेट्रोल पर एक्साइज ड्यूटी 13 रुपए प्रति लीटर और डीजल पर 10 रुपए प्रति लीटर हो गई है। यह बढ़ोतरी 8 अप्रैल 2025 से लागू होगी।

उठऋभी हुई महंगी

पिछले महीने, सरकार ने अढट गैस (जिसका उपयोग उठऋ बनाने और बिजली उत्पादन में किया जाता है) की कीमत 4% बढ़ा दी थी। अब इसकी कीमत 6.50 डॉलर प्रति टट्इ३४ से बढ़कर 6.75 डॉलर प्रति हो गई है।

बिहार के वैज्ञानिक ने निमोनिया की नई दवा की खोज की, जर्मनी की रिसर्च टीम में काम करते हैं डॉ आदित्य

एजेंसी

पटना: जर्मनी की एक अंतरराष्ट्रीय रिसर्च टीम ने स्टैफिलोकोकस ऑरियस नामक बैक्टीरिया से होने वाले जानलेवा फेफड़ों के निमोनिया के खिलाफ एक नई दवा की खोज की है। यह दवा बैक्टीरिया को नहीं मारती, बल्कि बैक्टीरिया द्वारा उत्पादित एक प्रमुख हानिकारक टॉक्सिन को बेअसर कर देती है। इस टॉक्सिन के माध्यम से बैक्टीरिया फेफड़ों की विभिन्न कोशिकाओं को नष्ट कर देता है। इसलिए, टॉक्सिन को बेअसर करने से

बैक्टीरिया अपनी रोगजनक क्षमता खो देते हैं। बिहार के मुजफ्फरपुर के युवा वैज्ञानिक डॉक्टर आदित्य शेखर रिसर्च टीम में शामिल हैं।यह रिसर्च सेल प्रेस द्वारा एक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित वैज्ञानिक पत्रिका में प्रकाशित की गई है। इस रिसर्च के प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. आदित्य शेखर मूल रूप से मुजफ्फरपुर के चक्कर चौक के रहने वाले हैं। इनके पिता डॉ. ज्ञानेंदु शेखर सदर अस्पताल में एमओ हैं और मां डॉ आरती द्विवेदी जानी मानी स्त्री रोग विशेषज्ञ (गायनोकोलिस्ट) हैं। डॉ आदित्य पिछले आठ वर्षों से जर्मनी के एक बड़े इंफेक्शन रिसर्च संस्थान, हेल्महोल्ट्ज सेंटर फॉर इंफेक्शन रिसर्च में काम कर रहे हैं। उनकी टीम को उनकी खोज के लिए पेटेंट भी प्रदान किया गया है।

शेयर बाजार में हाहाकार: 10 सेकंड में 20 लाख करोड़ रुपए स्वाहा, एक साल में दूसरी बड़ी गिरावट; एक्सपर्ट एनालिसिस

एजेंसी

नई दिल्ली: अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ नीति का असर पूरी दुनिया में देखने को मिल रहा है। सोमवार को एशिया के बाजारों में भारी बिकवाली का दवाब देखने को मिला। इसके चलते भारतीय शेयर बाजार में भारी गिरावट दर्ज की गई है। सेंसेक्स करीब 4,000 अंक नीचे खुला, जो पिछले कारोबारी सत्र से 3.5% से भी कम है। निफ्टी में सुबह 1,000 अंकों की गिरावट दर्ज की गई। बाजार 10 महीने के निचले स्तर पर पहुंच गया। देखते ही देखते 10 सेकंड में निवेशकों के 20

लाख करोड़ रुपए स्वाहा हो गए। एक्सपर्ट्स ने निवेशकों को वैश्विक गतिविधियों पर नजर बनाए रखने का सुझाव दिया है। कहा, हमे देखना होगा कि यूरोपीय यूनियन (ईयू) सहित अन्य देश अमेरिका के रेसिप्रोकल टैरिफ के जवाब में क्या करते हैं? मार्केट एक्सपर्ट सुनील शाह के मुताबिक, सोमवार को शेयर बाजार में जो 4 प्रतिशत की गिरावट आई है, उसका मुख्य कारण अमेरिका के रेसिप्रोकल टैरिफ के जवाब में चीन द्वारा लगाए गए 34 प्रतिशत टैरिफ माने जा रहे हैं।

स्टॉक मार्केट अब कैसा रहेगा?

सुनील शाह ने बताया कि टैरिफ से किसी देश को फायदा नहीं होने वाला। यही कारण है कि दुनियाभर के शेयर बाजारों में इतनी गिरावट देखने को मिल रही है। स्टॉक मार्केट की परफारमेंस अब यूरोपीय यूनियन (ईयू) सहित अन्य देशों के एक्शन पर निर्भर करेगी।

'टुकड़े-टुकड़े गैंग का फ्यूज बल्ब बिहार में फिट नहीं कर पाएँगे राहुल गांधी', सम्राट चौधरी का कांग्रेस पर तंज

एजेंसी

पटना। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि राहुल गाँधी फूटी लालटेन लेकर टुकड़े-टुकड़े गैंग का एक फ्यूज बल्ब बिहार में फिट नहीं कर पाएंगे और न उनकी यात्रा से कांग्रेस का अंधेरा दूर होगा। वे अँधेरे में हाथ-पैर मारते रह जाएंगे। देश कांग्रेस को नकार चुका है। नवादा जिला के सिरदला प्रखंड अंतर्गत ग्राम लौन्द में चक्रवर्ती सम्राट अशोक की प्रतिमा का अनावरण करने के बाद उपमुख्यमंत्री चौधरी ने कहा कि बिहार को गरीब-पिछड़ा बनाने का पाप तो कांग्रेस और राजद के दो प्रथम परिवारों ने मिलकर किया। आज वे मिलकर घड़ियाली आँसू बहा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जो पार्टी राज्य से सामूहिक पलायन, बेरोजगारी, अपराध, भ्रष्टाचार और दलितों के नरसंहार तक में लालू प्रसाद के साथ खडी थी, उसके नेता राहुल गांधी को इन अत्याचारों के लिए जनता से माफी मांगनी चाहिए। चौधरी ने कहा कि राहुल गांधी को बताना चाहिए कि भागलपुर का सबसे भयानक दंगा किसकी सरकार के समय हुआ था? हिम्मत होती तो वे अपनी यात्रा बेगूसराय नहीं, भागलपुर से शुरू करते। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार आज सबसे तेज विकास करने वाला राज्य है, राज्य में निवेश बढ रहा है और 2.5 करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर आ चुके हैं। चौधरी ने कहा कि एनडीए सरकार विधान सभा चुनाव तक 12 लाख लोगों को सरकारी नौकरी और 38 लाख लोगों को रोजगार देने का लक्ष्य पूरा कर देगी।

जम्मू कश्मीर में गोलीबारी : पाक आर्मी ने फिर तोड़ा संघर्ष विराम,

भारतीय सेना ने दिया मुंहतोड़ जवाब

एजेंसी

जम्मू-कश्मीर: जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में सोमवार (7 अप्रैल) सुबह फिर गोलीबारी हुई। पाक आर्मी ने एक बारूदी सुरंग में विस्फोट के बाद सीजफायर किया है। भारतीय सेना ने भी मुंहतोड़ जवाब दिया, लेकिन केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की तीन दिवसीय यात्रा से बीच संघर्ष विराम का उल्लंघन चिंता का विषय है। अधिकारियों ने बताया कि पाकिस्तानी सेना ने पुंछ जिले के दिगवार सेक्टर में नियंत्रण रेखा (छडउ) पर संघर्ष विराम तोड़ा है।

पाक आर्मी ने दूसरी बार तोड़ा संघर्ष विराम

जम्मू कश्मीर के पुंछ जिले में गोलीबारी के बाद सख्ती बढ़ा दी गई है। भारतीय सेना के अधिकारी भी इलाके में नजर बनाए हुए हैं। आसपास कोई घुसपैठ न हो, इसके लिए तलाशी अभियान शुरू किया गया है। सेना के जवान लगातार पेट्रोलिंग कर रहे हैं। जम्मू कश्मीर के पुंछ जिले में 1 अप्रैल को भी पाकिस्तानी सेना की ओर से संघर्ष विराम

तोड़ा था। यहां भी बारूदी सुरंग में धमाके के बाद अकारण गोलीबारी शुरू कर दी गई थी।

सान्याल गांव में 2 आतंकी मारे गए

इंडियन आर्मी को आशंका है कि पुंछ, राजौरी, कठुआ और किश्तवाड़ जिले के पहाड़ी इलाकों में भाड़े के आतंकबादी एक्टिव हैं। 23 मार्च को कठुआ जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास 5 आतंकवादियों का सामना स्थानीय पुलिस से हुआ था। यह लोग अंतरराष्ट्रीय सीमा पार कर 4 किलोमीटर अंदर स्थित सान्याल गांव पहुंच गए थे। पुलिस ने दो आतंकवादियों को मार गिराया था, लेकिन 3 फरार हो गए थे। इस दौरान 4 पुलिसकर्मी भी शहीद हो गए।

कठुआ जिले से हो रही थी घुसपैठ

भारतीय सेना ने आतंकवादियों को तलाशने कठुआ और राजौरी जिलों के ऊंचे इलाकों में 'खोजो और खत्म करो' अभियान बढ़ा दिया है। शुक्रवार को कठुआ जिले के बिलावर इलाके में आतंकवादियों और संयुक्त सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ हुई। बताया गया कि, टेरिस्ट कठुआ जिले के ऊंचे इलाकों का इस्तेमाल राजौरी और पुंछ जिलों में घुसपैठ के लिए करते हैं।

4,000 विशेष प्रशिक्षित पैरा कमांडो तैनात

आतंकवादियों के 'हिट-एंड-रन' हमलों को नाकाम करने इंडियन आर्मी ने 4,000 विशेष प्रशिक्षित पैरा कमांडो को घने जंगलों में तैनात किया है। संयुक्त बलों की गतिविधियों के बाद आतंकवादी पुंछ, राजौरी और कठुआ जिलों में 'हिट-एंड-रन' हमले नहीं कर पा रहे। जैसा कि 2024 की आखिरी तिमाही में हुआ था। गृहमंत्री अमित शाह रविवार शाम जम्मू में भाजपा विधायकों को संबोधित करते हुए कहा, जल्द ही क्षेत्र में सुरक्षा स्थिति सामान्य हो जाएगी।

वक्फ संशोधन अधिनियम अल्पसंख्यक अधिकारों के लिए एक काला अध्याय: सैयद सआदतुल्लाह हुसैनी.

वरिष्ठ संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
शकील हैदर

नई दिल्ली, 07 अप्रैल: जमाअत-ए-इस्लामी हिंद के अध्यक्ष सैयद सआदतुल्लाह हुसैनी ने संसद में वक्फ संशोधन अधिनियम, 2025 के पारित होने की कड़ी निंदा करते हुए इसे देश में अल्पसंख्यक अधिकारों के लिए एक काला अध्याय बताया।

जमाअत-ए-इस्लामी हिंद के मुख्यालय में आयोजित मासिक प्रेस कांफ्रेंस को सम्बोधित करते हुए जमाअत के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि जमाअत-ए-इस्लामी हिंद संसद में पारित वक्फ संशोधन विधेयक ??2025 की कड़ी निंदा करती है। यह देश में अल्पसंख्यक अधिकारों के लिए एक काला अध्याय है। हम समझते हैं कि यह धार्मिक स्वतंत्रता और संवैधानिक अधिकारों पर सीधा हमला है। यह कानून इसलिए भेदभावपूर्ण है क्योंकि यह मुसलमानों के धर्मदान प्रबंधन में स्वायत्तता को खत्म करता है, जबकि अन्य समुदायों के धार्मिक ट्रस्ट स्वायत्त हैं। यह विधेयक वक्फ विधेयक-1995 में व्यापक परिवर्तन लाता है, जिससे वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन में सरकारी हस्तक्षेप काफी बढ़ जाएगा। यह विधेयक संविधान के अनुच्छेद 14, 25, 26 और 29 का स्पष्ट उल्लंघन है तथा मुस्लिम समुदाय के धार्मिक मामलों में राज्य के अनुचित हस्तक्षेप का मार्ग प्रशस्त करेगा। संसदीय बहस के दौरान सत्ता पक्ष के सदस्यों द्वारा प्रस्तुत भ्रामक तर्कों पर हम गहरी चिंता व्यक्त करते हैं। वक्फ बोर्ड, चैरिटी कमिश्नर के समकक्ष नहीं हैं, जैसा कि लोकसभा में झूठा दावा किया गया है। कई राज्यों में हिंदू और सिखों के लिए विशेष कानून हैं, जो यह सुनिश्चित करते हैं कि विनियामक और पर्यवेक्षी प्राधिकरण विशेष रूप से संबंधित धार्मिक समुदायों के पास हों। सरकार ने इस संशोधन के लिए बार-बार कुप्रबंधन, कानूनी विवाद और वक्फ संपत्तियों के दुरुपयोग का हवाला दिया है। हालाँकि, विधेयक में इन मुद्दों के समाधान के लिए कोई ठोस उपाय नहीं हैं। गैर-मुस्लिम सदस्यों को जोड़ने और सरकार द्वारा नामित अधिकारियों को नियंत्रण सौंपने से समस्या का कोई समाधान नहीं होगा। वास्तव में, अनुचित राजनीतिक और नौकरशाही हस्तक्षेप ऐतिहासिक रूप से वक्फ मामलों में भ्रष्टाचार और कुप्रबंधन का प्राथमिक स्रोत रहा है। जमाअत का मानना है कि ह्यवक्फ बाय यूजरह्न में बदलाव और नए वक्फ पर प्रतिबंधात्मक शर्तें लागू करना मुस्लिम संस्थाओं को कमजोर करने का जानबूझकर किया गया प्रयास है।

संसद में वक्फ विधेयक को कितनी आसानी से पारित किया गया, इसका उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि विधेयक की पक्षपातपूर्ण प्रकृति इस तथ्य से देखी जा सकती है कि लोकसभा में इसके पक्ष में केवल 288 वोट ही प्राप्त हो सके, जबकि 232 सांसदों ने इसके खिलाफ मतदान किया। राज्यसभा में इस बिल के पक्ष में 128 वोट पड़े और विपक्ष में 95 वोट। यह भी ध्यान में रखना चाहिए कि सत्तारूढ़ पार्टी के पास लोकसभा में एक भी मुस्लिम सांसद नहीं है और वक्फ पर बहस में बिल के पक्ष में बोलने के लिए सत्तारूढ़ पार्टी से एक भी निर्वाचित मुस्लिम सांसद नहीं था। इससे पता चलता है कि संसद में मुसलमानों की ओर से पक्ष रखने वालों की संख्या बहुत कम थी। हम उन सभी सांसदों और राजनीतिक दलों को धन्यवाद देते हैं जिन्होंने इस विधेयक का विरोध किया। हमें उम्मीद है कि वे इस विधेयक के खिलाफ देशव्यापी विरोध प्रदर्शनों को अपना पूर्ण समर्थन देना जारी रखेंगे और इस अन्यायपूर्ण और असंवैधानिक कानून को खत्म करने के लिए सभी कानूनी, संवैधानिक और लोकतांत्रिक तरीकों का इस्तेमाल करेंगे। जहां तक उन राजनीतिक दलों का सवाल है जो धर्मनिरपेक्षता को कायम रखने का दावा करते हैं, फिर भी इस असंवैधानिक कानून का समर्थन करते हैं, हमारा मानना है कि उनका पाखंड राजनीतिक अवसरवाद और धोखे का सबसे खराब उदाहरण है। उन्हें इस अल्पकालिक राजनीतिक अवसरवाद की भारी कीमत चुकानी पड़ेगी और हो सकता है कि वे अपने निर्वाचन क्षेत्रों में दोबारा सत्ता का स्वाद न चख पाएं।गाजा की स्थिति पर टिप्पणी करते हुए, सैयद सआदतुल्लाह हुसैनी ने कहा कि हम गजा में इजरायल के तीव्र हवाई हमलों की कड़ी निंदा करते हैं, विशेष रूप से राफा में, जहां विस्थापित फिलिस्तीनी शरण लिए हुए हैं। हमलों में निर्दिष्ट "सुरक्षित क्षेत्रों" में स्थित शिविरों को निशाना बनाया गया, जिसमें महिलाओं और बच्चों सहित निहत्थे नागरिक मारे गए। इजरायल ने इस्लाम के सबसे पवित्र महीने रमजान के सेहरी के समय बार-बार और जानबूझकर नागरिकों को निशाना बनाया। उन्होंने विस्थापित परिवारों को आश्रय देने वाले गाजा सिटी स्कूल पर बमबारी की। यह सब इजरायल द्वारा अंतर्राष्ट्रीय कानून, मानवाधिकारों और मानव जीवन के प्रति घोर अवमानना को दर्शाता है। संयुक्त राष्ट्र ने बताया है कि उत्तरी गाजा में भोजन, पानी और चिकित्सा आपूर्ति की भारी कमी है तथा अकाल की स्थिति उत्पन्न हो गई है। अक्टूबर 2023 से अब तक 50,000 से अधिक और गाजा की 7% आबादी मृत या घायल हो चुकी है, फिलिस्तीनियों का यह व्यवस्थित विनाश विशुद्ध रूप से नरसंहार है जिसके लिए इजरायली शासन को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। हालांकि, अमेरिका के नेतृत्व में पश्चिमी देश इजरायल को जवाबदेही से बचाने में लगा हुआ है, जिससे मानव अधिकारों की वकालत करने में उसका पाखंड उजागर है। वह बर्बर इजरायली शासन को बिना शर्त समर्थन देकर युद्ध अपराधों को बढ़ावा दे रहा है। मुस्लिम बहुल देशों सहित अंतर्राष्ट्रीय समुदाय की चुप्पी और निष्क्रियता यह उजागर करती है कि न्याय के प्रति उनकी प्रतिबद्धता केवल खोखली बयानबाजी है। फिलिस्तीनी संघर्ष एक दमनकारी और उपनिवेशवादी शासन के खिलाफ अस्तित्व, सम्मान और स्वतंत्रता की लड़ाई है। उनका संघर्ष उत्पीड़ितों के लचीलेपन और उपनिवेशवादी हिंसा के खिलाफ मुक्ति की मांग करने वाले लोगों की अटूट इच्छाशक्ति का प्रतीक है।जमात-ए-इस्लामी हिंद गाजा में नागरिक हत्याओं पर भारतीय विदेश मंत्रालय की चिंता का स्वागत करती है और कुछ राजनीतिक नेताओं द्वारा फिलिस्तीन समर्थक बयानों की सराहना करती है। हम सरकार से आग्रह करते हैं कि वह अकारण इजरायली हिंसा को रोकने के लिए ठोस और निर्णायक कार्रवाई करे और फिर से युद्धविराम को सुनिश्चित करे। हमें अपनी आवाज उठानी होगी, न्याय की मांग करनी होगी और एक ऐसे भविष्य की दिशा में काम करना होगा जहां फिलिस्तीनी लोग सम्मान, शांति और सुरक्षा के साथ जीने के लिए स्वतंत्र हों।

धर्म-कर्म: रामनवमी को लेकर ध्वजारोहण व पूजा में विधि विधान पूर्वक की गई पूजा अर्चना

जिला संवाददाता
साहिल अंसारी
रोजनामा इंडो गल्फ

तेघड़ा/बेगूसराय तेघड़ा के ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में रविवार को रामनवमी का त्योहार धार्मिक हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर क्षेत्र अंतर्गत विभिन्न धार्मिक मंदिरों में सामूहिक रूप से ध्वजारोहण कार्यक्रम का आयोजन कर हनुमान जी की पूजा अर्चना करते हुये ध्वजारोहण किया गया। साथ ही श्रद्धालुओं द्वारा अपने घर में भी ध्वजारोहण किया गया। जिससे क्षेत्र में दिन भर माहौल भक्तिमय बना रहा। आधारपुर ठाकुरबारी, गौरा एक राम जानकी ठाकुरबाड़ी, बरियारपुर ठाकुरबारी के अलावे विभिन्न जगहों पर मंत्र उच्चारण के साथ विधि विधान पूर्वकपूजा अर्चना की गई। मौके पर आधारपुर ठाकुरबाड़ी के महंत गोपाल दास जी महाराज ने बताया कि रामनवमी का त्योहार चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की नवमी को मनाया जाता है, जो अप्रैल में आता है।हिंदू धर्म शास्त्रों के अनुसार इस दिन मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम का जन्म हुआ था। इसी दौरान लोगों द्वारा राम के भक्त हनुमान का ध्वजारोहण अपने-अपने घरों के आंगन में करते हैं। लोगों की मान्यता है कि हनुमान जी की पूजा करने से भगवान श्री राम प्रसन्न होते हैं।

बेगूसराय पुलिस की तत्परता: एसिड अटैक की घटना में 24 घंटे के अंदर दो आरोपी गिरफ्तार, घटनास्थल से बरामद हुए साक्ष्य

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
चंद्रकिशोर पासवान

बेगूसराय। बखरी थाना क्षेत्र के ग्राम बखरी वार्ड नं-23 में युवती पर सोए अवस्था में खिड़की से एसिड फेंकने की सनसनीखेज घटना को अंजाम देने वाले दो अपराधकर्मियों को पुलिस ने मात्र 24 घंटे के अंदर गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार अभियुक्तों के पास से घटना में प्रयुक्त एसिड की खाली बोतल, घटना के समय पहने गए कपड़े (शर्ट, पैंट, मफलर, जूता), दो मोबाइल बरामद किए गए हैं। घटना दिनांक 05/06 अप्रैल की रात घटित हुई थी। पीड़िता के परिजनों द्वारा दी गई तहरीर पर बखरी थाना कांड संख्या 113/25, दिनांक 06.04.25, धारा 118(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया। पुलिस अधीक्षक मनीष कुमार के निर्देशन में बखरी एसडीपीओ कुंदन कुमार के नेतृत्व में गठित विशेष अनुसंधान टीम (रक्ळ) ने तकनीकी अनुसंधान और गोपनीय सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी महबूब आलम उर्फ फुलटूस, पिता स्व. बदरुल हसन, निवासी मक्खाचक वार्ड नं-17 को उसके दोस्त सोनू कुमार के घर से गिरफ्तार किया। महबूब की निशानदेही पर एसिड की खाली बोतल बखरी के कानू टोला स्थित नाला के पास केले के जड़ के पास से बरामद की गई। इसके साथ ही उसके घर से घटना के समय पहने कपड़े, जूता और मोबाइल भी बरामद किए गए। महबूब आलम से पूछताछ के बाद पुलिस ने दूसरे अभियुक्त अंजनी कुमार सिंह, पिता स्व. अखिलेश्वर प्रसाद सिंह, निवासी मक्खाचक वार्ड नं-23, राठौर मोहल्ला को उसके घर से गिरफ्तार किया।

विश्व स्वास्थ्य दिवस पर सीएचसी मशरक में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक सीएचसी में सोमवार को डॉ चन्द्रशेखर सिंह की अध्यक्षता में विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान डॉ चन्द्रशेखर सिंह ने कहा कि आज के दौर में खान-पान में लापरवाही के चलते अधिकतर व्यक्ति किसी न किसी बीमारी से ग्रसित रहने लगे हैं। इससे उनके कार्य क्षमता में भी कमी आई है। मनुष्य के अस्वस्थ होने पर उसके उपचार पर पैसे खर्च होते हैं, जिससे उसकी आर्थिक स्थिति कमजोर होने लगती है। इसके साथ ही बीमार व्यक्ति का पूरा परिवार भी उसकी बीमारी के चलते तनाव में रहने लगता है। भागम-भाग के दौर वाली आज की जिंदगी में जो व्यक्ति अपना स्वास्थ्य सही रख पाता है। वह कम कमा करके भी सबसे अधिक सुखी रह सकता है। इसलिए हमें सबसे अधिक अपने स्वास्थ्य पर ध्यान देना चाहिए।मौके पर चिकित्सक डॉ एस के विधार्थी, डॉ ललिता कुमारी समेत एएनएम और अन्य स्वास्थ्य कार्यकर्ता मौजूद रहे। चिकित्सक डॉ चन्द्रशेखर सिंह ने अस्पताल परिसर में नर्सिंग स्टाफ और मरीजों के बीच लड्डू का वितरण किया। वहीं सभी से राष्ट्रीय स्वास्थ्य दिवस के महत्व के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सबसे उत्तम धन है। आज के परिवेश में स्वस्थ रहना अपने-आप में चुनौती है। हमेशा अपने लिए समय निकालें और स्वस्थ रहते हुए अपने कार्य को पूरा करें। उन्होंने कहा कि शरीर में ही स्वास्थ्य मन का वास होता है। इसलिए, शारीरिक एवं मानसिक रूप से सभी को स्वस्थ रहना होगा, तभी एक स्वस्थ समाज का निर्माण किया जा सकता है।

उच्च विद्यालय मशरक में प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक नगर पंचायत के राजकीयकृत उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मशरक में सोमवार को विद्यालय उत्कृष्ट छात्र छात्राओं के लिए सम्मान समारोह आयोजित हुआ। जिसमें एक सौ से अधिक छात्र छात्राओं को उनके अभिभावक की उपस्थिति में विद्यालय के प्रधानाध्यापक मुकेश कुमार एवं शिक्षकों ने मेडल मोमेंटो प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। प्रतिभा सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए विद्यालय प्रधान मुकेश कुमार ने कहा कि विद्यालय की गौरवशाली परंपरा को शिक्षकों, अभिभावकों एवं विद्यालय प्रबंध समिति के निरंतर देखरेख में छात्र छात्रा बनाए हुए है। जिसकी वजह से वे कक्षा 9 वी से 12 वी तक के परीक्षा परिणाम, खेलकूद, संगीत, इको क्लब सहित अन्य विभागीय गतिविधि में हमेशा अव्वल आते है। आवश्यकता इसमें सदैव निरंतरता की है। समारोह का संचालन विद्यालय के वरीय शिक्षक संजय कुमार सिंह ने किया। समारोह को शिक्षक अरुण कुमार बरनवाल, रामप्रवेश पंडित, प्रभातचंद्र भूषण, अभिभावक अधिवक्ता रामनरेश सिंह, शिक्षक संतोष तिवारी, डोमा प्रसाद सहित अन्य ने किया। सम्मानित होने वालों में मैट्रिक में 80 प्रतिशत से अधिक अंक वाले रितिका कुमारी, शारदा कुमारी, चांदनी कुमारी, रोशनी कुमारी, आकांक्षा कुमारी, अनुष्का कुमारी, ज्योति कुमारी, अनिकेत कुमार, प्रियांशु साहनी, दिव्य सोनी जबकि इंटर के आदित्य गुप्ता, सुनीता कुमारी, अतुल कुमार, आदित्य तिवारी, खुशी कुमारी, प्रिया, फिरदौस, गुनगुन सहित अन्य शामिल रहे। खेलकूद में राष्ट्रीय प्रतियोगिता में पदक प्राप्त दीपशिखा कुमारी, शिवम कुमार सिंह, शबाना खातून, दूजा कुमारी, करिश्मा कुमारी, रीमा कुमारी, रिंकी सिंह सम्मानित किए गए। कक्षा नवम एवं 11 वी में बेहतर करने वाले सोनम कुमारी, आनंद कुमार, दिव्यांशु, प्रिया, दिव्या, तनु, सृष्टि, निधि, खुशबू, राहुल, शोभा, अनु, प्रिया कुमारी, आयुष राज, अनुज, रिमी, शारदा, रागिनी तथा इको क्लब के सिमरन, पलक, स्नेहा, अनु, शिवानी, अमन, आनंद, सनी सहित दर्जनों पुरस्कृत हुए। मौके पर विद्यालय शिक्षक डॉ मनोज कुमार सिंह, विनय कुमार सिंह, महेश पोद्दार, शत्रुघ्न कुमार, विजय कृष्ण त्रिपाठी, अरविंद कुमार सिंह, दुर्गा प्रसाद, दयानंद सत्यार्थी, राजेंद्र कुमार, शोभा कुमारी, श्वेता कुमारी, इंदु कुमार, राजकुमार प्रसाद सहित अन्य ने छात्र छात्राओं को संबोधित किया।

मैट्रिक परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र छात्राओं को विद्यालय परिवार ने किया सम्मानित

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सिवान महाराजगंज दुरौंधा, 7 अप्रैल सोमवार। बिहार विद्यालय परीक्षा समिति द्वारा आयोजित परीक्षा 2025 में मैट्रिक परीक्षा में ऊंच माध्यमिक विद्यालय सह इण्टर कॉलेज सवान विग्रह दुरौंधा के छात्रों को बेहतर प्रदर्शन करने पर छात्र, लक्ष्मण कुमार, सत्यम कुमार, सैफ अली, एहसान अली, समीर अली जूही कुमारी, रिमझिम कुमारी, रेशमी खातून, रौशन कुमार, नंदनी कुमारी, सीमा कुमारी इत्यादि को मेडल पुरस्कार दे कर सम्मानित किया गया और छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना की गई। इस मौके पर, प्रधानाध्यापिका दीपिका कुमारी, दूध नाथ साह, दुर्गेश कुमार, राकेश रंजन, मोहम्मद आरिफ, मोहम्मद चुन्नू, जागृति, कन्हैया सिंह, अजमेरी खातून, खुशबू कुमारी, प्रियंका मौर्या, रानी कुमारी इत्यादि मौजूद रहे।

बेगूसराय पलायन रोको नौकरी दो यात्रा का एक पड़ाव बेगूसराय आज इतिहास रच गया

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

राहुल गांधी की उपस्थिति, में उमडा जनसैलाब भारी संख्या में दिखे आम जन मानस एवं महिलाएं और नौजवान कदम से कदम मिलकर पलायन रोको नौकरी दो यात्रा का हिस्सा बने
बेगुसराय में रोजगार पलायन के मुद्दे पर अद्भुत माहौल बना गया।
कांग्रेस का एक एक कार्यकर्ता इस यात्रा की सफलता का हकदार है। राहुल गाँधी कन्हैया कुमार और आए हुए तमाम अतिथियों का आभार की बेगुसराय पूर्व विधायक अमिता भूषण।
साथ ही कार्यक्रम की सफलता में शामिल हर बेगूसराय वासी और बिहारवासी के प्रति आभार।
पूर्व विधायक अमिता भूषण।
बेगूसराय की क्रांतिकारी धरती पर जननायक राहुल गाँधी जी का हार्दिक स्वागत। आज हिंदुस्तान के छात्र, युवा, महिला, दलित, मजदुर, आदिवासी, किसान, मध्यमवर्गीय व्यापारी की आवाज राहुल गांधी जी के यात्रा को सफलता का इतिहास लिखने के लिए उन तमाम बेगूसराय जिले वासियों का आभार। जिन्होंने इस कड़ी धूप में भी हिंदुस्तान की आवाज जननायक का एक झलक देखने के लिए उत्साहित थे।

राहुल गांधी का बेगूसराय दौरा न केवल निराशाजनक रहा, बल्कि कांग्रेस के जमीनी सिपाहियों के साथ एक भद्दा मजाक साबित हुआ

जिला संवाददाता
साहिल अंसारी
रोजनामा इंडो गल्फ

बेगूसराय:राहुल गांधी का बेगूसराय दौरा न केवल निराशाजनक रहा, बल्कि कांग्रेस के जमीनी सिपाहियों के साथ एक भद्दा मजाक साबित हुआ। जिन लोगों ने अपनी रोज की रोटी छोड़कर, अपना खून-पसीना बहाकर इस दौरे को सफल बनाने की कोशिश की – उन्हें सिर्फ 24 मिनट का एहसान मिला। उपरोक्त बातें भाजपा जिलाध्यक्ष राजीव वर्मा ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कही। राजीव वर्मा ने कहा कि गरीब जनता ने स्टेज बनाया, युवा कार्यकर्ताओं ने दिन-रात एक किया, लेकिन राहुल गांधी ना किसी से मिले, ना किसी की सुनी, ना कोई जनसभा की, ना बेगूसराय की हालत समझने की कोशिश की – और चुपचाप चले गए। यह दौरा नहीं, बल्कि कांग्रेस के निष्ठावान कार्यकर्ताओं के आत्मसम्मान पर तमाचा था। वहीं बेगूसराय सांसद गिरिराज सिंह ने कहा कि राहुल गांधी का बेगूसराय दौरा कांग्रेस कार्यकर्ताओं के मुंह पर तमाचा साबित हुआ। कार्यकताओं ने पेट काटकर स्टेज बनाया, युवाओं ने 15 दिन मेहनत की और नेता जी आधे घंटे में बिना किसी से मिले, बिना जनसभा किए निकल लिए! ये दौरा नहीं, अपमान था। बेगूसराय को उनसे वैसे ही कोई उम्मीद नहीं थी ..लेकिन उनके हिट एंड रन की राजनीति ने राजनीति को और भी शर्मसार किया है। बेगूसराय में उन्हें कोई मुद्दा नहीं मिला तो वे अपना तय कार्यक्रम भी छोड़कर भाग निकले। जिलाध्यक्ष श्री वर्मा ने कहा कि क्या कांग्रेस आलाकमान को जमीनी सच्चाई से कोई लेना-देना नहीं रहा? क्या यह पार्टी अब केवल ट्विटर और इवेंट मैनेजमेंट तक सीमित होकर रह गई है? कांग्रेस कार्यकर्ताओं के पंद्रह दिनों की मेहनत को महज चौबीस मिनट में रौंदकर हुए रवाना भाजपा जिलाध्यक्ष ने कहा कि 15 दिन की मेहनत को राहुल गांधी ने 24 मिनट में रौंद दिया। कोई स्पष्टीकरण नहीं, कोई माफी नहीं, बस उपेक्षा और घमंड। अगर नेतृत्व इतना बेपरवाह हो गया है, तो कार्यकर्ताओं से किस मुंह से समर्पण की उम्मीद की जा रही है? राजीव वर्मा ने कहा कि बेगूसराय ने राहुल गांधी से कुछ नहीं माँगा था लेकिन ये बेरुखी और अपमान भी नहीं माँगा था। राजीव वर्मा ने कहा कि इतनी मशक्कत व तैयारी के बाद भी मुश्किल से 1000 की संख्या भी जुटा पाने में सफल नही हुए राहुल गाँधी। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी हिट एंड रन की राजनीति में माहिर है और देश की जनता इनकी राजनीति को समझ चुकी है। राजीव वर्मा ने कहा कि जिस कांग्रेस के शासन में न जाने कितनी फैक्ट्रियां बंद हुई और कितने उद्योग व कारखाने बंद हुए वह आज किस मुंह से नौकरी देने व पलायन रोकने की बात कर रहे हैं। उनके मुंह से यह बात शोभा नही देता है। जबकि धरातल पर सच्चाई यह है कि आज देश में नरेंद्र मोदी की सरकार लगातार रोजगार के भी अवसर पैदा कर रही है व मजबूती के साथ युवाओं को हर क्षेत्र में बढ़ावा देने का काम कर रही है। राजीव वर्मा ने कहा कि राहुल गांधी का यह यात्रा पूरी तरह से फ्लॉप रहा।

मशरक में निजी जमीन से चोरी से मिट्टी काटा, शिकायत दर्ज

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक प्रखंड क्षेत्र के बंगरा पंचायत के चैनपुर गांव में भारतीय स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के शाखा के पीछे घोघाड़ी नदी के किनारे निजी जमीन से चोरी से मिट्टी काट बेचने का मामला सामने आया है मामले में थाना पुलिस और सीओ ने लिखित शिकायत दर्ज कराई गई है। चैनपुर गांव निवासी कुंदन सिंह ने बताया कि गांव में ही भारतीय स्टेट बैंक के पीछे नदी किनारे से उनके निजी जमीन से मिट्टी काट कर बेचा जा रहा था उसी की जानकारी मिलने पर जब वहां पहुंचे तों देखा कि निजी जमीन से 15 फीट गढ़ा कर मिट्टी काटा जा रहा है जब पुछताछ की गयी तो उसी गांव के मंटू कुमार मारपीट पर उतारू हो गया। मामले में थाना पुलिस जांच में जुटी है।

भारत नेपाल की संयुक्त समन्वय समिति की बैठक हुई आयोजित

मोहम्मद सदरे आलम नौमानी

सीतामढ़ी: भारत नेपाल सीमावर्ती जिला की संयुक्त समन्वय समिति की बैठक समाहरणालय स्थित विमर्श सभा कक्ष में आयोजित की गई। बैठक में भारत और नेपाल के सीमावर्ती जिलों के जिलाधिकारी और प्रशासनिक अधिकारी शामिल हुए। बैठक में सीतामढ़ी के जिलाधिकारी रिची पांडेय ,पुलिस अधीक्षक अमित रंजन, कमांडेंट एस एस बी 51ईं संजीव कुमार सिंह एवं कमांडेंट 20 ईं बटालियन ऋ्छ पांडेय ,एडीएम राजस्व संदीप कुमार ,डीडीसी श्री मनन राम ,अपर समाहर्ता विभागीय जांच कुमार धनंजय, २ङ्कि सदर एवं पुपरी , डीपीआरओ कमल सिंह के साथ सीतामढ़ी के अन्य पदाधिकारीके साथ नेपाल के महोत्तरी जिले के सीडीओ लालबाबू कवारी (डंद्१),सलार्ही जिले के सीडीओ तुलसी बहादुर श्रेष्ठा,एवं रौहतक जिले के सीडीओ विनोद कुमार खड़का(ँf), सहायक सीडीओ, एसपी, सहित दोनों पक्षो के कई वरीय अधिकारी उपस्थित थे। काफी सौहार्दपूर्ण वातावरण में बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी रिची पांडेय ने दोनों ही देश के सभी वरीय पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि सीमावर्ती जिलों के पदाधिकारी आपसी सहयोग एवं समन्वय के साथ कार्य करें।इस तरह की बैठकें विश्वास और समन्वय को मजबूत करती है।साथ ही सीमाई क्षेत्रों में सौहार्द और आपसी सहयोग की दिशा में यह एक सार्थक कदम भी है* ।वही नेपाल के अधिकारियों ने भी साझा चुनौतियों से निपटने में सीतामढ़ी के प्रशासन से मिल रहे सहयोग की सराहना की। बैठक में शराब एवं अन्य मादक पदार्थो की तस्करी पर पूरी सख्ती के साथ रोक लगाने पर व्यापक चर्चा की गई। इसके अतिरिक्त हथियारों की तस्करी, मानव तस्करी ,दोनों देशों की मुद्रा की तस्करी एवं अन्य मादक पदार्थों की तस्करी पर पूरी सख्ती के साथ रोक लगाने एवं एक दूसरे को सूचनाओं के आदान-प्रदान पर भी सहमति बनी।सीमा पर नो मेंस लैंड एरिया में अतिक्रमण भी चर्चा की गई। तीसरे देशों के नागरिकों का अवैध तरीकों से भारत में प्रवेश नहीं करने को लेकर भी विस्तार से चर्चा की गई एवं ऐसी गतिविधियो पर कड़ी नजर रखने पर भी सहमति बनी। इसी क्रम में बिहार के रास्ते भारत में नेपाल से फेक करेंसी के आवागमन पर रोक लगाने पर विशेष रूप से चर्चा की गई। बॉर्डर एरिया में रात्रि गस्ती पर बल देने की बात कही गई ।साथ ही अनूरोध किया गया।

डीएम ने 33 मुखिया को किया सम्मानित

मोहम्मद सदरे आलम नौमानी

सीतामढ़ी: समाहरणालय सीतामढ़ी स्थित परिचर्चा भवन में जिला पदाधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित टीवी मुक्त पंचायत सम्मान समारोह–2024 –सह –जिला टीवी फोरम की बैठक में 14 प्रखंडों से 33 पंचायतों को टीवी मुक्त घोषित किया गया। जिसमें बेलसंड से लोहसी, पचनौर, कंसार एवं चंदौली, सुप्पी से घोवार्रा, हरपुर पिपरा, नरहा एवं कोढिया राय, सुरसंड से बनौली, बघारी एवं बिरख, परिहार से सिरसिया, कोरिया पिपरा एवं बराही, नानपुर से पंडोल एवं जानीपुर , रीगा से बुलाकीपुर, रेवासी , सिरौली द्वितीय एवं कुसमारी , बोखरा से कुरहर एवं बुधनगरा, चौरोत से यदुपटटी एवं चौरौत पूर्वी , पुपरी से गरहा एवं हरिहरपुर, सोनबरसा से भूतही एवं मधेसरा, बैरगनिया से मूसाचक एवं नंदवारा, बथनाहा से तुरकौलिया रुन्नीसैदपुर से मोरसंड तथा परसौनी से कठौर सहित कुल 33 पंचायत टीवी मुक्त घोषित किए गए। जिला पदाधिकारी महोदय द्वारा वर्ष 2024 में राष्ट्रीय यक्ष्मा उन्मूलन कार्यक्रम अंतर्गत यक्ष्मा नियंत्रण में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले पदाधिकारी एवं कर्मियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया जिसमें डॉक्टर कुमार गौरव डब्लू एच ओ कंसलटेंट श्री असीतरंजन डीपीएम, श्री गौरव कुमार डैम, मानस कुमार पिरामल, संतोष कुमार मूल्यांकन पदाधिकारी, समरेंद्र नारायण वर्मा डीसीएम, रंजय कुमार डीपीसी, रंजन शरण डीईओ सह लेखापाल जिला यक्ष्मा केंद्र, सीतामढ़ी ,

मधुबनी जिला के बिस्फी, बेनीपट्टी एवं अन्य प्रखंड के छात्र-छात्राओं ने लहराया परचम

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

कई छात्र-छात्राएं रही अपने स्कूल की टॉपर नहीं मधुबनी जिला के बिस्फी प्रखंड क्षेत्र के परोही गांव के रहने वाले मौलाना शौकत अली अल कासमी के साहबजादे मो. मोशर्रफ ने हाई स्कूल नाहस खंगरेटा के छात्र ने मैट्रिक की परीक्षा में 456 अंक लाकर विद्यालय एवं गांव का भी नाम रोशन किया है मो.मोशर्रफ से एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया कि कड़ी मेहनत और लगन और हमारे शिक्षक एवं माता-पिता को यह श्रेय जाता है आगे वह यूपीएससी करना चाहते हैं ' वहीं उन्होंने कहा कि कड़ी मेहनत और लगन से कोई भी छात्र-छात्रा आए अपनी मंजिल को पा सकते हैं इस अवसर पर हाफिज साबिर हुसैन ने इस छात्रा को इनाम दिया और कहा कि यह परोही गांव के बच्चों के लिए अच्छी कार किरदगी है और जो भी छात्र-छात्राएं पढ़ रही है उन्हें मेहनत करने की जरूरत है और मोहम्मद मोशर्रफ से सीख लेने की भी जरूरत है ' क्योंकि यह बच्चा गांव देहात में रहकर और खेल कूद कर इस तरह का नंबर जब ला सकते हैं तो और छात्र- छात्राओं को चाहिए कि वह और मेहनत करके अच्छा अंक ला सकते हैं

वही मोहम्मद आफताब के पुत्र मोहम्मद अब्दुल्ला ने मैट्रिक की परीक्षा में 394 अंक हासिल किया

बेनीपट्टी प्रखंड के शाहपुर गांव के रहने वाले विनोद यादव के पुत्र राहुल कुमार 433 अंक लाइन, बेनीपट्टी प्रखंड क्षेत्र के बेहटा गांव के निवासी मोहम्मद अखलाक के पुत्र मोहम्मद अमानुल्लाह ने 416 अंक लाकर अपने माता-पिता का और शिक्षक का नाम रोशन किया

को बधाई देने वालों में डॉ. मोहम्मद जिलानी.कारी अहमद अली, मोहम्मद बेलाल, मोहम्मद एहसान, राजद नेता आरिफ अंबर जिलानी, पूर्व मुखिया मोहम्मद शाकिर हुसैन उर्फ अब्बू बाबू, इंजीनियर मोहम्मद इमरान, डॉ. मोहम्मद जावेद आलम, मोहम्मद चांद उस्मानी, कांग्रेस पार्टी के लीडर डॉ.रशीद फाखरी, जिला अध्यक्ष इंद्रजीत यादव, मो. जफर अली,मोहम्मद प्यारे, प्रोफेसर इश्तियाक अहमद, जदयू लीडर जहीर परसौंवी, पर्व विधायक उमाकांत यादव, डॉ. मोहम्मद शहाबुद्दीन, मआज अहमद टेक्नीशियन, इंजीनियर प्रशांत झा, अन्य लोगों ने बधाई दी.'

रामनवमी के भव्य शोभयात्रा को लेकर माँ अन्नपूर्णा सेवा समिति द्वारा जयनगर मे लगाया गया नि:शुल्क लंगर सेवा

- लंगर में नि :शुल्क जूस,पानी,मिठाई,बिस्कुट, चॉकलेट,फ्रूटी का किया गया वितरण
- मेडिकल सुविधा भी रही उपलब्ध
- लगभग चार हजार श्रद्धालुओं ने पिया जूस

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

मधुबनी जिला के जयनगर शहर मे रामनवमी को लेकर जयनगर मे निकलने वाली भव्य, आकर्षक एवं मनमोहक शोभा यात्रा मे शामिल हुए श्रद्धालुओं की सेवा भाव के उद्देश्य से जयनगर के वीर कुंवर सिंह चौक पर माँ अन्नपूर्णा सेवा समिति के तत्वावधान में निःशुल्क लंगर लगाया गया।इस लंगर का उद्घाटन नगर पंचायत,जयनगर के मुख्य पार्षद कैलाश पासवान एवं स्थानीय जिला परिषद सदस्य अंजली कुमारी मंडल, एवं माँ अन्नपूर्णा महिला मंच की कामिनी साह, एवं माँ अन्नपूर्णा सेवा समिति के संरक्षक डॉ. सुनील कुमार राउत, प्रवीर महासेठ एवं मुख्य संयोजक अमित कुमार राउत सहित मौके पर उपस्तिथ नगर गणमान्य लोगों ने संयुक्त रूप से लंगर का विधिवत उद्घाटन किया।इसके बाद सभी आगत अतिथियों एवं नगर गणमान्य को मिथिला परम्परा अनुसार सम्मानित किया गया।

इसके बाद मौके पर उपस्तिथ लोकतंत्र के चौथे स्तम्भ जाने वाले स्थानीय समेत जिले से आये सभी पत्रकारों का भी सम्मान किया गया।

इसके बाद संस्था के सभी संरक्षक एवं पदेन सदस्यों समेत सभी सदस्यों का भी सम्मान किया गया।

इस मौके पर चेयरमैन कैलाश पासवान ने कहा कि माँ अन्नपूर्णा सेवा समिति की सेवा भावना अतुलनीय है। इसका समाज के लिए समर्पण अनुकरणीय है। इस छोटे से जगह पर स्वन्यसेवी संस्था चला कर चंदा मांग कर दान मांगकर जो कार्य ये लोग इस समाज के लिए करते हैं उनका जितनी भी प्रशंशा की जाए, वो कम है। माँ अन्नपूर्णा सेवा समिति के तीनो विंग समाज के लिए एक ऐतिहासिक उदाहरण बन रहे हैं।वहीं, जिप सदस्या अंजलि मंडल ने कहा कि माँ अन्नपूर्णा सेवा समिति, जयनगर के द्वारा रामनवमी के अवसर पर निकलने वाली भव्य शोभा यात्रा मे शामिल हो रहे श्रद्धालुओं के लिए यह लंगर विगत वर्ष की भांति इस वर्ष भी जयनगर के कुंवर सिंह चौक पर लगाया गया है, जो काफी सराहनीय कार्य है।इस मौके पर संस्था के मुख्य संयोजक अमित कुमार राउत ने जानकारी देते हुए बताया कि इस लंगर में माँ अन्नपूर्णा सेवा समिति के द्वारा निःशुल्क जूस, पानी, फ्रूटी, मिठाई, बिस्कुट, चॉकलेट का वितरण किया जा रहा है, जो अच्छी बात है। बता दें कि माँ अन्नपूर्णा कम्युनिटी किचन का रोज पिछले 1750दिनों से जयनगर रेलवे स्टेशन परिसर एवं इसके सामने पुराना नगर पंचायत परिसर मे लंगर लगा कर निःशुल्क खाना खिलाने का कार्य,

उप निदेशक तिरहुत मुजफ्फरपुर ने फसल कटनी किया

मोहम्मद सदरे आलम नौमानी

सीतामढ़ी: बिहार राज्य फसल सहायता योजना अन्तर्गत रब्बी गेंहू फसल की कटनी प्रयोग का निरीक्षण उप निदेशक शशि भूषण के द्वारा प्रखंड परसौनी के मदनपुर पंचायत ग्राम बेनीपुर में किया गया। उप निदेशक किसानों के खेत पहुँचे। गौरतलब हो कि फसल कटाई प्रयोग उत्पादन एवं उपज दर , क्षति के दृष्टिकोण से काफी महत्वपूर्ण है। इसके अंतर्गत कटनी का प्रयोग संभाविक रैंडम पद्धति से निकालकर प्लॉट का चयन किया जाता है ,जिसमें प्लॉट का कट साइज 10 मीटर लंबा एवं 5 मीटर चौड़ा यानी कुल 50 वर्ग मीटर में किया जाता है। 50 वर्ग मीटर में किए गए कटनी में कुल 20 किलो 600 ग्राम गेंहू का उपज पाया गया। जिसका प्रति हेक्टेयर 41.20 क्विंटल उत्पादन का आकलन हुआ इस अवसर पर लखी राम मुर्मु जिला सांख्यिकी पदाधिकारी, सहायक सांख्यिकी पदाधिकारी रणधीर कुमार, रवि शंकर कुमार अमोद कुमार अवर सांख्यिकी पदाधिकारी, कृषि समन्वयक एवं किसान सलाहकार उपस्थित थे।

एक साथ गायब हुए चार किशोर, स्कूल में नामांकन के लिए निकले थे एक साथ,समस्तीपुर के एक ही गाँव के हैं

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

समस्तीपुर/विभूतिपुर :- समस्तीपुर जिले के विभूतिपुर थाना क्षेत्र के महथी दक्षिण पंचायत के वार्ड संख्या-4 से एक साथ चार किशोर विचारकर गांव के गायब हो गया। परिजन अपने सगे संबंधियों के यहां ढूंढे। उसके बाद पुलिस से मदद की गुहार लगाई है। मामले को लेकर महथी दक्षिण के वार्ड संख्या-4 निवासी ब्रह्मदेव राउत ने स्थानीय थाना में आवेदन दिया है ।जिसमें उन्होंने बताया है कि मेरा पुत्र नैतिक राज उम्र 14 वर्ष गांव के ही कमलेश दास के 15 वर्षीय पुत्र शिवम कुमार दास के साथ 3 अप्रैल 2025 को स्कूल नामांकन कराने गया जहां से लापता हो गया है। उसके साथ गांव के ही संजय दास के 14 वर्षीय पुत्र सचिन कुमार एवं सुरेश यादव के 12 वर्षीय पुत्र मुकेश कुमार यादव भी लापता हैं ।अपने स्तर से काफी खोजबीन किया परन्तु कहीं पता नहीं चल पाया। वहीं इस संबंध में थाना अध्यक्ष आनंद कुमार कश्यप ने बताया कि आवेदन मिला है। चारों नामांकन के लिए निकला था। प्रतीत हो रहा है कि विचार कर चारों गायब हो गया है। सभी के परिजनों से पूछताछ की जा रही है। आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

मधुबनी, रिजनल सेकेंडरी स्कूल के एनुवल परीक्षा मैं हम्माद ने प्रथम स्थान लाकर किया नाम रौशन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

मधुबनी : रिजनल सेकेंडरी स्कूल के एनुवल परीक्षा मैं हम्माद ने प्रथम स्थान लाकर अपने ब्रांच एवं शिक्षक अभिभावक का नाम रौशन किया वहीं शिक्षक ने इस छात्र के आगे अच्छे भविष्य की कामना की वही वरिष्ठ शिक्षक सैलेंदर कुमार झा ने कहा कि लगन और मेहनत के साथ पढ़ने की वजह से यह छात्र अपने क्लास में लगातार टॉपर रहा है वही इंग्लिश की शिक्षिका स्वाती खन्ना ने हम्माद की तारीफ करते हुए कहा कि यह छात्र विल डिसिप्लिन एवं अपने शिक्षक के गाइडलाइन और माता-पिता के आदर करते हुए मेहनत लगन की वजह से लगातार प्रथम स्थान लाया है ' हम्माद (चमन)इस छात्र के लिए उपर वाले से कामना करती हूँ के आगे भविष्य में और भी अच्छा करें और अपने जिला एवं राज्य का नाम रोशन करें इस परीक्षा में 95.11% प्रतिशत टोटल 856 अंक लाए

इस अच्छे अंक लाने की वजह से इन्हें एक सर्टिफिकेट एवं मैडल देकर सम्मानित किया गया

बढ़ती गर्मी ,तेज पछुआ हवा एवं संभावित हीटवेव से बचाव को लेकर मधुबनी जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा ने किया बैठक

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

सतर्कता एवं जानकारी रखकर हम संभावित हीटवेव से बचाव कर सकते है।-डीएम।

सभी संबधित विभागों की तैयारियों का लिया जायजा।

डीएम ने कहा कि लगातार भूजलस्तर पर रखे नजर।

आंगनबाड़ी केंद्रों पर ओआरएस घोल का पैकेट अनिवार्य रूप से रखने का दिया निर्देश ।

विधुत कॉल सेंटर के निम्न मोबाइल नंबर पर करे संपर्क। मधुबनी डिवीजन विद्युत कॉल सेंटर 9264456414 , जयनगर डिवीजन विद्युत कॉल सेंटर 9264190783 तथा झंझारपुर डिवीजन विद्युत कॉल सेंटर 9264456415

बढ़ती गर्मी,तेज पछुआ हवा को देखते हुए संभावित हीटवेव से बचाव को लेकर आपदा की बैठक में डीएम अरविन्द कुमार वर्मा ने सभी सबंधित विभागों के पदाधिकारियों से तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि सतर्कता,जानकारी एवं जागरूकता के द्वारा ही हम हीट वेव से बचाव कर सकते है। डीएम ने कहा की हीट वेव से सुरक्षा हेतु लोगो को पूरी सावधानी बरतने एवम निर्धारित मापदंडों का पालन करवाने के लिए पंचायती राज विभाग,आईसीडीएस,शिक्षा, स्वास्थय ,जनसंपर्क,सहित सभी संबधित विभाग व्यापक जागरूकता कार्यक्रम चलाए। । उन्होंने सभी नगर निकायों को निर्देश दिया कि अविलम्ब सभी महत्वपूर्ण स्थानो पर पेयजल हेतु प्याऊ की व्यवस्था करें। उन्होंने सभी शिक्षण संस्थाओ एवं आंगनबाड़ी केंद्रों पर ओआरएस घोल का पैकेट अनिवार्य रूप से रखने का निर्देश दिया। भीषण गर्मी पड़ने पर मनरेगा मजदूरों के काम करने के समय मे भी परिवर्तन करने का निर्देश दिया।

यातायात पुलिस ने समस्तीपुर शहर की ट्रैफिक व्यवस्था को लेकर जारी की एडवाजरी, जुलूस के समय वैकल्पिक मार्गो का करे उपयोग

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

मोहम्मद :समस्तीपुर : रामनवमी शोभा यात्रा जुलूस को लेकर यातायात पुलिस ने रूट एडवाइजरी जारी की है। यातायात थानाध्यक्ष सुनील कांत ने बताया कि रूट प्लान सोमवार को प्रभावी रहेगा। यात्रियों एवं वाहन चालकों से वैकल्पिक मार्गों के माध्यम से यात्रा करेंगे। श्रद्धालुओं की सुविधा एवं यातायात व्यवस्था के सुगम संचालन व नियंत्रण को लेकर शहर में सोमवार को अग्निशमन, एम्बुलेंस, न्यायिक कार्य से जुड़े वाहनो को छोड़कर अन्य सभी वाहनों का प्रवेश वर्जित रहेगा ।इस संबंध में यातायात थानाध्यक्ष सुनील कांत के अनुसार चीनी मिल चौक, स्टेशन रोड, गोला रोड, बंगाली टोला, पुरानी दुर्गास्थान, बहादुरपुर, भूतनाथ मंदिर, हनुमान मंदिर, गणेश चौक, मगरदही घाट तक किसी प्रकार के वाहन का परिचालन सुबह 11 बजे से शाम 8 बजे तक वैकल्पिक मार्ग का प्रयोग किया जाएगा।

पिकअप की ठोकर से मासूम बच्चे की मौत, परिजनों में छाया मातम

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के वारिसनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत किशनपुर - मुक्तापुर मुख्य मार्ग पर कुसैया धर्मकांटा के पास सोमवार की शाम पीकअप गाड़ी की ठोकर से एक बालक की मौत हो गई। मृतक की पहचान कुसैया गांव निवासी दिलीप कुमार सहनी का 4 वर्षीय पुत्र निलेश कुमार के रूप मे की गई है। इस बाबत मिली जानकारी के अनुसार उक्त बालक अपने दरवाजे के पास ही सड़क किनारे खेल रहा था, इसी बीच किशनपुर से मुक्तापुर की ओर जा रहे पीकअप वाहन ने बच्चे को ठोकर मार दिया। जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। इधर पीकअप चालक गाड़ी छोड़कर फरार हो गया। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष निरंजन कुमार ने घटनास्थल पर पहुंचकर शव को जप्त कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा ।और वाहन को जप्त कर थाना लाया गया। थानाध्यक्ष निरंजन कुमार ने बताया की वाहन मालिक व चालक का पता लगाया जा रहा है।

कल्याणपुर आरटीपीएस काउंटर पर तैनात कर्मियों की मिली भगत से दलाल लोगों से पैसे वसूलने का खेल करते हैं

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

समस्तीपुर: कल्याणपुर प्रखंड कार्यालय परिसर में बने आरटीपीएस काउंटर पर जाति, निवास व आय बनाने के लिए हर रोज 50 से 60 की संख्या में लोग पहुंचते है। आरटीपीएस काउंटर पर सक्रिय दलाल इन लोगों को अपने जाल में फंसा कर उनसे 150 से लेकर 200 रुपये लेकर 24 घंटे के अंदर प्रमाण पत्र बनवाकर उन्हें देते हैं। बिना दलाल की मदद से काउंटर पर आवेदन जमा करने वालों को प्रमाण पत्र के लिए चार से आठ दिन तक इंतजार करना पड़ता है। ऐसे में आरटीपीए काउंडर पर आवेदन जमा करने आने वाले लोग दलालों के चंगुल में आसानी से फंस जाते हैं। अच्छी कमाई होने से यहां दलाल सक्रिय हैं। आरटीपीएस काउंटर पर सक्रिय दलाल साहब के निर्देश की हवा निकाल रहे हैं। सोमवार के दिन के 11 बजे हैं। कल्याणपुर प्रखंड कार्यालय परिसर में आरटीपीएस काउंटर पर लोगों की भीड़ लगी है। आवेदन जमा करने के लिए लोग कतार में लगे हैं। आवेदन जमा करने की गति धीमी होने से बीच बीच में लोग झल्ला भी जाते हैं। कतार में लगे लोगों ने बताया कि आरपीटीपीएस काउंटर पर आकर आवेदन करने पर कोई पैसा नहीं लिया जा रहा है। लेकिन समय ज्यादा लगने के कारण ग्रामीण इलाके से आने वाले लोग दलालों के चुंगल में फंस जाते हैं। दलाल 150 से 200 रुपये लेकर 24 घंटे में प्रमाण पत्र बनवाकर दे देते हैं। यहां कतार में लगने पर आरटीपीएस काउंटर पर मौजूद कर्मियों से यह सुनने को मिलता है कि सर्वर डाउन है। ऐसे में घंटों लाइन में खड़ा रहना पड़ता है। काउंटर पर कतार में खड़े नामापुर गांव निवासी मनोहर ने बताया कि निवास व आय प्रमाण पत्र बनाने के लिए चार दिन से चक्कर काट रहा हूं। काउंटर पर तैनात कर्मी कभी सरवर डाउन होने की बात कहते है तो कभी थोड़ा देर रुकने की बात कहते हैं। इससे काफी ज्यादा परेशानी होती है। कतार में खड़ी अंजली कुमारी ने बताया कि कल्याणपुर प्रखंड कार्यालय के गेट पर दलाल आवेदन जमा करने आने वालों को रोककर पूछते हैं कि क्या काम है। वे कहते हैं कि जाति व निवास सहित कोई भी कार्य है तो आइए हम जल्दी करा देंगे। वे कहती हैं कि ताजुब यह है कि 150 से 200 रुपये लेकर वे 24 घंटे में प्रमाण पत्र बनवा भी देते हैं। काउंटर पर आवेदन जाम करने वालों को चार से आठ दिन में प्रमाण पत्र मिल जाए तो भी गनीमत है।

कृषि साख सहयोग समिति) का निर्वाचन दिनांक 09-04-2025 (बुधवार) को पूर्वाह्न 7:00 बजे से

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

मधुबनी जिला के राजनगर प्रखंड अन्तर्गत रामपट्टी, मंगरोनी दक्षिण नगर निगम पैक्स तथा रांटी नगर निगम पैक्स एवं बेनीपट्टी के बेतौना पैक्स, कटैया पैक्स, बनीपट्टी नगर पंचायत पैक्स तथा बेहटा नगर पंचायत पैक्स (कृषि साख सहयोग समिति) का निर्वाचन दिनांक 09-04-2025 (बुधवार) को पूर्वाह्न 7:00 बजे से 4:30 बजे अपराह्न तक होगा मतदान।

उसी दिन दिनांक 09-04-2025 (बुधवार) को निर्वाचन के तुरंत होगी मतगणना मधुबनी : राजनगर प्रखण्डान्तर्गत रामपट्टी, मंगरोनी दक्षिण नगर निगम पैक्स तथा रांटी नगर निगम पैक्स एवं बेनीपट्टी प्रखण्डान्तर्गत बेतौना पैक्स, कटैया पैक्स, बनीपट्टी नगर पंचायत पैक्स तथा बेहटा नगर पंचायत पैक्स (कृषि साख सहयोग समिति) का होगा निर्वाचन। साथ ही मतगणना राजनगर प्रखण्ड अन्तर्गत पैक्स का प्रखण्ड कृषि कार्यालय के सभागार कक्ष, राजनगर में तथा

बेनीपट्टी प्रखण्ड अन्तर्गत पैक्स का मतगणना टी०पी०सी० भवन, प्रखण्ड परिसर बेनीपट्टी में होगा। इस सम्बन्ध में जिला निर्वाचन पदाधिकारी(स0 स0) सह जिला दंडाधिकारी, अरविन्द कुमार वर्मा के द्वारा स्वच्छ, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण वातावरण में मतदान/मतगणना संपन्न कराने तथा विधि-व्यवस्था मद्देनजर सभी संबंधित अधिकारियों को कई आवश्यक निदेश भी दिया गया है।

राजनगर प्रखण्ड के रामपट्टी / बेनीपट्टी प्रखण्ड के बेतौना एवं कटैया कृषि साख सहायता समिति (पैक्स) निर्वाचन को लेकर वरीय दंडाधिकारी के रूप में राकेश कुमार, अनुमण्डल कृषि पदाधिकारी, सदर, मधुबनी एवं प्रशांत कुमार, भूमि सुधार उप समाहर्ता, बेनीपट्टी को तथा पुलिस पदाधिकारी के रूप में हरिशंकर चौधरी, राजनगर थाना एवं संतोष कुमार, बेनीपट्टी थाना को नामित किया गया है। सेक्टर दंडाधिकारी के रूप में अश्विनी कुमार झा, कार्यक्रम पदाधिकारी, मनरेगा, राजनगर एवं श्री जितेन्द्र कुमार, प्रखण्ड कार्यक्रम पदाधिकारी, मनरेगा, बेनीपट्टी एवं पुलिस पदाधिकारी के रूप में अनिल कुमार, राजनगर थाना एवं शशिभूषण सिंह, बेनीपट्टी थाना को प्रतिनियुक्त किया गया है।

ट्रंप ने कर दिया भ्रम का पदार्फाश, बाजार में बड़ी गिरावट के बहाने पीएम मोदी पर राहुल गांधी का वार

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

शेयर बाजार में आए हाहाकार और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए रेसिप्रोकल टैरिफ के कारण कई देशों के शेयर बाजार में आई बड़ी गिरावट के बीच लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला बोला है और कहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने 'भ्रम का पदार्फाश' कर दिया है। इसके साथ ही गांधी ने कहा कि भारत को एक लचीली, उत्पादन आधारित अर्थव्यवस्था बनानी होगी।कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक्स पर कहा, "ट्रंप ने भ्रम का पदार्फाश कर दिया है। वास्तविकता सामने आ रही है। पीएम मोदी कहीं दिखाई नहीं दे रहे हैं।" उन्होंने कहा, ह्लभारत को वास्तविकता को स्वीकार करना होगा। हमारे पास एक लचीली, उत्पादन आधारित अर्थव्यवस्था बनाने के अलावा कोई विकल्प नहीं है, जो सभी भारतीयों के लिए काम करे।बिहार दौरे पर राहुल गांधी ने मोदी सरकार और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर हमसा बोलेते हिए तंज कसा कि महात्मा गांधी ने 'माय एक्सपेरिमेंट्स विद ट्रुथ' लिखा था लेकिन मोदी से शायद 'माय एक्सपेरिमेन्ट्स विद लाइज' लिखेंगे। इससे पहले पटना में संविधान सुरक्षा सम्मेलन को संबोधित करते हुए गांधी ने कहा कि शेयर बाजार में बड़ी गिरावट के कारण अमेरिकी राष्ट्रपति हैं। उन्होंने कहा, ह्लअमेरिकी राष्ट्रपति ने शेयर बाजार को गिरा दिया है। यहां 1 प्रतिशत से भी कम लोगों ने अपना पैसा शेयर बाजार में लगाया है, जिसका मतलब है कि शेयर बाजार आपके लिए नहीं है। इसमें असीमित पैसा बनता है,

अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति समुदाय के समग्र विकास हेतु

समस्तीपुर की अध्यक्षता में विशेष विकास शिविर के प्रशिक्षण हेतु कार्यशाला का आयोजन किया गया

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति समुदाय के समग्र विकास हेतु आज दिनांकझ07झ04झ2025 को कपूर्री सभागार, समस्तीपुर में जिला पदाधिकारी, समस्तीपुर की अध्यक्षता में विशेष विकास शिविर के प्रशिक्षण हेतु कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें उपविकास आयुक्त सहित सभी जिला स्तरीय पदाधिकारी, अनुमंडल पदाधिकारी एवं प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित हुए।इसका उद्देश्य अभियान चलाकर लोकझकल्याणकारी योजनाओं के लाभ से वंचित अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति समुदाय के व्यक्तियों को आच्छादित करना एवं अभियान के दौरान छूट गए लोगों को ऑन स्पॉट लाभ दिलाना है।दिनांकझ14झ04झ2025 से जिला पदाधिकारी, समस्तीपुर द्वारा इस अभियान की शुरूआत की जाएगी।दिनांकझ19 झ04झ25 से प्रखंडों के आधे पंचायत में शनिवार एवं शेष आधे पंचायत में बुधवार महादलित टोलों में शिविर का आयोजन किया जाएगा।जिला प्रशासन द्वारा इसकी माइक्रोप्लानिंग कर ली गई है।

केंद्र सरकार द्वारा वक्फ बिल लाना मुसलमानों को कमजोड़ करने के लिए नापाक साजिश : मुस्ताक अंसारी

मोदी सरकार सिर्फ और सिर्फ मुस्लिमों को कमजोड़ करने के लिए तरह तरह की नापाक साजिश करने लगी है।

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर।इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग के प्रदेश अध्यक्ष सह जिला अध्यक्ष मो मुस्ताक अंसारी ने अपने निवास स्थान खराज में मीडिया कर्मियों के समक्ष बताया कि केंद्र सरकार द्वारा लाया गया वक्फ बिल मुसलमानो के खिलाफ है इसे कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।उन्होंने बताया कि जबसे केंद्र में एनडीए की सरकार बनी है तब से मुसलमानों को तंग व तबाह करने के लिए हथकंडा अपना रही है। मोदी सरकार सिर्फ और सिर्फ मुस्लिमों को कमजोड़ करने के लिए तरह तरह की नापाक साजिश करने लगी है। उन्होंने बताया कि जिस प्रकार मोदी सरकार ने वक्फ बिल पास किया और कराया है उसे हमारी पार्टी कभी कबूल नहीं करेगी। हर हाल में केंद्र सरकार को यह बिल को वापस लेना पड़ेगा। मुस्ताक अंसारी ने बताया कि प्रधानमंत्री सबके लिए होते हैं किसी एक समुदाय के लिए नहीं। उन्होंने मीडिया कर्मियों को बताया कि हिंदुस्तान में मुसलमानों के नमाज पर पाबंदी लगाना शुरू कर दिया है, इतना ही नहीं अगर कोई मुस्लिम भाई मेला वगैरह में अपनी दुकान लगाते है तो उसे कहा जाता है कि दुकान में अपना नेम प्लेट लगाओ। यह सब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। हिंदुस्तान में जितना अधिकार हिन्दू भाई का है उतना ही अधिकार मुस्लिम भाई का भी है।इधर वक्फ बिल मामले को लेकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर कटाक्ष करते हुए कहा कि नीतीश कुमार ने मुसलमानों के पीठ पर छुड़ा घोपने का काम किया है अगर नीतीश कुमार और आंध्रप्रदेश मुख्यमंत्री चंद्र बाबू नायडू वक्फ बिल का समर्थन नहीं करते तो यह वक्फ बिल केंद्र में पास नहीं होता। इसी कारण से जदयू पार्टी कमजोड़ होती नजर आ रही है और इस पार्टी से मुस्लिम नेताओं ने इस्तीफा देना शुरू कर दिया है। आम जनता आगामी विधानसभा चुनाव में अवश्य सबक सिखाएगी।

अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति के उत्थान के लिए हुआ एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति समुदाय के समग्र विकास हेतु सोमवार को कपूर्री सभागार में जिला पदाधिकारी रोशन कुशवाहा की अध्यक्षता में विशेष विकास शिविर के प्रशिक्षण हेतु कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्जवलित कर किया गया। जिसमें उप विकास आयुक्त संदीप शेखर प्रियदर्शी सहित सभी जिला स्तरीय पदाधिकारी, अनुमंडल पदाधिकारी एवं प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित हुए।इसका उद्देश्य अभियान चलाकर लोक कल्याणकारी योजनाओं के लाभ से वंचित अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति समुदाय के व्यक्तियों को आच्छादित करना एवं अभियान के दौरान छूट गये लोगों को ऑन स्पॉट लाभ दिलाना है।दिनांक 14 अप्रैल 2025 से जिला पदाधिकारी द्वारा इस अभियान की शुरूआत की जाएगी। दिनांक 19 अप्रैल 2025 से प्रखंडों के आधे पंचायत में शनिवार एवं शेष आधे पंचायत में बुधवार महादलित टोलों में शिविर का आयोजन किया जाएगा। जिला प्रशासन द्वारा इसकी माइक्रोप्लानिंग कर ली गई है।

रितु जायसवाल के सौजन्य से स्वास्थ्य शिविर आयोजित

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सोनबरसा । महिला राजद की प्रदेश अध्यक्ष सह परिहार विधानसभा की पूर्व प्रत्याशी रितु जायसवाल द्वारा महिला विकास मंच के तत्वावधान में प्रखंड मुख्यालय सोनबरसा के एक निजी स्कूल के प्रांगण में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया।कार्यक्रम में मुफ्त चिकित्सा जांच, कैंसर जांच के साथ साथ घरेलू हिंसा का शिकार रही महिला व पुरुष उत्पीड़न से ग्रसितों को निजात व शिक्षा के क्षेत्र में उचित काउंसलिंग किया गया। महिला विकास मंच द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में मंच की सरंक्षक वीणा मानवी ने कहा कि हमारा सपना है बिहार में हर महिलाओं को स्वास्थ्य सशक्तिकरण एवं शिक्षा जगत में आगे बढ़ाने का तथा स्वस्थ बिहार बनाने का है।इस ओर यह हमारा पहला कदम है। उन्होंने बताया कि कई बड़े योजनाओं पर कार्य कर रहे हैं, ताकि अधिक से अधिक लोगो को इसका लाभ मिल सके। वहीं मिशन जुगनू के डॉक्टर उपासना वोहरा ने महिलाओं में होनेवाली बीमारियों से बचने व उसके घरेलू उपाय के बारे में बताया। सवेरा हॉस्पिटल की प्रतिनिधि डॉक्टर रितु शर्मा द्वारा फ्री कैंसर जांच और सुविधा की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में सैनिटरी पैड, ओआरएस आदि सामग्री का वितरण किया गया।कार्यक्रम में सैकड़ों महिलाओं की उपस्थित रही।

भाजपा विश्व की सबसे बड़ी पार्टी

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के कल्याणपुर में भारतीय जनता पार्टी के 46 वें स्थापना दिवस का आयोजन धूमधाम से किया गया। इस अवसर पर वासुदेवपुर स्थित भाजपा कार्यालय पर मंडल अध्यक्ष के नेतृत्व में कार्यकताओं ने झंडोत्तोलन किया और भारत माता तथा पार्टी के पितृ पुरुषों डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय और अटल बिहारी वाजपेयी के चित्रों पर माल्यार्पण कर उनका स्मरण किया।कार्यकताओं ने भाजपा जिंदाबाद, नरेंद्र मोदी जिंदाबाद, जेपी नड्डा जिंदाबाद, अमित शाह जिंदाबाद, अटल बिहारी अमर रहे, पंडित दीनदयाल उपाध्याय अमर रहे और श्यामा प्रसाद मुखर्जी अमर रहे के नारों से वातावरण को गुंजायमान किया। जिला प्रभारी उमेश प्रसाद कुशवाहा ने कहा कि करोड़ों कार्यकताओं के त्याग और बलिदान के कारण आज भाजपा विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बनी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत का अभूतपूर्व विकास हुआ है और देश विकसित भारत बनने की ओर अग्रसर है।किसान मोर्चा के प्रदेश कोषाध्यक्ष ने बताया कि राष्ट्रवाद, एकात्म मानववाद, गांधीवादी आधारित भारतीय लोकतंत्र और अंत्योदय पार्टी की पंच निष्ठा है। उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता इसी विचारधारा को लेकर जनसेवा में निरंतर अहर्निश है। स्थापना दिवस कार्यक्रम के अवसर पर पार्टी के कार्यकर्ता पदाधिकारी मौजूद थे।

वर्ग सात बी के बच्चों ने लगाया एचएम पर सबेरे छुट्टी दे देने का आरोप,

इधर विद्यालय पंहुचे बच्चे संग अभिभावक

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के वारिसनगर प्रखंड क्षेत्र के रायपुर पंचायत के उमवि रायपुर के 7 बी के बच्चों द्वारा चेतना सत्र के बाद ही विद्यालय से छुट्टी दे देने का मामला प्रकाश में आया है। इधर छुट्टी मिलने के बाद घर पर बच्चे को देख अभिभावक बच्चो के साथ विद्यालय पंहुचकर रोष जताया है। जानकारी के अनुसार विद्यालय खुलते ही उक्त वर्ग कक्ष के बच्चे भी पंहुचे व चेतना सत्र में भाग लिया। चेतना सत्र बाद बच्चे को बैठाने को लेकर आपस में ही शिक्षक व एचएम मे सामंजस्य नही बन पाया। इधर शिक्षक को एचएम द्वारा उक्त क्लास के बच्चे को ले जाकर बैठाने की बातें कही और विद्यालय के कागजात को तैयार करने मे जुट गये। इसी बीच बच्चे को बैठने का जगह नही रहने के कारण उक्त वर्ग के बच्चे घर चले गये। इधर बच्चे संग अभिभावक को विद्यालय पर आया देख एचएम दिलीप कुमार राम ने जब मामले की जानकारी की तहकीकात कर ही रहे थे तो इसी बीच मुखिया प्रतिनिधि मुखिया डॉ इरशाद अहमद, समाजसेवी व गणमान्य लोग भी विद्यालय पंहुचकर अभिभावक को समझाया बुझाया और एचएम को सुझाव दिया की विद्यालय में अविलंब अभिभावक व शिक्षक बैठक कर विद्यालय को सुचारू रूप से चलावें।इधर एचएम दिलीप कुमार राम ने बताया की हमारे द्वारा वर्ग शिक्षक को सभी बच्चे को बैठाने के लिए बोला गया था। किस समय शिक्षक बच्चे को छोड़ दिए इसकी सूचना हमे नही दी गई। अभिभावक के आने पर हमे यह बात मालूम हुई। विद्यालय मे शिक्षक ही गुटबाजी कर ऐसा माहौल बनवा रहे हैं।

अग्नि पीड़ित परिवार से मिले विधायक, शाहीन ने अपने कोष से किया आर्थिक मदद

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। विगत दिनों रूपनारायणपुर बेला पंचायत के वार्ड संख्या 04 में चंदन साह, संतोष साह तथा गोपाल कुमार का घर आग लगने से पूर्णतः जलकर राख हो गई थी। इस घटना घर में रखे हुए अनाज, कपड़ा , खाट, बर्तन आदि जल कर पूर्णतः नष्ट हो गया था। इसकी जानकारी मिलने पर सोमवार को स्थानीय विधायक अख्तरुल इस्लाम शाहीन ने पीड़ित परिवारो को हर संभव मदद का भरोसा दिलाया तथा सरकारी मुआवाजे का 12 हजार रुपए का चेक वितरित प्रत्येक पीड़ितों को प्रदान किया। विधायक ने कहा कि दुःख की इस घड़ी में वह पीड़ित परिजन के साथ है तथा पीड़ित परिवार को विधायक ने अपने निजी कोष से खाद्य सामग्री, बर्तन, कपड़ा तथा नगद राशि (राहत पैकेट) दिए और कहा कि आगे भी यथासंभव सहयोग प्रदान करेंगे। विधायक अख्तरुल इस्लाम शाहीन ने कहा कि इस घटना से मैं अत्यंत दुःखी व व्यथित हूँ तथा पीड़ित परिजनों के साथ परिवार के एक सदस्य के रूप में मजबूती के साथ खड़े है।

बेगूसराय में आधा घंटा रुके राहुल गांधी, कांग्रेस की यात्रा में एक किलोमीटर पैदल चले

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

कांग्रेस नेता राहुल गांधी बिहार के बेगूसराय में सोमवार को लगभग आधा घंटा रुके। इस दौरान वे कांग्रेस की 'नौकरी दो पलायन रोको' यात्रा में भी शामिल हुए। राहुल यात्रा में लगभग एक किलोमीटर तक पैदल चले। वे 20-25 मिनट यात्रा में रहे, फिर राजधानी पटना के लिए रवाना हो गए। पटना में दोपहर को राहुल गांधी ने कांग्रेस के संविधान सुरक्षा सम्मेलन को संबोधित किया। इसके बाद बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर प्रदेश कार्यालय में पार्टी के नेताओं के साथ बैठक भी की।

राहुल गांधी सोमवार सुबह 11 बजे बेगूसराय के सुभाष चौक पर कांग्रेस की पदयात्रा में शामिल हुए। उन्होंने कपास्या चौक तक एक किलोमीटर पैदल चलकर यात्रा में शामिल लोगों के साथ कदमताल मिलाए। इस दौरान घरों की छतों और चौक-चौराहों से राहुल गांधी की एक झलक पाने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। हालांकि, राहुल ने बेगूसराय में कोई सार्वजनिक भाषण नहीं दिया।बता दें कि बेरोजगारी और युवाओं के पलायन जैसे मुद्दों को केंद्र में रखकर मोतिहारी से

निकाली गई नौकरी दो, पलायन रोको यात्रा सोमवार को बेगूसराय पहुंची। इस यात्रा का नेतृत्व एनएसयूआई के राष्ट्रीय प्रभारी कन्हैया कुमार और इंडियन यूथ कांग्रेस के बिहार प्रदेश अध्यक्ष गरीब दास कर रहे हैं। कन्हैया बेगूसराय से सीपीआई के टिकट पर लोकसभा का चुनाव भी लड़ चुके हैं।केंद्रीय मंत्री एवं बेगूसराय से भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के सांसद गिरिराज सिंह ने राहुल गांधी के बेगूसराय दौरे पर तंज कसा है। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, "राहुल गांधी का बेगूसराय दौरा कांग्रेस कार्यकताओं के मुंह पर तमाचा साबित हुआ। कार्यकताओं ने पेट काटकर स्टेज बनाया, युवाओं ने 15 दिन मेहनत की और नेता जी आधे घंटे में बिना किसी से मिले, बिना जनसभा किए निकल लिए! ये दौरा नहीं, अपमान था। बेगूसराय को उनसे वैसे ही कोई उम्मीद नहीं थी ..लेकिन उनके हिट एंड रन की राजनीति ने राजनीति को और भी शर्मसार किया है। बेगूसराय में उन्हें कोई मुद्दा नहीं मिला तो वे अपना तय कार्यक्रम भी छोड़कर भाग निकले।

राहुल बोले- ट्रंप की वजह से शेयर बाजार में गिरावट

देश में गरीब, आदिवासी सेकंड सिटीजन, कांग्रेस की लिस्ट में अब दो तिहारी दलित-पिछड़े

बेगूसराय। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने संविधान सुरक्षा सम्मेलन में कहा है कि ' इस देश में अगर आप दलित, आदिवासी, पिछड़े वर्ग, ईबीसी, और महिला हो तो आप सेकेंड क्लास सिटीजन हो। ये मैं ऐसे ही नहीं पढ़ लिखकर बोल रहा हूं। तेलंगाना में हमने जातीय गणना करवाई। अगर आप तेलंगाना में उन लोगों की लिस्ट निकाले जिन्होंने बैंक से लोन लिया है तो उसमें कोई ईबीसी, दलित, आदिवासी नहीं मिलेगा। तेलंगाना में जाति का पूरा का पूरा डेटा हमारे पास है। इससे हम आपको आपका हक दिलवा सकते हैं। मोहन भागवत कहते हैं, जातीय गणना नहीं होनी चाहिए। अगर आपको चोट लगती है तो डॉक्टर कहता है कि एक्स-रे करो। इससे कुछ नुकसान नहीं होता। वहीं एक्स-रे हम कर रहे हैं। राहुल गांधी ने कहा कि, पहले हमारे जिलाध्यक्षों की लिस्ट में 2 तिहाई अपर कास्ट के लोग थे, लेकिन अब हमने दो तिहाई दलित-गरीबों को शामिल किया है। राहुल बोले- अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के कारण शेयर बाजार में भारी गिरावट आई है। यहां 1% से भी कम लोगों ने अपना पैसा शेयर बाजार में लगाया हुआ है, जिसका मतलब है कि शेयर बाजार आपके लिए नहीं है। इसमें असीमित पैसा बनता है, लेकिन आपको इसका लाभ नहीं मिलता। मजदूरी करने वाले 90 फीसदी दलित-आदिवासी राहुल ने कहा कि, अगर आप मजदूरों की लिस्ट निकालो, घर में काम करने वालों की लिस्ट निकालो तो 90 फीसदी दलित, आदिवासी, गरीब हैं। तेलंगाना का पूरा का पूरा डेटा हमारे हाथ में है, जो मोदी जी आपको नहीं देना चाहते हैं। मैंने मोदी जी को संसद में सामने से बोला कि ये जो 50 फीसदी आरक्षण की फेक दीवार बना रखी है, जो आप नहीं तोड़ेंगे तो हम तोड़ कर रहेंगे। 10-15 लोग हैं, जिन्होंने पूरे कॉरपोरेट सेक्टर को पकड़ के रखा है।अंबानी-अडाणी ने कब्जा कर रखा है। जीएसटी आप देते हो, और कर्जा माफ उनका होता है। पूरे सिस्टम ने आपको घेर के रखा हुआ है। इसलिए आप सांस नहीं ले पाते हो। मोची के कहने पर मशीन दिलवाई, आज 2 दुकानें राहुल ने कहा कि, मैं सुल्तानपुर गया, वहां चेतराम मोची जी है, उनसे मेरी दोस्ती हो गई। मैं उनके 40 मिनट बैठा तो उनमें हुनर की कोई कमी नहीं है। उन्हें कोई भी जूता दे दो, और कहो बना दो वो बना देंगे। मैंने उनसे पूछा- आप कब से ये काम कर रहे हो? वो बोले- 40 साल से। मेरा बेटा यहां नहीं रहना चाहता। मैंने कारण पूछा तो कहा कि 40 साल में मुझे किसी ने इज्जत नहीं दी। मैं यहां आता हूं दिनभर काम करता हूं, चला जाता हूं। बेटा कहता है नौकरी करूंगा। मैंने पूछा अगर आप अपने काम को इंप्रूव करना चाहते हो तो क्या करोगे। उन्होंने कहा कि मैंने एक मशीन देखी थी, वो मिल जाए तो मेरा काम डबल हो जाएगा। मैंने एक राजनेता से उन्हें मशीन डोनेट करवा दी। 3 महीने बाद उनका मुझे फोन आया। उन्होंने कहा- राहुल जी मैं अब बहुत खुश हूं, मेरी अब 2 दुकानें हैं। 10 लोगों मेरे लिए काम करते हैं। तेलंगाना के सीएम से कहा- हुनरमंदों से ट्रेनिंग करवाएं चेतराम मोची ने मुझे एक और बात बोली- राहुल जी यूपी सरकार ने मुझे एकबार ट्रेनिंग पर बुलाया, उनकी योजना थी। मैंने पूछा क्या सीखे। राहुल जी ट्रेनर से ज्यादा तो मुझे मालूम था। मैंने उसको समझाया लेकिन वो नहीं माने। अब देखिए हुनर किसके हाथ में, लेकिन ट्रेनिंग कौन दे रहा है। जिसके पास हुनर है, ज्ञान है, वो ट्रेनिंग करा ही नहीं रहा।

लखीसराय में नक्सल हथियारों का जखीरा बरामद

लखीसराय। मनियारा जंगल में पुलिस और एसएसबी की संयुक्त टीम ने सर्च ऑपरेशन चलाकर नक्सलियों के हथियारों का बड़ा जखीरा बरामद किया है। ये हथियार जमीन में छुपाकर रखे गए थे, जिसे नक्सली किसी बड़ी साजिश के लिए इस्तेमाल करने की तैयारी में थे। यह कार्रवाई पीरीबाजार थाना क्षेत्र में की गई। गुप्त सूचना पर चलाया गया अभियान एसपी अजय कुमार ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि नक्सली बड़ी वारदात की योजना बना रहे हैं। इस इनपुट के आधार पर पीरीबाजार थाना क्षेत्र के कठोतिया, मनियारा और हदहदिया के जंगलों में विशेष सर्च अभियान चलाया गया। हथियार और डेटोनेटर बरामद, नक्सली फरार अभियान के दौरान पुलिस ने एक मास्केट, 8 जिंदा कारतूस, 13 नॉन इलेक्ट्रिक डेटोनेटर, 9 लेवी बुक, इंसास और एलएमजी का मैगजीन बरामद किया है। सभी सामान जमीन के भीतर छुपा कर रखा गया था,

पारिवारिक संपत्ति विवाद में पशुपति पारस का बड़ा दावा

अररिया । पूर्व केंद्रीय मंत्री और रालोजपा (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष पशुपति कुमार पारस ने पारिवारिक संपत्ति विवाद पर बड़ा बयान दिया है। अररिया में आयोजित एक कार्यकर्ता सम्मेलन में उन्होंने खगड़िया जिले के शहरबन्नी गांव स्थित पैतृक मकान को लेकर स्थिति स्पष्ट करते हुए चिराग पासवान पर भी तीखे सवाल उठाए।पिता की संपत्ति पर बताया तीनों बेटों का हक पशुपति पारस ने संपत्ति विवाद पर कहा कि यह मकान मेरे ने खरीदा था। उनके निधन के बाद तीनों भाइयों ने मिलकर इसका पुनर्निर्माण करवाया। घर में कुल छह कमरे हैं, तीन नीचे और तीन ऊपर। उन्होंने इशारों में दावा किया कि पिता की संपत्ति पर तीनों भाई के समान अधिकार हैं। पत्नी और साली के निरीक्षण के बाद दर्ज हुआ केस हाल ही में पारस की पत्नी और साली ने जब मकान का निरीक्षण किया, तो वहां रह रहीं बड़ी भाभी राजकुमारी देवी की हालत बेहद खराब मिली। इसके बाद उन्होंने घर की साफ-सफाई करवाई और एक कमरे में सामान रखकर ताला लगा दिया। इस पर राजकुमारी देवी ने स्थानीय थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई। पारस ने चिराग से मांगा संपत्ति का हिसाब इस मुद्दे पर पारस ने चिराग पासवान को आड़े हाथों लेते हुए कहा, अगर चिराग को इतनी चिंता थी, तो उन्होंने अपनी बड़ी मां को पिछले 45 वर्षों में कभी दिल्ली क्यों नहीं बुलाया? उन्होंने कहा कि वे संपत्ति के बंटवारे के लिए तैयार हैं, लेकिन चिराग को भी अपनी संपत्तियों का हिसाब देना होगा।इस मामले पर राजद‚वक्ता मत्तुंजय तिवारी ने कहा था कि चिराग पासवान ने बेहद कम समय में जितनी संपत्ति अर्जित की है, वह सामान्य जनप्रतिनिधि के लिए संभव नहीं। राजनीति को उन्होंने कारोबार बना दिया है। हम मांग करते हैं कि उनकी संपत्ति की जांच ED और IT विभाग से कराई जाए। चिराग बोले - मैं हर जांच के लिए तैयार इस मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए चिराग पासवान ने कहा, मेरे खिलाफ साजिश की जा रही है। मेरी छवि को नुकसान पहुंचाने की कोशिश हो रही है।

सीने में फंसी गोली, 3 दिनों तक भटका मरीज

भागलपुर। 4 अप्रैल की रात एक अधेड़ को अज्ञात अपराधियों ने सीने में गोली मार दी। घटना के बाद गोली अधेड़ के सीने में फंस गई। मरीज पिछले तीन दिनों से सीने में फंसी गोली लेकर एक अस्पताल से दूसरे अस्पताल भटकता रहा। आखिरकार सोमवार को मरीज को भागलपुर के एक प्राइवेट अस्पताल में एडमिट कराया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। अस्पताल के डायरेक्टर के मुताबिक, मरीज की स्पाइनल सर्जरी होगी।मरीज की पहचान 55 साल के ठाकुर मुर्मू के रूप में हुई है, जो आनंदपुर, सिमरा मोड़ बांका जिले के रहने वाले हैं। जानकारी के मुताबिक, मरीज की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है, जिसकी वजह से उन्हें एक अस्पताल से दूसरे अस्पताल घूमना पड़ा। मरीज के परिजन के मुताबिक, घटना के बाद उन्हें बांका सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां से उन्हें मायागंज रेफर कर दिया गया। मायागंज पहुंचने के बाद कुछ लोगों ने मरीज के परिजन को प्राइवेट अस्पताल जाने की सलाह दी। लेकिन जब वे एक दो प्राइवेट अस्पताल पहुंचे तो इलाज का खर्च सुनकर परिजन परेशान हो गए और एक अस्पताल से दूसरे अस्पातल लेकर घूमने लगे। आखिरकार मरीज को भागलपुर के एक प्राइवेट अस्पताल में एडमिट कराया गया। मरीज ठाकुर मुर्मू की ओर से आनंदपुर थाने में दिए गए आवेदन के मुताबिक, वे अपनी पत्नी के साथ अपनी झोपड़ी में सो रहे थे। अचानक देर रात बदमाश आए और ठाकुर मुर्मू के सीने में गोली मार दी। गोली चलने की आवाज सुनकर ठाकुर मुर्मू की पत्नी उठी और शोर मचाना शुरू किया। शोर सुनकर ठाकुर मुर्मू का बेटा और बहू भी उठकर बाहर आए। फिर उन्हें अस्पताल ले जाया गया। ठाकुर मुर्मू पेशे से नाई हैं और खेती किसानी भी करते हैं। उनकी आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है। उनके परिजन ने बताया कि हम लोगों की किसी से कोई दुश्मनी नहीं है। ठाकुर की पत्नी पल्लू मरांडी ने कहा कि हम लोगों की किसी से कोई दुश्मनी नहीं है, हम लोग झोपड़ी में सोए हुए थे। अचानक दो लोग आए और मेरे पति को गोली मारकर फरार हो गए। पल्लू मरांडी ने कहा कि हम लोगों ने आनंदपुर थाना में 5 अप्रैल को अज्ञात अपराधियों की गिरफ्तारी और सख्त कार्रवाई के लिए आवेदन दिया है। सर्जन बोले- 3 दिनों से गोली फंसना गंभीर, जा सकती है जान पटना के सर्जन डॉक्टर आलोक ने बताया कि अगर किसी भी मरीज के शरीर में 3 दिन से गोली फंसी हुई है तो मरीज की स्थिति काफी गंभीर हो सकती है, ये जानलेवा भी हो सकता है। शरीर में गोली फंसे रहने से संक्रमण हो सकता है।

पारिवारिक विवाद में महिला ने 2 बेटियों संग खाई जहर

मधेपुरा। पारिवारिक विवाद के चलते महिला ने अपनी दो मासूम बेटियों संग जहर खाकर आत्महत्या कर ली। घटना मुरलीगंज थाना क्षेत्र के बेलोडीह गांव के वार्ड संख्या-4 की है। मृतकों की पहचान राजेश राम की पत्नी चंदन देवी (26) और उसकी बेटी रागिनी कुमारी (5) और निधि कुमारी (3) के रूप में हुई है। स्थानीय लोगों ने बताया कि मृतका के ससुराल वाले काफी गरीब हैं। दूसरे के खेतों में मजदूरी कर परिवार का भरण पोषण करते हैं। रविवार को पति-पत्नी किसी दूसरे के खेत में गेहूं काटने के लिए गए थे। खेत में ही दोनों के बीच विवाद हुआ था, जिसके बाद चंदन देवी घर चली गई। पहले अपनी दोनों बेटियों को जहर खिलाया, फिर खुद भी जहर खा लिया।कुछ देर बाद जब पति मजदूरी कर घर आया, तो उसे पूरे मामले की जानकारी मिली। ग्रामीण डॉक्टर के पास तीनों को ले गए, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। मृतका के पिता प्रमोद राम ने बताया कि 2019 में चंदन और राजेश की शादी हुई थी। शादी के कुछ साल बाद से ही दोनों में झगड़ा होना शुरू हो गया था। आए दिन दोनों छोटी-छोटी बातों पर लड़ते रहते थे। एक बार विवाद ज्यादा बढ़ने पर अपनी बेटी को अपने साथ लेकर चला गया। उसकी दोनों बेटी को उसके पति के हवाले करके।

3.50 करोड़ के विवाद में बिल्डर को किया था अगवा

पटना। पुलिस ने बिल्डर श्रीकांत को किडनैप करने के मामले में 3 लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के साथ बिल्डर के भाई का साढ़े 3 करोड़ रुपए को लेकर विवाद चल रहा था। इसी विवाद में वारदात को अंजाम दिया गया था। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बब्लू गिरी, मनीष कुमार, विकास आनंद के तौर पर हुई है। अन्य की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। श्रीकांत शनिवार देर शाम दिल्ली से पटना लौटे थे। एयरपोर्ट से बाहर निकलने के बाद ही उन्हें जबरन गाड़ी में बैठा लिया गया। विरोध करने पर मारपीट भी की गई। पुलिस को इसकी सूचना रविवार को सुबह 8 बजे मिली। इसके बाद पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगाला। दोपहर 2 बजे के करीब चितकोहरा पुल के पास से ब्लैक कलर की SUV(BR 01FN7803) से बरामद कर लिया। हवाई अड्डा थानेदार संतोष कुमार शर्मा ने बताया बिल्डर की भांजी रिंकी ने आवेदन दिया था। दो बड़ी गाड़ी और 2 बाइक से किडनैपर आए थे। श्रीकांत को किडनैपर गाड़ी में बिठाकर शहर का चक्कर लगा रहे थे।

'तेजस्वी का सी.एम बनने का सपना पूरा नहीं होगा

पटना। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष महंत रविंद्र पुरी महाराज ने कहा है कि 'तेजस्वी यादव का बिहार के सीएम बनने का सपना कभी पूरा नहीं होगा।' महंत रविंद्र पुरी महाराज का दावा है कि आनेवाले दिनों में लालू परिवार की मुश्किलें बढ़ने वाली हैं। महंत रविंद्र पुरी महाराज ने ये बातें मध्य प्रदेश के उज्जैन में कहीं। वो अष्टमी के मौके पर उज्जैन पहुंचे थे। इस दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष महंत रविंद्र पुरी महाराज ने हिन्दू समाज से अपील की है कि वे तीन से चार बच्चे पैदा करें बिहार की राजनीति पर बोलते हुए रविंद्र पुरी महाराज ने कहा कि तेजस्वी यादव भले ही मुख्यमंत्री बनने का सपना देख रहे हों, लेकिन अब उनका यह सपना पूरा नहीं होगा। उन्होंने कहा कि 'गृह मंत्री स्पष्ट कर चुके हैं कि बिहार में अगली सरकार भाजपा की ही बनेगी।' इसलिए लालू परिवार की बेचैनी बढ़ गई है। हिंदू 3-4 बच्चे पैदा करें, एक को संत बनाएं अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष महंत रविंद्र पुरी महाराज ने हिन्दुओं से अपील की है कि वे तीन से चार बच्चे पैदा करें। उनमें से एक को संत बनने के लिए प्रेरित करें, ताकि सनातन धर्म और देश की रक्षा सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने दावा किया कि देशभर से भक्त उनके पास फोन कर रहे हैं, जो अपने बच्चों को संत बनाना चाहते हैं। महाराज का कहना है कि यह धर्म और राष्ट्र दोनों के हित में है। रविंद्र पुरी महाराज बीते तीन दिनों से उज्जैन में हैं और बड़नगर रोड स्थित निरंजनी अखाड़े में कन्या पूजन और भंडारे के कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने बड़ी संख्या में जुटे साधु-संतों और श्रद्धालुओं को प्रसादी वितरण भी कराया।

नवरात्र के आखिरी दिन औरंगाबाद में 'भूतों का मेला

औरंगाबाद। नवरात्र के आखिरी दिन यानी आज दशमी को औरंगाबाद के कुटुंबा प्रखंड के महुआ धाम में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी है। चैती और कार्तिक नवरात्र के अलावा भी यहां सालभर श्रद्धालु आते हैं। भक्तों को यहां जसनी कहा जाता है। पूजा के दौरान उनकी गतिविधियां अजीब होती हैं। इसी कारण इसे भूतहा मेला भी कहा जाता है। मेला में औरंगाबाद के अलावा रोहतास, भभुआ, कैमूर समेत अन्य जिलों से श्रद्धालु पहुंचते हैं। इसके अलावा झारखंड के पलामू तथा अन्य जिले के लोग प्रेत बाधा से मुक्ति के लिए आते हैं। भक्त स्नान कर पान पत्ता, रोड़ी, कसैली जैसी पूजन सामग्री लेकर मंदिर के सामने बैठते हैं। मंदिर के अंदर पूजा होती है। पूजा के दौरान भक्त मां के साथ अंतर्ध्यान हो जाते हैं। फिर झूमना और गीत गाना शुरू करते हैं। इनमें महिलाओं की संख्या अधिक होती है। यह सिलसिला पूरे दिन चलता है। स्थानीय लोग बताते हैं कि मां के आदेश पर ही भक्त यह सब करते हैं। इससे उन्हें समस्याओं से मुक्ति मिलती है। दूर-दराज से आए भक्त मां के प्रति गहरी आस्था जताते हैं। उनका कहना है कि यहां आने से उन्हें फायदा हुआ है। जिनकी समस्याएं दूर हो जाती हैं, वे हर साल नवरात्र में दर्शन के लिए आते हैं। इसी कारण हर साल भीड़ बढ़ती जा रही है। हालांकि स्थानीय लोग यहां कम आते हैं। वे इन गतिविधियों को अंधविश्वास मानते हैं। महुआ धाम पर बुनियादी सुविधाओं का अभाव है। नहर किनारे प्लास्टिक के तंबुओं में भक्त कई दिन गुजारते हैं। न रहने की जगह होती है, न खाने की व्यवस्था। फिर भी मां की आस्था में डूबे रहते हैं। यहां पढ़े-लिखे लोग भी आते हैं। वे भी पागलों की तरह झूमते, गाते और नाचते हैं। बताया जाता है कि स्नान कर पान-कसैली लेकर जब भक्त मां का ध्यान लगाते हैं, तो मां उन पर सवार हो जाती हैं। फिर वे जसनी बनकर पागलों की तरह नाचते हैं। उन्हें यह भी नहीं पता होता कि वे क्या कर रहे हैं। महुआ धाम का मंदिर पुराना नहीं है। पहले इस जगह को हीरा सराय कहा जाता था। करीब 20 साल पहले मलमास में यहां दो महुआ पेड़ों में देवी के वास की बात सामने आई थी। लोग पेड़ों की पूजा करने लगे।

संक्षिप्त डायरी

मुजफ्फरपुर में हर रोज पहुंच रहे हैं 1 हजार मरीज

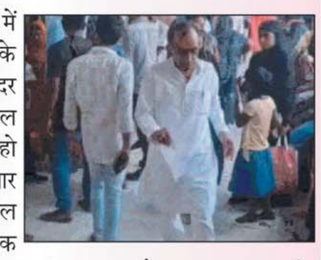

मुजफ्फरपुर। में बड़ी संख्या में लोग लू और मौसमी बीमारी के प्रभाव में आ रहे हैं। सदर अस्पताल और निजी अस्पताल में मरीजों की संख्या में वृद्धि हो रही है। हर रोज लगभग 1 हजार की संख्या में मरीज अस्पताल पहुंच रहे हैं। जिले में दोपहर तक तापमान 35 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जा रहा है। सदर अस्पताल के डॉक्टर BS aff के मुताबिक गर्मी में दोपहर के समय खासकर 12 से 4 बजे तक तापमान में बढ़ोतरी हो जाती है। तेज गर्मी में धूप के सीधे संपर्क में आने से बच्चों में लू लगने का खतरा भी बढ़ जाता है। ऐसे मौसम में अगर सावधानी से काम लिया जाए, तो बीमारियों से बच्चों को बचाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि लू लगने के लक्षणों में उल्टी-दस्त, शरीर तेज गर्म होना, आंखों का रंग पीला पड़ना और पेशाब पीला आना प्रमुख हैं। इस दौरान भूख कम लगती है और शरीर में कमजोरी आ जाती है। डॉक्टर इर झा ने बताया कि दोपहर के समय घर से बाहर न जाएं। बहुत जरूरी हो तो शरीर को ढंककर ही बाहर निकलें। कहीं भी जाते समय पानी की बोतल साथ में रखें। शरीर में पानी की कमी होने पर डफ्र के घोल, लस्सी, नारियल पानी, खीरा और तरबूज का सेवन करें। फिल्टर या उबाल कर ही पानी पिएं। बाहरी खाने जैसे गोलगप्पे, चाट पापड़ी और आइसक्रीम से परहेज करें। डॉक्टर झा ने कहा कि मौसमी बीमारी से ग्रसित मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। डढऊमें हर रोज 1 हजार से अधिक मरीज पहुंच रहे हैं। मरीजों की बढ़ती संख्या के साथ यह भी चिंता है कि बच्चों में होनी वाली खतरनाक बीमारी अएर के मामले इस मौसम में बढ़ने लगते हैं। इसको लेकर स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह से तैयार है।चमकी बुखार से संक्रमित बच्चों के परिजन किसी ओझा-गुनी के चक्कर में ना पड़े। बच्चों को सही समय पर सरकारी अस्पताल में लाकर भर्ती करवाए। अभी मौसमी बीमारी का भी असर है। इस मौसम में सर्दी, खांसी, दम फूलना, ब्लड शुगर का बढ़ना ,घुटनों में दर्द होने के मामले बढ जाते हैं।

दरभंगा में महिलाओं के बीच मारपीट

दरभंगा। रामनवमी मेला देख रही महिलाओं में मारपीट का वीडियो आया सामने आया है। जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र के नाका नंबर 5 के पास एक छत से रामनवमी का मेला देख रही महिलाओं में झड़प हो गई। महिलाएं एक-दूसरे का बाल पकड़कर खिंचते हुए दिख रही हैं। इसके बाद पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे और महिलाओं को शांत कराया। दरअसल, छत पर बिछाए गए दरी पर बैठने को लेकर महिलाओं के बीच विवाद हुआ था। इसके बाद महिलाएं आपस में भिड़ गई। मारपीट को लेकर राजेश राम ने बताया कि उनकी साली और बच्चे पड़ोस की छत पर बिछाए दरी पर बैठकर रामनवमी मेला देख रहे थे। इस दौरान छत पर आई कुछ महिलाओं से दरी पर बैठने को लेकर विवाद हुआ था, जिसमें महिलाओं के बीच जमकर मारपीट की घटना हुई है। वीडियो में साफ साफ दिख रहा है महिलाएं एक दूसरे का बाल खिंचकर मारपीट कर रही है। वहीं दीवार फांदकर छत पर चढ़कर पुलिसकर्मियों ने विवाद शांत करवाया।

रामनवमी शोभायात्रा पर मुस्लिम समाज ने की फूलों की बारिश

दरभंगा। रामनवमी पर दरभंगा में इस बार हिन्दू-मुस्लिम एकता की अनोखी मिसाल देखने को मिली। हर साल की तरह इस बार भी शहर में रामनवमी धूमधाम से मनाई गई। अलग-अलग इलाकों से धार्मिक झांकियां निकलीं। बड़ी संख्या में युवाओं ने लाठी, डंडे, तलवार और भाला जैसे पारंपरिक हथियारों से अपने खेल का प्रदर्शन किया। इस बार खास बात यह रही कि मुस्लिम समुदाय ने रामनवमी जुलूस का फूलों की बारिश कर स्वागत किया। दरभंगा के किलाघाट चौक पर मदरसा हामिया के पास दरभंगा जिला मुहर्रम कमेटी की ओर से इसका आयोजन किया गया। जो भी झांकियां इस रास्ते से गुजरीं, उन सभी पर फूल बरसाए गए। मुहर्रम कमेटी के अध्यक्ष और मुस्लिम समाज के लोग खुद मौजूद रहे। स्थानीय विधायक और बिहार सरकार के मंत्री संजय सरावगी भी जुलूस के दौरान वहां पहुंचे। वे खुद को रोक नहीं पाए और किलाघाट चौक पर रुक गए। मुस्लिम समुदाय के लोगों ने उनका भी गर्मजोशी से स्वागत किया। उनके ऊपर भी फूलों की बारिश की गई। सिमरी में डीजे बंद कराने के बाद भड़के रामभक्त सिमरी में पुलिस के द्वारा डीजे बन्द करवाने पर राम भक्त भड़क गये और ठ्ठ 27 दरभंगा-मुजफ्फरपुर पथ को आधा घंटा के लिए बन्द कर दिया। जिससे अफरा तफरी का माहौल बन गया। तुरंत एसएसपी ने कमान संभाला तब जाकर स्थिति नियंत्रण में हुई। जिलाधिकारी राजीव रौशन और एसएसपी जगुनाथ रेड्डी जलारेड्डी ने जिला में शांतिपूर्ण ढंग से रामनवमी सम्पन्न होने की बात कहीं। कहीं से भी किसी प्रकार के अप्रिय घटना की जानकारी नहीं है। जिला मुहर्रम कमेटी के सदस्य डब्बू खान ने कहा कि दरभंगा का रामनवमी पूरे देश के लिए खास होता है। मुहर्रम कमेटी के सदस्यों ने शर्बत श्रद्धालुओं को पिलाया है और जुलूस पर पुष्प वर्षा भी किया गया है। दरभंगा में हमलोग कभी भी आपसी भाईचारगी कम नही होने देंगे। वहीं मंत्री संजय सरावगी ने कहा कि बहुत बढ़िया, शांतिपूर्ण ढंग से रामनवमी मनाया गया। भगवान राम की झांकियां, सामाजिक झांकियां, धार्मिक झांकियां निकाली गई है। आज भगवान राम जो हमारे पाहुन हैं उनका जन्मदिवस है तो मिथिलांचल वासियों में उत्साह रहेगा ही। उन्होंने कहा कि माता जगत जननी सीता के प्राकट्य स्थल पुनौरा धाम सीतामढ़ी में भी अयोध्या के तर्ज पर 50 एकड़ में भव्य मंदिर बनेगा। मिथिलांचल के लोग तो खुश होंगे ही न।

समर वेडिंग के लिए परफेक्ट हैं फ्लोरल लहंगे

गर्मी का मौसम शुरु हो गया है। इस मौसम में अगर आपको किसी शादी में जाना हो तो सबसे पहले मन में यही ख्याल आता है कि इतनी गर्मी में डीप कलर के हेवी लहंगे या साड़ियां पहनी कैसे जाएंगी। तो आपकी इस समस्या का हल है फ्लोरल लहंगे। लाइट और ब्राइट कलर्स के फ्लोरल लहंगे समर वेडिंग के लिए परफेक्ट चॉइस है।

ट्रेडिशनल अवतार

लाइट पिंक कलर की चिकनकारी वर्क वाली स्कर्ट के साथ पतले स्ट्रैप वाली ब्लाउज और फ्लोरल दुपट्टा...यह लुक इस लुक को अपनी किसी दोस्त या रिश्तेदार के शादी में ट्राई कर सकती हैं।

लॉन्ग फ्लोरल लहंगे के लुक वाली स्कर्ट संग मैचिंग केप डिजाइन वाली क्रॉप टॉप और खुले बाल में बेहद खूबसूरत लगेंगी। ब्राइड्समेड के तौर पर भी आप इस लुक को गर्मी के मौसम की शादियों में ट्राई कर सकती हैं।

ऑफ वाइट कलर का फ्लोरल लहंगा स्कर्ट, मैचिंग दुपट्टा और डीप ग्रीन कलर की ब्लाउज। गर्मियों में जब लाइट और ब्राइट कलर्स का ट्रेंड रहता है, ऐसे में यह लहंगा परफेक्ट चॉइस है।

सिंपल लुक

अगर आपको भी लाइट कलर्स पसंद हैं तो किसी दोस्त या रिश्तेदार की समर वेडिंग में इस लुक को ट्राई कर सकती हैं। पाउडर ब्लू कलर और पिंक कलर का यह लहंगा देखने में भले ही बेहद सिंपल हो लेकिन यह आपको अलग और डिफरेंट लुक देगा।

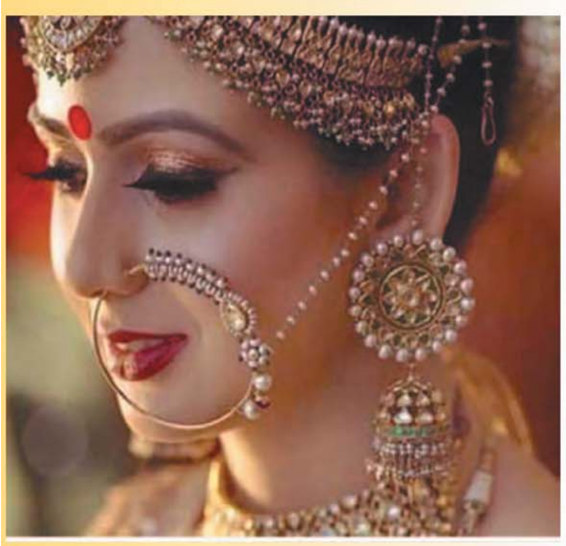

ब्राइडल लुक को और खास बना देंगे नथ के ये डिजाइन

भारतीय दुल्हन के श्रृंगार में चार चांद लगाने का काम करती है नथ जो चेहरे की खूबसूरती को और भी बढ़ा देती है। अगर आप भी जल्द ही शादी के बंधन में बंधने वाली हैं तो नथ लेते समय इसके नए डिजाइंस के बारे में एक बार जरूर जान लें।

दुल्हन बनने की तैयारी कर रहीं हैं और कपड़ों के साथ ही सही ज्वैलरी डिजाइंस को चुनना जरुरी है। ज्वैलरी का सबसे खास हिस्सा होता है नाक की नथ और इसके कई सारे डिजाइन आपको बाजार में मिल जाएंगे।

रिंग वाली नथ- अगर आप बहुत सिम्पल सी नथ पहनना चाहती हैं तो रिंग वाली नथ ट्राई कर सकती हैं।

जड़ाऊ नथ- जड़ी हुई नथ शादी के दिन बेहद खास लुक देती है। आप इसे जड़ाऊ लहंगे के साथ पहन सकती है।

मल्टीपल चेन वाली नथ- अगर आप ज्वैलरी डिजाइन के साथ प्रयोग करना चाहती हैं तो तीन चैन वाली नथ को पहनकर देखिए यह आपके चेहरे का लुक ही बदल देगी। इसके साथ हैवी मांगटीका भी बहुत अच्छा लगता है।

ब्रांज नथ- इसे प्योर गोल्ड से बनाया जाता है जो हल्का सा डल लुक देता है।

हूप नथ- बड़ी सी नथ पहनने से अच्छा है कि आप छोटी सी ही नोज रिंग पहनें। यह पहनने और कैरी करने में आसान रहती है।

त्वचा की हर समस्या का समाधान रखता है शहद, जानिए इसके फायदे

जब भी स्किन केयर की बात होती है तो हम नेचुरल आइटम्स पर अधिक फोकस करना पसंद करते हैं। इनसे स्किन को किसी भी तरह के नुकसान होने की संभावना काफी हद तक कम हो जाती है। वहीं, दूसरी ओर यह नेचुरल इंग्रीडिएंट्स हर तरह की स्किन के लिए अच्छे माने जाते हैं। इन्हीं स्किन केयर इंग्रीडिएंट्स में से एक है शहद। शहद को लंबे समय से कभी स्किन केयर पैक तो कभी यूं ही इस्तेमाल किया जाता रहा है। इसमें गजब के मॉइश्चराइजिंग गुण होते हैं, जो आपकी स्किन को अधिक स्वस्थ और बेहतर बनाते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको शहद से स्किन को मिलने वाले कुछ गजब के फायदों पर चर्चा कर रहे हैं-

मिलती है ग्लोइंग स्किन

अगर आप अपनी स्किन को नेचुरली हेल्दी व ग्लोइंग बनाना चाहती हैं तो इसके लिए शहद से अधिक बेहतर उपाय और कोई नहीं है। शहद में त्वचा को चमकदार बनाने के गुण होते हैं और यह उपयोग के बाद यह आपके फेस पर चमक के साथ-साथ नमी भी बनाए रखता है। रूखी स्किन की महिलाएं तो इसे इस्तेमाल करती हैं ही, साथ ही साथ यह ऑयली, एक्ने और अन्य स्किन के लिए भी उतनी ही फायदेमंद है।

निशानों को करे हल्का

शहद में प्राकृतिक एंटीसेप्टिक गुण होते हैं जो घाव भरने और निशानों को मिटाने में मदद करते हैं। ऐसे में अगर आप अपनी स्किन पर किसी तरह के निशान को हल्का करना चाहते हैं तो ऐसे में शहद के इस्तेमाल से वह धीरे-धीरे मिटने लगते हैं। आप एक्ने के दाग-धब्बों को मिटाने के लिए शहद का इस्तेमाल स्पॉट ट्रीटमेंट के रूप में कर सकते हैं।

एजिंग के साइन्स को करे रिवर्स

अगर आप अपनी स्किन को अधिक लंबे समय तक जवां-जवां बनाए रखना चाहती हैं तो ऐसे में शहद का इस्तेमाल करना एक अच्छा विचार हो सकता है। शहद में मौजूद प्राकृतिक एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो उम्र बढ़ने के संकेतों को कम करने में मदद करते हैं। शहद चेहरे पर झुर्रियों और महीन रेखाओं की उपस्थिति को नियंत्रित करने में मदद कर सकता है। इतना ही नहीं, शहद को चेहरे पर लगाने से स्किन की इलास्टिसिटी बेहतर होती है, जिससे वह जवां और चमकदार दिखती है। आप हर सप्ताह शहद का मास्क लगा सकती हैं और अपनी स्किन को अधिक यंगर बना सकती हैं।

सनबर्न से राहत

अगर आपकी स्किन पूरे दिन धूप में रहने के कारण डैमेज हो रही है तो ऐसे में शहद आपकी मदद कर सकता है। धूप से झुलसी त्वचा के कारण स्किन में रेडनेस, सूखापन और जलन महसूस होती है। ऐसे में अपनी स्किन को ठंडक प्रदान करने के लिए आप एक भाग कच्चे शहद को दो भाग एलोवेरा जेल के साथ मिक्स करें और सीधे प्रभावित जगह पर लगाएं। याद रखें कि आप इस मिश्रण को रगड़ें नहीं, बल्कि इसकी लेयर लगाकर ऐसे ही छोड़ दें। यह उपाय ना केवल सनबर्न से राहत दिलाएगा, बल्कि आपकी स्किन के रंग-रूप में भी सुधार करने में मदद करेगा।

खूबसूरत बाल के लिए अपनायें ये उपाय

आजकल प्रदूषण और सही डाइट ना लेने के कारण कम उम्र में ही बाल सफेद होने लगते हैं। ऐसे में आयुर्वेदिक नुस्खों को अपनाकर आप बालों की समस्याओं से राहत पा सकती हैं। कई बार ध्यान न देने की वजह से लोगों के बाल रूखे-सूखे और बेजान होने के साथ कम उम्र में ही झड़ने लगते हैं। ऐसे में अपने बालों को फिर से लंबे और खूबसूरत बनाने के लिए आयुर्वेद नुस्खे अपना सकती हैं।

मेथी दाना- मेथी दाने में भरपूर मात्रा में फोलिक एसिड, विटामिन ए, विटामिन के और विटामिन सी पाया जाता है। इसमें प्रोटीनऔर निकोटीन एसिड भी पाया जाता है, जिससे झड़ते बालों की समस्या दूर हो जाती है। स्कैल्प हेल्दी रहती है और बाल डैमेज नहीं होते हैं। इसके लिए आप अपनी डाइट में भी मेथी दाना शामिल कर सकते हैं। रात में 2 चम्मच मेथी दाने को पानी में भिगो दें। अगली सुबह वो पानी पी लें। बचे हुए मेथी दाने को पीसकर पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को जड़ों में लगाकर 20 मिनट बाद बाल धोलें। बाल जल्दी घने, लंबे और मजबूत बनेंगे।

आंवला- डाइट में विटामिन सी की कमी के कारण भी बाल झड़ने लगते हैं और बालों में डैंड्रफ की समस्या होने लगती है। लेकिन आंवले के सेवन और बालों में आंवले के तेल से मालिश करने से बालों की सभी समस्याएं दूर हो जाती हैं। साथ ही बाल लंबे समय तक काले रहते हैं।

दही- दही में कूलिंग प्रॉपर्टीज होने के साथ प्रोटीन भी पाया जाता है। प्रोटीन स्कैल्प की हेल्थ और नए फोलिसल्स की ग्रोथ के लिए बहुत महत्वपूर्ण होता है। अपने बालों पर दही से मसाज करें और 15 मिनट तक ऐसे ही छोड़ दें। इसके बाद शैंपू से सिर धो लें। बालों पर दही लगाने से बाल मजबूत होने के साथ कोमल और मुलायम भी बनते हैं।

बालों के झड़ते बालों की समस्या को दूर करने के लिए छाछ, दालचीनी, तरबूज, अंगूर आदि चीजों का सेवन करना चाहिए। इनके सेवन शरीर को जरूरी पोषक मिलते हैं, जो बालों को सेहतमंद बनाने के लिए जरूरी होते हैं।

इस प्रकार सुंदर और लंबे होंगे नाखून

लड़कियों को लंबे-लंबे नाखून रखना पसंद होता है, लेकिन इन्हें लंबा करना कोई आसान काम नहीं होता। अगर आसान होता तो हर किसी के हाथ में लंबे नाखून देखने को मिलते। कई लड़कियों के नाखून लंबे होते है तो सुंदर नहीं होते। नाखूनों को सुंदर और लंबा इस प्रकार बनायें।

बहुत सारी महिलाओं के नाखून बढ़ते तो हैं लेकिन कमजोर होने के चलते जल्दी टूट जाते हैं। ऐसा हमारे शरीर में पोषक तत्वों की कमी के कारण होता है, इसलिए सबसे पहले आपको अपनी डाइट में बदलाव करना होगा। आपको कुछ ऐसी चीजों को अपनी डाइट में शामिल करना होगा जिनसे आपको पोषक तत्व मिलें।

संतरे का रस

संतरे के रस को दस मिनट तक अपने नाखूनों पर लगाएं। इसके बाद अपने हाथों को गुनगुने पानी से धो लें। कुछ दिन तक ऐसा करने से आपके नाखून कुछ दिनों में बढ़ने लगेंगे।

ऑलिव ऑयल

नाखून लंबे करने के लिए रोजाना ऑलिव ऑयल से नाखूनों की मालिश करें। विटामिन ई से भरपूर ऑलिव ऑयल नाखूनों को पोषण प्रदान करता है और खून का प्लो नाखूनों तक बढ़ाता है जिससे नाखून तेजी से बढ़ना शुरु हो जाते हैं।

लहसुन

नाखूनों को बढ़ाने के लिए लहसुन एक बेहतरीन उपाय माना जाता है। लहसुन को दो टुकड़ों में काट कर उसे 10 मिनट तक अपने नाखूनों पर रगड़ें। ऐसा करने से आपके नाखून कुछ ही दिनों में अच्छे खासे बढ़ जाएंगे।

गर्मी में डेनिम वियर से मिलेगी राहत

गर्मी के मौसम में खानपान के साथ ही पहनावे का भी भी विशेष ध्यान रखना पड़ता है। इस मौसम में गरमी से राहत पाने के साथ ही स्टाइलिस दिखने के लिए आप डेनिम कपड़ों का इस्तेमाल कर सकती हैं। यह कपड़े घर बाहर और ऑफिस सब जगह पहने जा सकते हैं।

डेनिम पैंट- डेनिम पैंट का हर समय चलन रहता है पर गरमी के मौसम में डेनिम पैंट आपके लिए काफी आरामदायक रहती है।

डेनिम शर्ट और कुर्ती - गर्मी में आप डेनिम की शर्ट और कुर्ती पहन सकती हैं। ये परिधान इस मौसम में आरामदायक होने के के साथ देखने में अच्छे भी लगते हैं।

डेनिम मिडी स्कर्ट- इस गर्मी के मौसम में आप डेनिम का मिडी स्कर्ट ट्राई कर सकती हैं। यह मिडी स्कर्ट आपको गर्मी से राहत दिलाएगी और काफी हद तक स्टाइलिस भी है।

डेनिम जैकेट- धूप से बचने के लिए आप डेनिम जैकेट को पहन सकती हैं। यह आपको स्टाइलिस लुक देने के साथ ही गरमी की तपिश से बचाएगा।

भारत को टैरिफ युद्ध में प्राप्त हो सकता है महत्वपूर्ण अवसर

नई दिल्ली ।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में लगाए गए टैरिफ को लेकर दुनिया भर के विशेषज्ञों की ध्यान आकर्षित किया है। इन टैरिफ सैंकड़ों देशों को दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के साथ बाजार में जुड़ा देखने का मौका देते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि इस टैरिफ युद्ध में भारत को एक महत्वपूर्ण अवसर प्राप्त हो सकता है। डोनाल्ड ट्रंप ने चीन और वियतनाम को अमेरिकी उत्पादों पर लगाए गए टैरिफ को देखते हुए भारत पर लगाए गए शुल्क को कम किया है। इसके परिणामस्वरूप भारत में बने उत्पादों की अमेरिका में आपूर्ति बढ़ाने की तैयारी शुरू हो गई है। इससे भारत के मैन्युफेक्चिरिंग सेक्टर को नई ऊर्जा मिलेगी और देश को अंतरराष्ट्रीय बाजारों में एक नया पहचान प्राप्त हो सकता है। आधुनिक दुनिया की एक और महत्वपूर्ण खबर है कि दुनिया की सबसे बड़ी इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी ऐपल ने भारत में उत्पादन शुरू किया है और भारत से बने आईफोन को अमेरिका भेजने की तैयारी में है। यह कदम चीन से होने वाले निर्यात में कटौती को कम करने के लक्ष्य के साथ अमेरिकी बाजार में अधिक बढ़ोतरी करने को दर्शाता है। विशेषज्ञों का मानना है कि ऐपल के इस कदम से भारत में आईफोन उत्पादन को और भी प्रोत्साहित किया जा सकता है। अगर ऐपल इस रणनीति को अधिक बढ़ावा देती है, तो देश में नए निवेश के अवसर उत्पन्न हो सकते हैं और भारत की वैश्विक उत्पादन योजनाओं को बढ़वा मिल सकता है। साथ ही, ऐपल के डिस्ट्रीब्यूशन चेनल्स को बढ़ावा देने के लिए और भी बदलाव किए जा रहे हैं। इन बदलावों से भारत के वैश्विक उत्पादन की लक्ष्यों को मजबूती दी जा सकती है और देश में निर्माण क्षमता में भी वृद्धि हो सकती है।

इसी तरह, अमेरिका और चीन के टैरिफ युद्ध में भारत के लिए नए अवसर खुल सकते हैं, जो देश के विनिर्माण सेक्टर को एक नया संकेत दे सकता है। इस समय स्थिति को ध्यान से देखा जा रहा है ताकि भारत इस समय के माहौल में अपने लाभों को सही तरीके से उठाए।

देश के कई राज्यों में सस्ता हुआ पेट्रोल-डीजल, बिहार में बढ़े भाव

- ब्रेंट क्रूड का भाव करीब ढाई डॉलर टूटकर 63.33 डॉलर प्रति बैरल हुआ

नई दिल्ली ।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ वॉर से कच्चे तेल की कीमत में वै श्विक बाजार में बड़ी गिरावट देखी गई है। इसका असर घरेलू बाजार में पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतों पर भी दिखा और सोमवार को सरकारी तेल कंपनियों ने कई शहरों में तेल के दाम घटा दिए हैं। यूपी, हरियाणा सहित कई राज्यों में सोमवार को तेल सस्ता हुआ है, जबकि बिहार में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में उछाल दिख रहा है। सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार, यूपी की राजधानी लखनऊ में पेट्रोल 11 पैसे सस्ता होकर 94.58 रुपये लीटर बिक रहा है. डीजल भी 13 पैसे गिरा और 87.68 रुपये लीटर पहुंच गया है. हरियाणा की राजधानी गुरुग्राम में पेट्रोल 21 पैसे गिरकर 94.96 रुपये और डीजल 20 पैसे टूटकर 87.82 रुपये लीटर हो गया है। बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल 51 पैसे बढ़त के साथ 106.11 रुपये लीटर हो गया तो डीजल 49 पैसे महंगा होकर 92.92 रुपये लीटर बिक रहा है। कच्चे चे तेल में बड़ी गिरावट दिख रही है। ब्रेंट क्रूड का भाव करीब ढाई डॉलर टूटकर

63.33 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। डब्ल्यूटीआई भी बड़ी गिरावट के साथ 59.81 डॉलर प्रति बैरल हो गया है। वहीं दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये और डीजल 89.97 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 100.76 रुपये और डीजल 92.35 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये और डीजल 91.76 रुपये प्रति लीटर है।

भारत में मोटर वाहनों की खुदरा बिक्री में छह प्रतिशत की वृद्धि

- बाजार में ग्रामीण क्षेत्रों का प्रदर्शन शहरी क्षेत्रों की तुलना में बेहतर रहा

नई दिल्ली ।

भारत में वित्त वर्ष 2024-25 में मोटर वाहन की खुदरा बिक्री सालाना आधार पर छह प्रतिशत बढ़कर 2,61,43,943 इकाई हो गई है।

यह जानकारी वाहन डीलरों के एक संगठन ने सोमवार को जारी एक बयान में दी। बाजार में ग्रामीण क्षेत्रों का प्रदर्शन शहरी क्षेत्रों की तुलना में बेहतर रहा। वाहन डीलरों के संगठन के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 में यात्री वाहनों, दोपहिया और तिपहिया वाहनों की बिक्री में वृद्धि देखी गई है। ग्रामीण बाजारों में दोपहिया वाहनों की बिक्री में आठ प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो शहरी क्षेत्रों से अधिक है।

इसके साथ ही तिपहिया वाहनों की ग्रामीण बिक्री में नौ प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है। वाइन डीलर संगठन के अध्यक्ष ने बयान में बताया कि मोटर वाहनों के खुदरा क्षेत्र में मजबूती देखने के लिए वित्त वर्ष 2024-25 सरकार के लिए एक सकारात्मक संकेत हो सकता है। वाहनों की बिक्री में ग्रामीण क्षेत्रों में और बढ़ोतरी होने की खबर भविष्य में स्थिरता की ओर इशारा कर सकती है। उन्होंने अपने बयान में कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 ने वास्तव में दिखाया कि भारत का मोटर वाहन खुदरा क्षेत्र कितना लचीला हो सकता है, इस वर्ष मुख्य आकर्षण ग्रामीण क्षेत्रों में मजबूत प्रदर्शन रहा। दोपहिया वाहनों के क्षेत्र में ग्रामीण बाजारों में आठ प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो शहरी क्षेत्रों की वृद्धि से काफी अधिक है। यात्री वाहन क्षेत्र में ग्रामीण बिक्री वृद्धि आठ प्रतिशत जबकि शहरी क्षेत्रों में यह तीन प्रतिशत रही। वित्त वर्ष 2023-24 की तुलना में पिछले वित्त वर्ष में तिपहिया वाहनों की बिक्री पांच प्रतिशत बढ़कर 12,20,981 इकाई हो गई। वहीं वित्त वर्ष 2024-25 में तिपहिया वाहनों की ग्रामीण बिक्री में नौ प्रतिशत की वृद्धि देखी गई, जबकि शहरों में बिक्री में कोई वृद्धि नहीं हुई।

पिछले वित्त वर्ष में वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री मामूली घटकर 10,08,623 इकाई रह गई, जबकि वित्त वर्ष 2023-24 में यह 10,10,324 इकाई थी। वहीं ट्रैक्टर की बिक्री सालाना आधार पर एक प्रतिशत घटकर 8,92,410 इकाई रह गई जबकि वित्त वर्ष 2023-24 में यह 8,83,095 इकाई रही थी।

हीरो मोटोकॉर्प की नई बाइक करिज्मा 250 जल्द होगी लांच

नई दिल्ली ।

हीरो मोटोकॉर्प की नई बाइक करिज्मा 250 जल्द लांच होने वाली है। जानकारी के मुताबिक, कंपनी आने वाले हफ्तों में इसकी बुकिंग और डिलीवरी शुरू कर सकती है। इस बाइक को पहली बार 2024 में इटली के मिलान में हुए ईआईसीएमए मोटर शो में प्रदर्शित किया गया था और फिर जनवरी 2025 में भारत मोबिलिटी शो में इसे पेश किया गया। माना जा रहा है कि इस नई बाइक के लॉन्च के साथ हीरो मोटोकॉर्प अपनी मौजूदा करिज्मा एक्सएमआर 210 को बंद कर सकती है, क्योंकि यह बाजार में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रही थी।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, पिछले तीन महीनों में इसकी बिक्री शून्य रही है। हीरो करिज्मा 250 में 250सीसी का सिंगल-सिलेंडर, लिक्विड-कूल्ड डीओएचसी इंजन दिया गया है, जो 9,250 आरपीएम पर 29.5बीएचपी की पावर और 7,250आरपीएम पर 25 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। इस इंजन को कंपनी के मौजूदा 210सीसी इंजन से लिया गया है, लेकिन इसमें स्ट्रोक लंबाई को 7एमएम बढ़ाया गया है। बाइक में 6-स्पीड गियरबॉक्स दिया गया है, जो स्लिप और असिस्ट क्लच के साथ आएगा। यह बाइक 0 से 60 किमी प्रति घंटा की स्पीड सिर्फ 3.25 सेकंड में पकड़ने में सक्षम होगी। भारतीय बाजार में इसका मुकाबला केटीएम आरसी 200, यामाहा आर15 और सुजुकी जिक्सर **SF** 250 से होगा। डिजाइन के मामले में यह अपने पुराने मॉडल की तुलना में अधिक आकर्षक और मॉडर्न होगी। इसमें टीएफटी डिस्प्ले, स्विचेबल एबीएस मोड्स, यूएसडी फोर्क और एडजस्टेबल क्लिप-ऑन हैंडलबार दिए गए हैं। बाइक में नए एग्जॉस्ट मफलर, कोणीय टैंक एक्सटेंशन्स और स्टेप्ड-अप पिलियन पर्च भी देखने को मिलेंगे।

ट्रंप के टैरिफ ऐलान से ग्लोबल अर्थव्यवस्था में हड़कंप

- कनाडा ने यूएस के बर्बादी की कर दी भविष्यवाणी

वॉशिंगटन । अमेरिका के राष्ट्रपति ने हाल ही में टैरिफ का ऐलान कर दुनिया भर में हलचल मचा दी है। इस कदम ने अमेरिकी शेयर बाजारों के साथ दुनियाभर के बाजारों को भी हिला दिया है। ट्रंप का दावा है कि यह कदम देश को 'पहले से कहीं ज्यादा धनी' बनाएगा, लेकिन इसके परिणाम अभी से ही साम्यिका में निगरानी करने योग्य नजर आ रहे हैं। ट्रंप के टैरिफ ने वैश्विक शेयर बाजारों में अफरा-तफरी मचा दी है। भारत समेत एशिया के बाजारों में गिरावट देखी जा रही है जबकि कनाडा के नए प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने टैरिफ को लेकर अमेरिका को चेताया है। चिंता यह है कि यह टैरिफ न केवल कनाडा बल्कि दुनिया के लिए भी दुर्भाग्यपूर्ण साबित हो सकते हैं। इसी क्रम में जिम्बाब्वे ने अमेरिकी आयात पर टैरिफ हटाने का ऐलान कर दिखाया कि वह किसी भी अवस्था में अपने हितों की रक्षा करने के लिए तैयार है। आखिरकार, ट्रंप के उद्देश्य को लेकर दुनिया का विचार और राय भिन्न-भिन्न हैं, जिससे ग्लोबल अर्थव्यवस्था पर भविष्य में कैसा असर पड़ेगा, यह एक महत्वपूर्ण प्रश्न है। कनाडा के नए पीएम मार्क कार्नी ने ट्रंप के टैरिफ को लेकर सख्त चेतावनी दी है! कार्नी ने कहा कि ये टैरिफ कनाडा में रोजगार पर दबाव डालेंगे, लेकिन सबसे ज्यादा नुकसान अमेरिका को ही होगा। कार्नी ने ब्रेक्जिट का उदाहरण देते हुए कहा, मैंने यह सब पहले होते हुए देखा है। अमेरिका कमजोर होने वाला है। ब्रेक्जिट का असर भी बाद में दिखा था। ट्रंप ने हाल ही में मी डिया से बातचीत में कहा था कि टैरिफ से अमेरिका में नौकरियां और निवेश वापस आएंगे। उन्होंने आलोचनाओं को खारिज करते हुए कहा, कभी-कभी कुछ ठीक करने के लिए दवा लेनी पड़ती है। उनके शीर्ष अधिकारियों, जैसे ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेन्ट और कॉमर्स सेक्रेटरी हावर्ड लुटनिक ने भी मंदी की आशंकाओं को नकारते हुए टैरिफ को सही ठहराया। हालांकि, वैश्विक नेताओं और बाजारों की प्रतिक्रिया से साफ है कि यह 'दवा' दुनिया के लिए कड़वी साबित हो रही है।

सोने में 2,613 रूपए की गिरावट

नई दिल्ली। शेयर मार्केट के साथ सोमवार को सोने और चांदी के दाम भी गिर गए। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 2,613 गिरकर 88,401 पर आ गया है। इससे पहले 10 ग्राम सोने की कीमत 91014 थी। एक किलो चांदी की कीमत 4,535 गिरकर 88,375 प्रति किलो हो गई है। इससे पहले चांदी का भाव 92,910 प्रति किलो था। वहीं 28 मार्च को चांदी ने 1,00,934 और 3 अप्रैल को सोने ने 91,205 का ऑल टाइम हाई बनाया था।

भारत में निजी इक्विटी निवेश में गिरावट, रियल एस्टेट में प्रवाह कमजोर

- कार्यालय और गोदाम परिसंपत्तियों में निवेश की भारी गिरावट भी दर्ज की गई

नई दिल्ली । भारत के रियल एस्टेट सेक्टर में निजी इक्विटी निवेश में तीन प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है, जिसका एक रियल स्टेट सलाहकार ने अपनी ताजा जानकारी में दावा किया है। वित्त वर्ष 2024-25 में इस गिरावट के साथ पीई निवेश कुल 3.7 अरब अमेरिकी डॉलर रहा है, जो पहले के वित्त वर्ष की तुलना में थोड़ी कमी का अंक साबित होता है। रियल स्टेट के सलाहकार ने इस गिरावट की वजह के रूप में वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता और भू-राजनीतिक अस्थिरता का जिक्र किया है, जो विदेशी निवेशकों की गतिविधियों में कमी के साथ विनम्रता बनाता है। पिछले वित्त वर्ष में पीई निवेश की ज्यादातर हिस्सेदारी विदेशी निवेशकों के पास थी, जो 84 प्रतिशत तक थी, जबकि घरेलू निवेशकों की हिस्सेदारी 16 प्रतिशत रही। इस समय कार्यालय और गोदाम परिसंपत्तियों में निवेश की भारी गिरावट भी दर्ज की गई है, जो निजी इक्विटी निवेश के साथ संबंधित है। गोदाम परिसंपत्तियों में पीई निवेश में तेजी से वृद्धि हुई है, जिसने आवास और कार्यालय संपत्तियों में स्थानांतरण में गिरावट का कारण बना है। वित्त वर्ष 2024-25 में हाइब्रिड सौदों की हिस्सेदारी 42 प्रतिशत रही है, जिसमें इक्विटी और ऋण निवेश में क्रमशः 37 प्रतिशत और 21 प्रतिशत की गिरावट आई है। इस तरह कुल संदर्भ में रियल एस्टेट सेक्टर में निजी इक्विटी निवेश में गिरावट के साथ वृद्धि और संविदानिक गतिविधियों में संकेत है कि वित्तीय स्थिरता की दिशा में तेजी हो सकती है।

माइक्रोडेटाः एमओएसपीआई का नया अभियान

नई दिल्ली । सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) ने विप्लवात्मक प्रौद्योगिकी के साथ नई माइक्रोडेटा मंच की शुरुआत की है। इस मंच का उद्देश्य सार्वजनिक आंकड़ों को सुविधाजनक और दृढ़ ढंग से पहुंचाना है। मंत्रालय द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि नया मंच राष्ट्रीय सर्वेक्षणों और आर्थिक जानकारी से एकत्रित व्यापक सांख्यिकीय आंकड़ों के लिए एक केंद्रीकृत भंडार के रूप में काम करेगा। यह मंच पिछले सिस्टम के तकनीकी कड़ीयों को सुधारकर उपयोगकर्ताओं का अनुभव बेहतर बनाएगा। विश्व बैंक के प्रौद्योगिकी दल के सहयोग से, यह प्रणाली नए सुरक्षा मानकों का पालन करने के साथ ही उत्तरदायित्वपूर्ण तंत्र को भी समर्थित करेगी। मंत्रालय ने कृत्रिम मेधा/मशीन लर्निंग का प्रमाण (पीओसी) भी पेश किया है, जो राष्ट्रीय औद्योगिक वर्गीकरण के उपयोग को बढ़ावा देगा। इसके साथ ही, राष्ट्रीय सांख्यिकी प्रणाली प्रशिक्षण अकादमी की वेबसाइट भी लॉन्च की गई है। इस नए पहल के माध्यम से, एमओएसपीआई एक सुगम और स्केलेबल ढंचे का इस्तेमाल करके देश में विकास को गति देने के लिए पूरी तरह से तैयार है।

48 घंटे की बैटरी वाला ईयरबड्स बाजार में लांच को तैयार

मुंबई । अपने दमदार साउंड वाले ऑडियो डिवाइस के लिए मशहूर जेबीएल, जल्द भारतीय बाजार में अपने किफायती ईयरबड्स ला रही है। नए ईयरबड्स को जेबीएल टूयून सीरिज 2 नाम से बाजार में उतारा जाएगा। इस सीरीज के तहत लांच होने वाले ईयरबड्स में जेबीएल टून बीम 2, जेबीएल टून बैंड 2 और जेबीएल टून फैल्स 2 भी शामिल हैं। कंपनी का दावा है कि यह बेहतरीन साउंड, शानदार फीचर्स और एडाप्टिव नॉइज कैंसिलेशन तकनीक से लैस होगा। लांच से पहले, ईयरबड्स को माइक्रोसाइट अमेजन पर लाइव किया गया है, जहां कंपनी ने अलग-अलग मॉडल के डिजाइन और फीचर्स का खुलासा किया है। सीरीज को इसी महीने यानी अप्रैल में ही भारत में लांच किया जाएगा, हालांकि सटीक लांच डेट सामने नहीं आई है। माइक्रोसाइट पर कंपनी ने हिंट दिया है कि भारत में सीरीज को 5XX9 रुपये की शुरुआती कीमत के साथ उतारा जाएगा। कंपनी इन तीनों मॉडर पर 2 साल की वारंटी देगी।

आईडीबीआई बैंक की याचिका खारिज, एनसीएलटी की शानदार जीत

- एनसीएलटी की दो सदस्यीय पीठ ने मुंबई पीठ द्वारा पारित आदेश को बरकरार रखा

नई दिल्ली । राष्ट्रीय कंपनी विधि अपील अधिकरण (एनसीएलटी) ने सोमवार को आईडीबीआई बैंक की याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें जी एंटरटेनमेंट के खिलाफ दिवाला कार्यवाही शुरू करने का अनुरोध किया गया था। एनसीएलटी की दो सदस्यीय पीठ ने मुंबई पीठ द्वारा पारित आदेश को बरकरार रखा और आईडीबीआई बैंक को देनदार की याचिका को खारिज करने की स्वतंत्रता प्रदान की। हालांकि, प्राधिकरण ने आईडीबीआई बैंक को दिवाला एवं शोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) की धारा 10ए में उल्लिखित अवधि से परे चूक के लिए नई याचिका दायर करने की स्वतंत्रता भी प्रदान की। इसमें कहा गया है कि कोविड-19 महामारी के बाद आर्थिक गतिविधियां फिर से शुरू होने के बाद सरकार ने कंपनियों की मदद के लिए आईबीसी में विशेष प्रावधान शामिल किया था। इस विवाद में जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज लिमिटेड (जील) और आईडीबीआई बैंक के बीच हो रही उत्पन्नता और भुगतान की चूकों के बारे में बहस है। सीआईआरपी की धारा 10ए के अनुसार, चूक के लिए दिवाला समाधान प्रक्रिया शुरू करने के लिए उससे एक वर्ष की अवधि तक कोई आवेदन दायर नहीं किया जा सकता है। सिटी नेटवर्क्स ने 150 करोड़ रुपये के ऋण के लिए अपनी गारंटी को जील के लिए उधारने में मदद के रूप में प्रदान किया था, लेकिन उन्होंने चूक की है।

तेल कंपनियों की क्षतिपूर्ति के लिए पेट्रोल-डीजल पर उत्पाद शुल्क में की गई वृद्धि : हरदीप पुरी

नई दिल्ली। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने सोमवार को कहा कि पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में दो रुपये प्रति लीटर की यह वृद्धि सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों को होने वाले 43 हजार करोड़ रुपये की क्षतिपूर्ति पूरा करने के लिए की गई है, जो उन्हें गैस के हिस्से पर हुए नुकसान के रूप में हुआ है।₹ इसका असर पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतों पर नहीं होगा।

हरदीप सिंह पुरी ने राजधानी नई दिल्ली में एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा, ₹आपने वित्त मंत्रालय की एक अधिसूचना देखी होगी, जिसमें कहा गया है कि पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में 2 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की जा रही है। मैं यह स्पष्ट कर दूं कि इसका बोझ उपभोक्ताओं पर नहीं डाला जाएगा।₹ उन्होंने कहा कि आपने जो उत्पाद शुल्क में वृद्धि देखी है, उसका बोझ पेट्रोल और डीजल के उपभोक्ताओं पर नहीं पड़ेगा।

पेट्रोलियम मंत्री ने कहा कि उत्पाद शुल्क में यह वृद्धि तेल विपणन कंपनियों को 43,000 करोड़ रुपये की क्षतिपूर्ति करने के लिए की गई है, जो उन्हें गैस के हिस्से पर हुए नुकसान के रूप में हुआ है...।₹ हरदीप सिंह ने इस तर्क को स्पष्ट करते हुए कहा कि कच्चे तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमत घटकर लगभग 60 डॉलर प्रति बैरल पर आ गई है, लेकिन सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियां 45 दिनों की अवधि के लिए स्टॉक रखती हैं। ₹अगर आप जनवरी में वापस जाएं, तो उस समय कच्चे तेल की कीमत 83 डॉलर प्रति बैरल थी, जो बाद में घटकर 75 डॉलर प्रति बैरल हो गई है। इसलिए उनके पास औसतन 75 डॉलर प्रति बैरल कच्चे तेल का स्टॉक है।

हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि उत्पाद शुल्क में इस बढ़ोतरी का उद्देश्य पेट्रोल और डीजल के उपभोक्ताओं पर बोझ डालना नहीं है, बल्कि एलपीजी पर होने वाले नुकसान के लिए तेल विपणन कंपनियों की सहायता करना है। उन्होंने कहा, ₹एलपीजी के प्रति सिलेंडर की कीमत 50 रुपये बढ़ जाएगी। पीएमयूवाई लाभार्थियों के लिए यह 500 से 550 रुपये प्रति सिलेंडर हो जाएगी, जबकि अन्य उपभोक्ताओं के लिए यह 803 रुपये प्रति सिलेंड से 853 रुपये हो जाएगी। यह एक ऐसा कदम है, जिसकी हम आगे चलकर समीक्षा करेंगे।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के बावजूद सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क दो-दो रुपये प्रति लीटर बढ़ा दिया। हालांकि, पेट्रोलियम मंत्री ने साफ किया है कि पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों पर उत्पाद शुल्क के वृद्धि का कोई असर नहीं पड़ेगा। पेट्रोलियम कंपनियों ने उत्पाद शुल्क बढ़ने के बावजूद खुदरा कीमतें स्थिर रहने की बात कही है।

अमेरिका को भारत के निर्यात में उच्च शुल्क से 5.76 अरब डॉलर गिरावट के आसारः जीटीआरआई

- प्रमुख उत्पाद समूहों पर 12 से 20 प्रतिशत गिरावट की उम्मीद

नई दिल्ली ।

अमेरिकी शुल्क में वृद्धि के कारण इस वर्ष समुद्री सामान, सोना, इलेक्ट्रिकल, और इलेक्ट्रॉनिक जैसे क्षेत्रों से अमेरिका को भारत के माल निर्यात में 5.76 अरब डॉलर की गिरावट आने के आसार हैं। आर्थिक शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनीशिएटिव (जीटीआरआई) ने ऐसा आकलन किया है। यह गिरावट भारत की प्रतिस्पर्धी स्थिति को नुकसान पहुंचाने के लिए भी जिम्मेदार हो सकती है। अमेरिका ने दवा सेमीकंडक्टर, और कुछ ऊर्जा वस्तुओं को छोड़कर भारतीय वस्तुओं पर नौ अप्रैल से 26 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाने की घोषणा की है। इससे 2025 में भारत से अमेरिका को होने वाले निर्यात में 5.76 अरब अमेरिकी डॉलर या 6.41 प्रतिशत की गिरावट आ सकती है। इससे प्रमुख उत्पाद समूहों में कमी की संभावना जताई गई है। व्यापार और शुल्क अनुसूचियों का विश्लेषण करते हुए, जीटीआरआई ने इस विषय पर महत्वपूर्ण जानकारी प्रस्तुत की है। इस निर्यात गिरावट से मछली, उत्पादों, वाहन, इलेक्ट्रिकल,

टेलीकॉम, और इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों में 12 से 20 प्रतिशत की गिरावट की उम्मीद है। इसके अलावा, अन्य श्रेणियों में भी नकारात्मक प्रभाव का खतरा है। जीटीआरआई की रिपोर्ट के अनुसार, यह आकलन नए शुल्क के प्रभाव का संरचित तथा डेटा-आधारित अनुमान प्रस्तुत करता है, लेकिन इसमें कई कारणों की वजह से काफी हद तक सीमित दृष्टिकोण है। इससे भारत के उत्पादों के साथ विशेष रूप से अधिक दर पर परिप्रेक्ष्य में बदलाव हो सकता है।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया 35 पैसे की गिरावट के साथ ही 85.79 पर बंद हुआ। रुपये में ये गिरावट वैश्विक व्यापार युद्ध की संभावना की वजह से आई। शुरुआती कारोबार में रुपया 19 पैसे फिसलकर 85.63 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि वैश्विक बिकवाली के अनुरूप विदेशी पूंजी की लगातार निकासी के बीच कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट और कमजोर अमेरिकी मुद्रा रुपये को समर्थन देने में विफल रही। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 85.79 प्रति डॉलर पर खुला। फिर थोड़ा मजबूत होकर 85.63 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 19 पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.44 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.05 फीसदी की गिरावट के साथ 102.71 पर रहा।

टैरिफ युद्ध का भारतीय अर्थव्यवस्था पर नहीं होगा अधिक प्रभाव

प्रहलाद सबनानी

अमेरिका ने विभिन्न देशों से आयातित उत्पादों पर अलग अलग दर से टैरिफ लगाने की घोषणा की है और साथ ही कुछ उत्पादों के आयात पर फिलहाल टैरिफ की नई दरें लागू नहीं की गई हैं। टैरिफ की यह दरें 9 अप्रैल 2025 से लागू होंगी।

दिनांक 2 अप्रेल 2025 को अमेरिकी राष्ट्रपति श्री डॉनल्ड ट्रम्प द्वारा, विभिन्न देशों से अमेरिका में होने वाले आयातित उत्पादों पर की गई टैरिफ सम्बंधी घोषणा के साथ ही अंततः अमेरिका द्वारा पूरे विश्व में टैरिफ के माध्यम से व्यापार युद्ध छेड़ दिया गया है। अभी, अमेरिका ने विभिन्न देशों से अमेरिका में होने वाले आयात पर विभिन्न दरों पर टैरिफ लगाया है। अब इनमें से कई देश अमेरिका से आयातित वस्तुओं पर टैरिफ लगाने की घोषणा कर रहे हैं, जैसे चीन ने अमेरिका से चीन में आयात होने वाले उत्पादों पर दिनांक 10 अप्रैल 2025 से 34 प्रतिशत की दर से टैरिफ लगाने की घोषणा की है। टैरिफ के माध्यम से छेड़े गए व्यापार युद्ध का भारत पर कोई बहुत अधिक विपरीत प्रभाव पड़ने की सम्भावना कम ही है। दरअसल, अमेरिका ने विभिन्न देशों से आयातित उत्पादों पर अलग अलग दर से टैरिफ लगाने की घोषणा की है और साथ ही कुछ उत्पादों के आयात पर फिलहाल टैरिफ की नई दरें लागू नहीं की गई हैं। टैरिफ की यह दरें 9 अप्रैल 2025 से लागू होंगी।

विभिन्न देशों से अमेरिका में आयात होने वाले उत्पादों पर 10 प्रतिशत की दर से न्यूनतम टैरिफ लगाया गया है। साथ ही, कुछ अन्य देशों यथा चीन से आयातित उत्पादों पर 34 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा अमेरिकी राष्ट्रपति ने की है। इसी प्रकार, वियतनाम से आयातित उत्पादों पर 46 प्रतिशत, ताईवान पर 32 प्रतिशत, थाईलैंड पर 36 प्रतिशत, भारत पर 26 प्रतिशत, दक्षिण कोरिया पर 25 प्रतिशत, इंडोनेशिया पर 32 प्रतिशत, स्विट्जरलैंड पर 31 प्रतिशत, मलेशिया पर 24 प्रतिशत, कम्बोडिया पर 49 प्रतिशत, दक्षिणी अफ्रीका पर 30 प्रतिशत, बांग्लादेश पर 37 प्रतिशत, पाकिस्तान पर 29 प्रतिशत, श्रीलंका पर 44 प्रतिशत और इसी प्रकार अन्य देशों से आयातित वस्तुओं पर भी अलग अलग दरों से टैरिफ लगाने की घोषणा अमेरिकी राष्ट्रपति ने की है। कुछ उत्पादों जैसे, स्टील, एल्यूमिनियम, ऑटो, ताम्बा, फार्मा उत्पाद, सेमीकंडक्टर, एनर्जी, बुलीयन एवं अन्य महत्वपूर्ण मिनरल्स को अमेरिका में आयात पर टैरिफ के दायरे से बाहर रखा गया है।

अमेरिका का मानना है कि वैश्विक स्तर पर अन्य देश अमेरिका में उत्पादित वस्तुओं के आयात पर भारी मात्रा में टैरिफ लगाते हैं, जबकि अमेरिका में इन देशों से आयात किए जाने वाले उत्पादों पर अमेरिका द्वारा बहुत कम दर पर टैरिफ लगाया जाता है अथवा बिलकुल नहीं लगाया जाता है। जिससे, अमेरिका से इन देशों को निर्यात कम हो रहे हैं एवं इन देशों से अमेरिका में आयात लगातार बढ़ते जा रहे हैं। इस प्रकार, अमेरिका का व्यापार घाटा असहनीय स्तर पर पहुंच गया है। इसके साथ साथ, अमेरिका में विनिर्माण इकाईयां बंद होकर अन्य देशों में स्थापित हो गई हैं और इससे अमेरिका में रोजगार के नए अवसर भी निर्मित नहीं हो पा रहे हैं। अब ट्रम्प प्रशासन ने अमेरिका को पुनः विनिर्माण इकाईयों का हब बनाने के उद्देश्य से अमेरिका को पुनः महान बनाने का आह्वान किया है और इसी संदर्भ में विभिन्न देशों से आयातित उत्पादों पर भारी मात्रा में टैरिफ लगाने का निर्णय लिया गया है ताकि अमेरिका में आयातित उत्पाद महंगे हों और अमेरिकी नागरिक अमेरिका में ही निर्मित वस्तुओं का उपयोग करने की ओर प्रेरित हों।

वर्तमान में बढ़े हुए टैरिफ का बोझ अमेरिकी नागरिकों को उठाना पड़ेगा और उन्हें अमेरिका में महंगे उत्पाद खरीदने होंगे, क्योंकि नई विनिर्माण इकाईयों की स्थापना में तो वक्त लग सकता है, विभिन्न वस्तुओं का उत्पादन तुरंत तो बढ़ाया नहीं जा सकता अतः जब तक नई विनिर्माण इकाईयों की अमेरिका में स्थापना हो एवं इन विनिर्माण इकाईयों में उत्पादन शुरू हो तब तक अमेरिकी नागरिकों को महंगे उत्पाद खरीदने हेतु बाध्य होना पड़ेगा। इससे अमेरिका में एक बार पुनः मुद्रा स्फीति की समस्या उत्पन्न हो सकती है एवं ब्याज दरों के कम होने के चक्र में भी देरी होगी, बहुत सम्भव है कि मुद्रा स्फीति को कम करने की दृष्टि से एक बार पुनः कहीं ब्याज दरों के बढ़ने का चक्र प्रारम्भ न हो जाए। लम्बे समय में जब अमेरिका में विनिर्माण इकाईयों की स्थापना हो जाएगी एवं इन इकाईयों में उत्पादन प्रारम्भ हो जाएगा तब जाकर कहीं मुद्रा स्फीति पर अंकुश लगाया जा सकेगा। विभिन्न देशों से आयातित उत्पादों पर टैरिफ सम्बंधी घोषणा के साथ ही, डॉलर पर दबाव पड़ना शुरू भी हो चुका है एवं अमेरिकी डॉलर इंडेक्स घटकर 102 के स्तर पर नीचे आ गया है जो कुछ समय पूर्व तक लगभग 106 के स्तर पर आ गया था। इसी प्रकार अमेरिका में सरकारी प्रतिभूतियों की 10 वर्ष की बांड यील्ड पर भी दबाव दिखाई दे रही है और यह घटकर 4.08 के स्तर पर नीचे आ गई है, यह कुछ समय पूर्व तक 4.70 के स्तर से भी ऊपर निकल गई थी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपए की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में बढ़नी प्रारम्भ हो गई है एवं यह पिछले चार माह के उच्चतम स्तर, लगभग 85 रुपए प्रति अमेरिकी डॉलर, पर आ गई है। ट्रम्प प्रशासन के टैरिफ सम्बंधी लिए गए निर्णयों का अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर सकारात्मक असर लम्बी अवधि में तो हो सकता है परंतु छोटी अवधि में तो निश्चित ही यह अमेरिकी अर्थव्यवस्था को विपरीत रूप से प्रभावित करते हुए दिखाई दे रहा है। अमेरिकी पूंजी बाजार (शेयर बाजार) केवल दो दिनों में ही लगभग 10 प्रतिशत तक नीचे गिर गया है और अमेरिकी निवेशकों को लगभग 5 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का नुक्सान हुआ है। इतनी भारी गिरावट तो वर्ष 2020 में कोविड महामारी के दौरान ही देखने को मिली थी। यदि यही स्थिति बनी रही तो अमेरिकी अर्थव्यवस्था कहीं मंदी की चपेट में न आ जाय। यदि ऐसा होता है तो पूरे विश्व की अर्थव्यवस्था भी विपरीत रूप से प्रभावित हुए बिना नहीं रहेगी। अतः ट्रम्प प्रशासन का टैरिफ सम्बंधी उक्त निर्णय अति जोखिम भरा ही कहा जाएगा।

जब पूरे विश्व की अर्थव्यवस्था विपरीत रूप से प्रभावित हुए बिना नहीं रहेगी तो भारत की अर्थव्यवस्था पर भी कुछ तो विपरीत असर होगा ही। इस संदर्भ में किए गए विश्लेषण से यह तथ्य उभरकर सामने आ रहा है कि बहुत सम्भव है कि ट्रम्प प्रशासन द्वारा भारत से आयातित वस्तुओं पर लगाए गए 26 प्रतिशत के टैरिफ का भारतीय अर्थव्यवस्था पर बहुत अधिक विपरीत प्रभाव नहीं हो। क्योंकि, एक तो भारत से अमेरिका को निर्यात बहुत अधिक नहीं है। यह भारतीय सकल घरेलू उत्पाद का मात्र लगभग 3-4 प्रतिशत ही है। वैसे भी भारतीय अर्थव्यवस्था निर्यात पर निर्भर नहीं है एवं यह विभिन्न उत्पादों की आंतिरक मांग पर अधिक निर्भर है। भारत से सकल घरेलू उत्पाद का केवल लगभग 16 प्रतिशत (वस्तुएं एवं सेवा क्षेत्र मिलाकर) ही निर्यात किया जाता है। दूसरे, भारत से अमेरिका को निर्यात किए जाने कुछ उत्पादों को उक्त टैरिफ व्यवस्था से फिलहाल मुक्त रखा गया है, जैसे फार्मा उत्पाद, सेमीकंडक्टर, स्टील, अल्यूमिनियम, ऑटो, ताम्बा, बुलीयन, एनर्जी आदि। संभवतः इन उत्पादों के भारत से अमेरिका को होने वाले निर्यात पर कुछ भी असर नहीं होने जा रहा है। तीसरे, भारतीय कम्पनियों (26 प्रतिशत टैरिफ) को रेडीमेड गर्मेंट्स के अमेरिका को निर्यात में पड़ौसी देशों, यथा, बांग्लादेश (37 प्रतिशत टैरिफ), पाकिस्तान (29 प्रतिशत टैरिफ), श्रीलंका (44 प्रतिशत टैरिफ), वियतनाम (46 प्रतिशत टैरिफ), चीन (34 प्रतिशत टैरिफ), इंडोनेशिया (32 प्रतिशत टैरिफ), आदि के साथ अत्यधिक स्पर्धा का सामना करना पड़ता है। परंतु, उक्त समस्त देशों से अमेरिका को होने वाले रेडीमेड गार्मेंट्स के निर्यात पर भारत की तुलना में अधिक टैरिफ लगाए जाने की घोषणा की गई है। अतः इन देशों से रेडीमेड गार्मेंट्स के अमेरिका को निर्यात भारत की तुलना में महंगे हो जाएंगे, इससे रेडीमेड गार्मेंट्स के क्षेत्र में भारत के लिए लाभ की स्थिति निर्मित होती हुई दिखाई दे रही है। इसी प्रकार, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कृषि उत्पादों के निर्यात भी भारत से अमेरिका को बढ़ सकते हैं। यदि किन्ही क्षेत्रों में भारत को नुक्सान होता हुआ दिखाई भी देता है तो भारत के विश्व के अन्य देशों के साथ बहुत अच्छे राजनैतिक संबंधो के चलते भारत को अपने उत्पादों के लिए नए बाजार तलाशने में किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा। वैसे भी, अमेरिका सहित भारत के यूरोपीयन देशों, ब्रिटेन एवं खाड़ी के देशों के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौतों को सम्पन्न करने हेतु वार्ताएं लगभग अंतिम दौर में पहुंच गईं हैं, इसका लाभ भी भारत को होने जा रहा है।

भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा शीघ्र ही मोनेटरी पॉलिसी के माध्यम से रेपो दरों में परिवर्तन की घोषणा की जाने वाली है। भारत में चूंकि मुद्रा स्फीति की दर लगातार गिरती हुई दिखाई दे रही है अतः भारत में रेपो दर में 75 से 100 आधार बिंदुओं की कमी की घोषणा की जा सकती है। यदि ऐसा होता है तो विभिन्न उत्पादों की उत्पादन लागत में कुछ कमी सम्भव होगी, जिसके चलते भारत में निर्मित उत्पाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अधिक प्रतिस्पर्धी बन सकते हैं। हालांकि, केवल ब्याज दरों के कमी करके पूंजी की लागत को कम करने से काम चलने वाला नहीं है, भारत को भूमि एवं श्रम की लागतों को भी कम करने की आवश्यकता है तथा उत्पादकता में सुधार करने की भी आवश्यकता है ताकि भारत में निर्मित होने वाले उत्पादों की कुल लागत में कमी हो एवं यह उत्पाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा में अन्य देशों के मुकाबले में टिक सकें। वैश्विक स्तर पर कूटनीतिक, सामरिक, रणनीतिक, राजनैतिक एवं भौगोलिक परिस्थितियों में आमूल चूल परिवर्तन होता हुआ दिखाई दे रहा है, परिवर्तन के इस दौर में भारतीय कम्पनियां कितना लाभ उठा सकती हैं यह भारतीय कम्पनियों के कौशल पर निर्भर करेगा। साथ ही, केंद्र सरकार द्वारा शीघ्रता से अपने आर्थिक सुधार कार्यक्रमों को गति देकर भी वैश्विक स्तर पर निर्मित हुई उक्त परिस्थितियों का लाभ उठाया जा सकता है।

संपादकीय

श्रीलंका की आश्वस्ति

भारत और श्रीलंका ने पहली बार सैन्य क्षेत्र में गहन सहयोग के लिए ढांचे को संस्थागत बनाने के संबंध में शनिवार को रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए। कोलंबो में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके के बीच वार्ता के बाद दोनों पक्षों ने कुल सात समझौतों पर हस्ताक्षर किए। मोदी-दिसानायके वार्ता में 10 से ज्यादा ठोस परिणाम निकले और सबसे महत्त्वपूर्ण तो यह कि दोनों देश सैन्य क्षेत्र में गहन सहयोग को राजी हुए हैं। बेशक, यह फैसला दोनों देशों के रणनीतिक संबंधों को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। इसलिए भी कि यह समझौता श्रीलंका में भारतीय शांति रक्षा सेना के हस्तक्षेप के करीब 35 साल बाद हुआ है। भारत के लिए मोदी का श्रीलंका दौरा इसलिए भी सफल कहा जा सकता है कि दिसानायके ने प्रधानमंत्री मोदी को आसन दिया है कि श्रीलंका अपने भूभाग का इस्तेमाल किसी भी तरह से भारत के सुरक्षा हितों के प्रतिकूल कदमों के लिए नहीं होने देगा। जब-जब पड़ोसी चीन श्रीलंका के साथ दोस्ताना होता है, तब-तब भारत की पेशानी पर चिंता की लकीरें उभरने लगती हैं। लेकिन अब श्रीलंका से स्पष्ट आसन मिलने से भारत को बड़ी राहत का अहसास हुआ है। दरअसल, दोनों पड़ोसी देशों बीच ऐतिहासिक, आध्यात्मिक और आत्मीयता से भरे संबंध रहे हैं, दोनों देशों की साझा बौद्ध विरासत है, दोनों की सुरक्षा एक दूसरे से जुड़ी हुई है, और दोनों परस्पर निर्भर कहे जा सकते हैं। दिसानायके इस बात से वाकिफ हैं। संभवतः यही कारण रहा कि राष्ट्रपति बनने के बाद उन्होंने अपनी पहली विदेश यात्रा के लिए भारत को चुना। मोदी को भी उन्होंने अपना पहला विदेशी मेहमान बनाया और उन्हें श्रीलंका के सर्वोच्च सम्मान ह्यमित्र विभूषणह्ण से भी नवाजा। भारत भी श्रीलंका की मित्रता को खासा तवज्जो देता है, और इसकी पुष्टि इस बात से होती है कि 2014 के बाद से प्रधानमंत्री मोदी का यह चौथा श्रीलंका दौरा था। चाहे 2019 का आतंकवादी हमला हो, कोविड महामारी हो या हाल में आया आर्थिक संकट हो, हर कठिन परिस्थिति में भारत ने श्रीलंका की तरफ मदद का हाथ बढ़ाया है। श्रीलंका हमारी ह्यपड़ोसी पहलेह्ण नीति और ह्यमहासागरह्ण दृष्टिकोण से भी हमारे लिए विशेष स्थान रखता है। अलबत्ता, श्रीलंका में तमिलों की आकांक्षाओं और भारतीय मछुआरों के श्रीलंका के जल क्षेत्र में पकड़े जाने जैसे विवादास्पद मुद्दे हैं। उम्मीद है कि इन मुद्दों का सौहार्दपूर्ण समाधान निकालने में भी दोनों पड़ोसी देश सफल होंगे।

चिंतन-मनन

सच्चे ज्ञानी की विशेषता

व्यक्ति सत्संगति से तीन वस्तुओं को-शरीर, शरीर का स्वामी या आत्मा तथा आत्मा के मित्र को- एक साथ संयुक्त देखता है, वही सच्चा ज्ञानी है। जब तक आध्यात्मिक विषयों के वास्तविक ज्ञाता को संगति नहीं होती, वे अज्ञानी हैं, वे केवल शरीर को देखते हैं, और जब यह शरीर विनष्ट हो जाता है, तो समझते हैं कि सब कुछ नष्ट हो गया। लेकिन वास्तविकता यह नहीं है। शरीर के विनष्ट होने पर आत्मा तथा परमात्मा का अस्तित्व बना रहता है, और वे अनेक विविध चर तथा अचर रूपों में सदैव जाते रहते हैं। कभी-कभी संस्कृत शब्द परमेर का अनुवाद जीवात्मा के रूप में किया जाता है, क्योंकि आत्मा ही शरीर का स्वामी है और शरीर के विनाश होने पर वह अन्यत्र देहांतरण कर जाता है। इस तरह वह स्वामी है। लेकिन कुछ लोग इस परमेश्वर का अर्थ परमात्मा लेते हैं। प्रत्येक दशा में परमात्मा तथा आत्मा दोनों रह जाते हैं। वे विनष्ट नहीं होते। जो इस प्रकार देख सकता है, वही वास्तव में देख सकता है कि क्या घटित हो रहा है। जीव, अपना भौतिक अस्तित्व स्वीकार करने के कारण अपने आध्यात्मिक अस्तित्व से पृथक स्थित हो गया है। किंतु यदि वह यह समझता है कि परमेश्वर अपने परमात्मा स्वरूप में सर्वत्र स्थित हैं, अर्थात यदि वह भगवान की उपस्थिति प्रत्येक वस्तु में देखता है, तो वह विघटनकारी मानसिकता से अपने आपको नीचे नहीं गिराता, और इसीलिए वह प्रमशः वैकुण्ठ-लोक की ओर बढ़ता जाता है...।

ड्रग तस्करी- पाबंदी की राह में मुश्किल है बहुत

मुकेश तिवारी

वर्तमान समय में नशीले पदार्थों का गोरखधंधा देश के सभी हिस्सों में अपने पैर जमा चुका है ।छोटे शहर और कस्बे भी इसके चंगुल में बुरी तरह से फस चुके हैं ।क्योंकि इस गोरख धंधे में अकूत पैसा है ।इसलिए जल्द से जल्द धन कुबेर बनने की चाहत में लोग इस गैर कानूनी धंधे में संलिप्त होते चले जा रहे हैं । लंबे समय से नशीले पदार्थों के कारोबार ने देश को सामाजिक एवं आर्थिक दोनों मोर्चे पर खोखला बना रखा है। इससे मानव संसाधन पर काफी हद तक नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। युवा पीढ़ी इसकी गिरफ्त में फंसकर बर्बाद हो रही है ।साथ ही साथ इस गैर कानूनी कारोबार से सरकार को भी राजस्व की क्षति हो रही है। अफीम एवं दूसरे नशीले पदार्थों का उपयोग दवाई बनाने में भी किया जाता है। लेकिन आज इससे दवा की जगह जहर बनाया जा रहा है। इससे अपराधी घटनाओं में भी इजाफा हो रहा है ,क्योंकि नशे की हालत में इंसान का स्वयं पर नियंत्रण नहीं होता है।

सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी रपट के मुताबिक तकरीबन 1करोड25लाख लोग हेरोइन का नशा करते हैं, हालत यह है कि जिसमें से 60लाख लोग हेरोइन का सेवन किया बिना नहीं रह सकते हैं। हेरोइन पर पूर्ण तौर पर निर्भर लोग मुख्य रूप से पंजाब, दिल्ली, हरियाणा, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश और गुजरात के रहने वाले हैं।

अब तक की सबसे बड़ी हेरोइन तकरीबन 2700करोड की पंजाब में वाधा बॉर्डर और मुंबई के न्हावा शेवा बंदरगाह पर 1725करोड की ड्रग्स पकड़ी जा चुकी है।इसी तरह गुजरात के भरुच जिले के अंकलेश्वर में भी 518 किलो हेरोइन बरामद हो चुकी है,

काबिले गौर है कि आज भी देश में गैरकानूनी ढंग से ड्रग्स लेनदेन का महज दसवां भाग ही सरकारी एजेंसी जब्त कर पाने में सफल हो पा रही है, जिसके कारण इस धंधे में शामिल कारोबारी का मनोबल ऊंचा बना रहता है। वह मानकर चलते हैं कि वह पकडे नहीं जाएंगे। भारत हेरोइन उत्पादन करने वाले देशो गोल्डन ट्रायंगल, थाईलैंड ,लाओस, म्यांमार और गोल्डन क्रिसेंट, अफगानिस्तान, पाकिस्तान ,ईरान के बीच में अवस्थित है ।हेरोइन का 90% उत्पादन इन्हीं दो क्षेत्र से होता है। भारत में हेरोइन मुख्यत म्यांमार ,पाकिस्तान और अफगानिस्तान से आती है ।इसी वजह से देश के उत्तर पूर्वी और उत्तर पश्चिमी प्रदेशों में ड्रग्स का ज्यादा अवैध कारोबार होता है। ड्रग्स के कारोबार की रोकथाम के लिए मुख्य रूप से एनसीबी और राज्य पुलिस काम कर रही है। अन्य एजेंसिया जैसे डी आर आई, कस्टम और राज्य उत्पादन शुल्क की इस मामले में भूमिका सीमित है। मामले में सवाल का उठना लाजिमी है कि ड्रग्स के अवैध कारोबार की रोकथाम के लिए उपाय क्या है? जांच एजेंसी द्वारा सिर्फ ड्रग्स पकड़ना मामले में काफी नहीं है।। जरूरत है ड्रग्स कारोबारियों के पूरे नेटवर्क को तोड़ा जाए। स्वापक औषधि और मन प्रभावी पदार्थ अधिनियम 1885 से मिले अधिकार का उपयोग करके जांच अधिकारी ड्रग्स के कारोबार से अर्जित की गई। सभी संपत्तियों को पहचान करके उन्हें फ्रिज करें साथ ही साथ उनकी नीलामी में भी करवाए। वर्तमान में एजेंसियों के बीच तालमेल का भी अभाव है ।

ड्रग्स के काले गोरखधंधे को रोकने के लिए सीमा शुल्क के अधिकारी ,आयकर महकमे के अधिकारी ,पुलिस के अधिकारी ,राजस्व निदेर्शालय के अधिकारी और प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों को मिलकर काम करना चाहिए । ड्रग्स की खपत को कम करके भी इसके कारोबार को नियंत्रित किया जा सकता है ,लेकिन इसके लिए ड्रग्स का सेवन करने वालों को जागरूक बनाने की जरूरत है ।जब ड्रग्स का सेवन करने वाले उपभोक्ता ही नहीं रहेंगे तो स्वाभाविक रूप से ड्रग्स की आपूर्ति कम हो जाएगी ।गैस एजेंसियों को यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि जिन व्यक्तियों को ड्रग्स के कारोबार के अपराध में गिरफ्तार किया गया है, उन्हें अदालत द्वारा कम से कम 10 वर्ष या उससे अधिक की सजा मिले।हो सके तो त्वरित अदालतों (फास्ट ट्रैक कोर्ट)का गठन कर मामले का निपटारा भी किया जाए। ऐसा होने पर ही ड्रग्स कारोबारियो के बीच भय का संचार होगा।

ड्रग्स केअवैध कारोबार ने समाज की समक्ष एक गंभीर खतरे को जन्म दिया है ।आज ड्रग्स का कारोबार देश की सुरक्षा के लिए भी गंभीर चुनौती बन गया है।यह देश के नागरिकों के स्वास्थ्य के लिए भी खतरा बना हुआ है। जांच एजेंसियां ड्रग्स जरूर पकड़ रही है, लेकिन इसकी मात्रा को पर्याप्त कतई नहीं कहा जा सकता है। लिहाजा ड्रग्स का गोरखधंधा करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने और उन पर अंकुश लगाने के लिए उनकी संपत्ति को जप्त करना और उन्हें नीलाम करना बहुत ही जरूरी है।

पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार के तीन वर्षों का सफर

पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार के तीन वर्ष पूरे होने पर उसके द्वारा अलग-अलग क्षेत्रों में अपनी उपलब्धियां के जो दावे किए हैं उसके बारे में पूरी गंभीरता से विश्लेषण किए जाने की जरूरत है। आम आदमी पार्टी ने सरकार में आने से पहले अपने चुनावी घोषणा पत्र में जो वादे किए थे, उसमें कितने पूरे हुए और कितने अधूरे बचे हैं इसके बारे में विस्तार पूर्वक जानने की भी जरूरत है। पंजाब सरकार द्वारा बताई गई उपलब्धियों के संबंध में विरोधी पक्ष अकाली दल और कांग्रेस ने अपनी-अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि सरकार ने कोई वादा पूरा नहीं किया, यह सरकार नादानों की सरकार है, जिसे सरकार चलाने का कोई ढंग नहीं और सरकारी तंत्र के सुस्त होने की बात कही। ये बात आप को याद होगी कि अकाली भाजपा के 10 वर्ष के शासन काल और बाद में कांग्रेस के 5 वर्ष के शासन काल से तंग आकर लोगों ने बदलाव लाने की ठानी, लोगों को आम आदमी पार्टी से बहुत आशाएं थीं, लोगों ने आम आदमी पार्टी को इसलिए ही चुना था कि न्याय का राज्य होगा, लोगों की आर्थिक मुश्किल कम होगी, भ्रष्टाचार मुक्त राज्य मिलेगा, परंतु तीन वर्ष बीत जाने के पश्चात लोगों को घोर निराशा ही देखने को मिल रही है। पंजाब के विधायक निरंकुश हो चुके हैं, कुछ किसानों की ट्रालियां चोरी कर रहे हैं, कुछ ट्रक यूनियन के प्रधानों के पद बेचते रहे, कुछ लोगों की प्रॉपर्टी पर कब्जा कर रहे हैं, कुछ गुंडागर्दी में लगे हुए हैं, आज पंजाब में आम आदमी का अस्तित्व खोता जा रहा है। सरकार की आर्थिक स्थिति तो पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है, कर्ज लेकर कार्य चलाने पड़ रहे हैं, 3 करोड़ 15 लाख का कर्ज इस सूबे के सिर पर चढ़ गया है, जिसका बोझ सहन करना इसके लिए अति मुश्किल होता जा रहा है। क्योंकि सरकार की बड़ी आमदनी इस कर्ज का ब्याज अदा करने में जा रही है। सरकार कर्ज लेकर चल रहीं हैं, कर्ज का बोझ लगातार बढ़ता जा रहा है। पंजाब में बढ़ते नशे को रोकने के लिए पूर्व सरकारों की भांति यह सरकार भी बुरी तरह असफल रही है, 3 वर्ष पूरे होने के पश्चात नशा विरोधी युद्ध में केवल छोटे-मोटे नशा तस्करों पर शिकंजा कसा जा रहा है जबकि बड़े-बड़े मगरमच्छ सरकार की पहुंच से बाहर है। विपक्षी दल कह रहे हैं कि अतिक्रमण हटाने के नाम पर एक और दो मंजिला मकानों पर पीला पंजा चलाया जा रहा है। जबकि बड़े-बड़े बंगलों और बड़ी कोठियों वालों को राजनीतिक और पुलिस का संरक्षण मिल रहा है। यहां आज भी युवा लोग नशे से ग्रस्त है, पिछले सप्ताह मात्र 5 दिनों में पंजाब में 15 से ज्यादा मौतें नशे का ओवरडोज लेने से हो गई है, सरकार बड़े-बड़े नशा तस्करों को समाप्त करने में सफल नहीं हो रही। आम आदमी पार्टी के नेता कहा करते थे कि पंजाब में किसी भी माफिया को पनपने नहीं दिया जाएगा, आज परिवहन के मामले में मुट्ठी भर लोगों का हाथ, माइनिंग के क्षेत्र में रेत बजरी का काला धंधा पहले की तरह चलते रहने और शराब माफिया को और मजबूत होने पर आम आदमी नेताओं की पोल खुल गई है। भगवत सिंह मान ने आने वाले वर्षों में एक लाख सरकारी नौकरियां और निजी क्षेत्र में 20 लाख नौकरियां देने की घोषणा की थी, लेकिन 3 वर्षों के शासनकाल में इस क्षेत्र में दर्शाए या निर्धारित लक्ष्य का कहीं अता पता नहीं है। लाखों की बजाय कुछ हजार नौकरियां देकर जनता में वाहवाह प्राप्त करने की कोशिश की गई है। बेरोजगारी भत्ता और लैपटॉप देना आज बहुत दूर की बात रह गई है। महिलाओं को प्रति माह हजार रुपए देने की बात हवा हवाई हो चुकी है। 3 वर्ष बीत जाने के पश्चात चौथे वर्ष के बजट में भी महिलाओं को 1000 रुपए देने का कोई प्रावधान नहीं किया गया। कर्मचारियों की पुरानी पेंशन बहाल करने के लिए आम आदमी पार्टी ने अपने घोषणा पत्र में जोर-जोर से प्रचार किया था, पंजाब के मुख्यमंत्री ने कर्मचारियों को पक्का करने और किसानों का पूरा कर्ज माफ करने की बात की थी, इन सब मामलों में आज वोटर अपने आप को ठगा महसूस कर रहे है। होटलों में देह व्यापार, जुए के अड्डे, गैर कानूनी कामों के ठेके बढ़ रहे हैं। मान सरकार जिसका नारा है भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस, इसी राज्य में भ्रष्टाचार के रेट बढ़ गए हैं, नशा बेचने वाले कैमिस्टों से मोटी रकमें वसूली जा रही हैं।

– सुभाष आनंद

स्वामी, प्रकाशक और मुद्रक डा0 सरवर जमाल ने आर0 डी0 प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्रा0 लि0 प्लाट नं0 16-17 पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, रोड नं0 झ्र 09 पटना झ्र 800013 से छपवाकर कार्यालय 203 बी, ब्लाक रंजीत रेसीडेंसीज, साकेतपुरी, मछली गली, राजा बाजार पटना- 800014 से प्रकाशित किया ।सम्पादक: श्रीमती शबाना प्रवीन पी0 आर0 बी0 एक्ट के तहत खबरों की जिम्मेवार मैनेजिंग एडिटर: डा0 राजीव कुमार, स्थानीय सम्पादक: डा0 नूतन कुमारी, उप सम्पादक: तबस्सुम नवाज PRGI NO:- BIHHIN/2023/86924 E-mail- Newsindogulf730@gmail.com,Mob-9472871824/8544031786 समस्त विवादों का निवारण पटना न्यायालय के अधीन ही होंगे।

अक्षरा सिंह को नहीं लोगों की परवाह, कहा- एक ही जिंदगी है, खुलकर जियो

अक्सर कोई काम करते वक्त लोग चार लोगों का ख्याल रखते हैं। चार लोग यानी समाज। सामान्य लोग नहीं, बल्कि फिल्मी हस्तियों को भी इस बात की चिंता सताती है कि चार लोग क्या कहेंगे? मगर, अक्षरा सिंह अब इससे आगे निकल चुकी हैं। उन्होंने अपने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए अपनी जिंदगी का फलसफा शेयर किया है, जो दूसरों के भी काम आ सकता है। अक्षरा ने बताया कि अब उन्हें चार लोगों की परवाह नहीं।

अक्षरा ने बताया कि अब उन्हें चार लोगों की परवाह नहीं। अक्षरा सिंह ने वीडियो शेयर किया है। ब्लू कलर के आउटफिट में वे काफी स्टाइलिश लुक में नजर आ रही हैं। काला चश्मा चढ़ाते हुए वे तेवर दिखा रही हैं। वीडियो में लिखा है, चार लोग क्या कहेंगे अब उससे डर नहीं लगता, डर तो ये है कि उन चार लोगों को मैं कुछ न कह दूं। इसके साथ अक्षरा ने कैप्शन लिखा है, क्या बोलती पब्लिक? एक ही जिंदगी है खुल के जियो और जीने दो।

यूजर्स ने जताई सहमति

अक्षरा सिंह के इस पोस्ट पर यूजर्स के रिएक्शन नजर आ रहे हैं और अभिनेत्री का यह जीवन मंत्र सभी को काम का लग रहा है। अधिकांश यूजर्स ने अक्षरा की बात पर सहमति जताई है। एक यूजर ने लिखा, अक्षरा भोजपुरी इंडस्ट्री में वाइल्ड फायर हैं। एक अन्य यूजर ने लिखा, खुलकर जियो और दूसरों को भी कुछ न बोलो, तब भी लोग जीने नहीं देते हैं दीदी। एक यूजर ने लिखा, शेरनी।

निरहुआ के साथ आएंगी नजर

अक्षरा के वर्क फ्रंट की बात करें तो उन्होंने साल 2010 में फिल्म सत्यमेव जयते से भोजपुरी इंडस्ट्री में डेब्यू किया। इस फिल्म में रवि किशन लीड रोल में नजर आए। अदाकारी के साथ-साथ अक्षरा अपनी सुरीली आवाज के दम पर भी इंडस्ट्री में राज कर रही हैं। अक्षरा सिंह की आगामी फिल्म चार फेरे सात वचन है, जिसमें वे दिनेश लाल यादव निरहुआ के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी।

शोभिता धुलिपाला के हाथ लगा बड़ा रोल, फिल्म में फहद फासिल की भी एंट्री

शोभिता धुलिपाला ने कई हिंदी, तेलुगु, मलयालम और तमिल फिल्मों में काम किया है, जिनमें गुडाचारी से लेकर मेजर, पोन्नियिन सेलवन 1, पोन्नियिन सेलवन 2 और द नाइट मैनेजर जैसी फिल्में और सीरीज शामिल हैं। अब वहीं शोभिता एक और अनाम तमिल फिल्म के लिए कमर कस रही हैं, जिसमें उनके साथ कई अभिनेताओं की टुकड़ी नजर आएगी।

शोभिता का मिली बड़ी फिल्म

एक खबर के मुताबिक, शोभिता धुलिपाला तमिल मशहूर डायरेक्टर पा. रंजीत की नई फिल्म में महत्वपूर्ण किरदार में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म में दिनेश मुख्य अभिनेता होंगे और आर्या विलेन का किरदार निभाएंगे। अभी इस फिल्म का नाम तय नहीं हुआ है, लेकिन इसमें अशोक सेलवन और फहाद फासिल जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

शोभिता का करियर

शोभिता धुलिपाला एक भारतीय सुपरमॉडल, पूर्व मिस अर्थ इंडिया और अभिनेत्री हैं, जिन्होंने हिंदी, मलयालम, तमिल और तेलुगु फिल्मों में काम किया है। शोभिता ने इकोनॉमिक्स में मास्टर्स की डिग्री ली है। मॉडलिंग से शोभिता ने अपना करियर शुरू किया था। 2013 में उन्होंने मिस इंडिया अर्थ का खिताब जीता था। शोभिता को 2016 में बॉलीवुड फिल्म रमन राघव 2.0 में अभिनय किया।

शोभिता की शादी

शोबिता धुलिपाला ने साउथ अभिनेता नागा चैतन्य से शादी की है। हालांकि, यह चै की दूसरी शादी है। चै की पहली शादी साउथ अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु से हुई थी। सामंथा से तलाक के बाद ही नागा ने शोभिता से दूसरी शादी की है।

ट्रोलिंग से अब कोई फर्क नहीं पड़ता

सारा अली खान को अक्सर अपनी प्रोफेशनल लाइफ और पर्सनल लाइफ को लेकर ट्रोल किया जाता है। एक्ट्रेस ने हाल ही में सोशल मीडिया ट्रोलिंग को लेकर बात की। उनका मानना है कि नेगेटिविटी को सिर्फ मेडिटेशन से ही कम किया जा सकता है। सारा अली खान ने बातचीत के दौरान सवाल किया गया कि वह सोशल मीडिया ट्रोलिंग को कैसे डील करती हैं और उससे कैसे डील करती हैं? सारा ने ट्रोलिंग को लेकर बात करते हुए कहा, मुझे मेरे धर्म को लेकर भी ट्रोल्स किया जाता है, लोग कहते हैं कि तुम मुस्लिम हो और हिंदू मंदिरों में जाती हो। लेकिन मुझे अब इन सब बात से फर्क पड़ना बंद हो गया है। मुझे ट्रोलिंग से डील करने में सबसे ज्यादा हेल्प मेडिटेशन करता है। मुझे मेडिटेशन से यह पता चलता है कि क्या रियल है और क्या नहीं। मेरे लिए समस्या कभी भी ट्रोलिंग नहीं थी, मेरा यह सोचना था कि मैं ही सबसे अच्छी हूं। अब, मैंने यह सोचना ही बंद कर दिया है। सारा ने आगे कहा, 'मैं एक एक्टर के रूप में अभी भी टॉप पर नहीं हूं। कुछ लोग कुछ कलाकारों को पसंद करते हैं, और कुछ को नहीं। एक एक्टर के रूप में मुझे अभी काफी लंबा सफर तय करना है। अभी एक लंबी लाइफ है, अभी काफी कुछ करना है।'

केसरी 2 में दिग्गज वकील सी. शंकरन नायर के किरदार में दिखेंगे अक्षय कुमार

अक्षय कुमार की हिस्टोरिकल ड्रामा फिल्म 'केसरी चैप्टर 2' का ट्रेलर जारी हो गया है। जलियांवाला बाग में हुए नरसंहार पर आधारित इस फिल्म में अक्षय दिग्गज वकील सी. शंकरन नायर के किरदार में दिखेंगे। यहां जानिए कौन हैं सी शंकरन नायर। 11 जुलाई 1857 को जन्मे शंकरन नायर ने 1877 में मद्रास प्रेसीडेंसी कॉलेज से आर्ट की डिग्री ली और मद्रास लॉ कॉलेज से कानून की पढ़ाई पूरी की। 1880 में शंकरन नायर ने मद्रास हाईकोर्ट से अपनी वकालत शुरू की। 1887 में शंकरन नायर को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का अध्यक्ष चुना गया। 13 अप्रैल 1919 को जब जलियांवाला बाग में भीषण नरसंहार हुआ और अंग्रेजों ने देशवासियों पर गोलीबारी की तब शंकरन नायर शिक्षा मंत्री और वायसराय की कार्यकारी परिषद में एकमात्र भारतीय प्रतिनिधि थे। यह घटना शंकरन नायर के जीवन में सबसे अहम मोड़ लेकर आई। इसके बाद उन्होंने वायसराय की कार्यकारी परिषद से इस्तीफा दे दिया। अंग्रेजों ने इस घटना के तथ्यों को तोड़-मरोड़कर पेश किया था। इसके बाद शंकरन नायर ने अंग्रेजों की इस क्रूरता को उजागर करने की ठानी। उन्होंने अदालत में अंग्रेज सरकार के विरुद्ध अकेले लड़ाई लड़ी। नायर ने कोलोनियल ऑफिसर पर अपनी प्रशासनिक शक्तियों का गलत इस्तेमाल करने और अत्याचार बढ़ाने का आरोप लगाया।

एक बड़े बजट की कॉमेडी ट्राइलॉजी के लिए साथ आए कार्तिक आर्यन और करण जौहर

कार्तिक आर्यन और करण जौहर एक बार फिर साथ काम करने के लिए तैयार हैं, और इस बार, वे निर्माता महावीर जैन के साथ एक महत्वाकांक्षी कॉमेडी ट्राइलॉजी के लिए साथ आ रहे हैं। हाल ही में कार्तिक और करण ने रोमांटिक कॉमेडी तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी की शूटिंग शुरू की थी, और अब यह जोड़ी एक हाई-कॉन्सेप्ट फिल्म के लिए साथ आ रही है, जो हंसी, सरप्राइज और शानदार विजुअल्स से भरपूर होगी। पिंकविला की एक रिपोर्ट के अनुसार, इस प्रोजेक्ट का निर्देशन फुकरे फ्रेंचाइजी के निर्देशक मृगदीप सिंह लांबा करेंगे। इस प्रोजेक्ट से जुड़े एक सूत्र ने खुलासा किया, मृगदीप सिंह लांबा लंबे समय से इस हाई-कॉन्सेप्ट कॉमेडी पर काम कर रहे हैं, और इसे एक ट्राइलॉजी के रूप में बनाया जा रहा है, जिसमें कार्तिक आर्यन मुख्य भूमिका निभाएंगे। करण को यह कॉन्सेप्ट बेहद पसंद आया और उन्होंने तुरंत इस प्रोजेक्ट को बड़े पर्दे के लिए प्रोड्यूस करने के लिए हामी भर दी। इस स्क्रिप्ट में हर वर्ग के सिनेमा प्रेमियों से जुड़ने की क्षमता है।

फिल्म फिलहाल प्री-प्रोडक्शन स्टेज में है, और टीम इसकी भव्यता और विजुअल अपील पर काम कर रही है ताकि इसे एक अनोखा सिनेमाई अनुभव बनाया जा सके।

फिल्म की अवधारणा को लेकर सूत्र ने आगे बताया, यह सिर्फ एक कॉमेडी से कहीं बढ़कर है, क्योंकि मेकर्स इसे बड़े स्केल और शानदार विजुअल्स के साथ दर्शकों को चौंकाने के इरादे से बना रहे हैं। फिलहाल फिल्म की प्री-प्रोडक्शन प्रक्रिया चल रही है और यह सितंबर 2025 में फ्लोर पर जाएगी।

प्रोजेक्ट के पैमाने को देखते हुए, निर्माता 2026 में रिलीज़ की उम्मीद कर रहे हैं। इस सहयोग से कार्तिक आर्यन की फिल्मोग्राफी में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि होने की उम्मीद है, क्योंकि वह लगातार खुद को एक बहुमुखी कलाकार के रूप में स्थापित कर रहे हैं, खासकर कॉमेडी शैली में। करण जौहर के लिए भी यह फिल्म उनके बैनर धर्मा प्रोडक्शंस के तहत एक और रोमांचक प्रोजेक्ट साबित होगी, जहां वह कॉमेडी जॉनर को एक नए दृष्टिकोण से एक्सप्लोर कर रहे हैं।

वहीं, मृगदीप सिंह लांबा के निर्देशन में, जो पहले भी दर्शकों को पसंद आने वाली एंटरटेनिंग फिल्में दे चुके हैं, इस फिल्म से काफी उम्मीदें लगाई जा रही हैं। जैसे-जैसे इस प्रोजेक्ट को लेकर उत्सुकता बढ़ रही है, दर्शक इसकी स्टारकास्ट, कहानी और मेकर्स द्वारा पेश किए जाने वाले सरप्राइज से जुड़ी अधिक जानकारी का इंतजार कर रहे हैं।

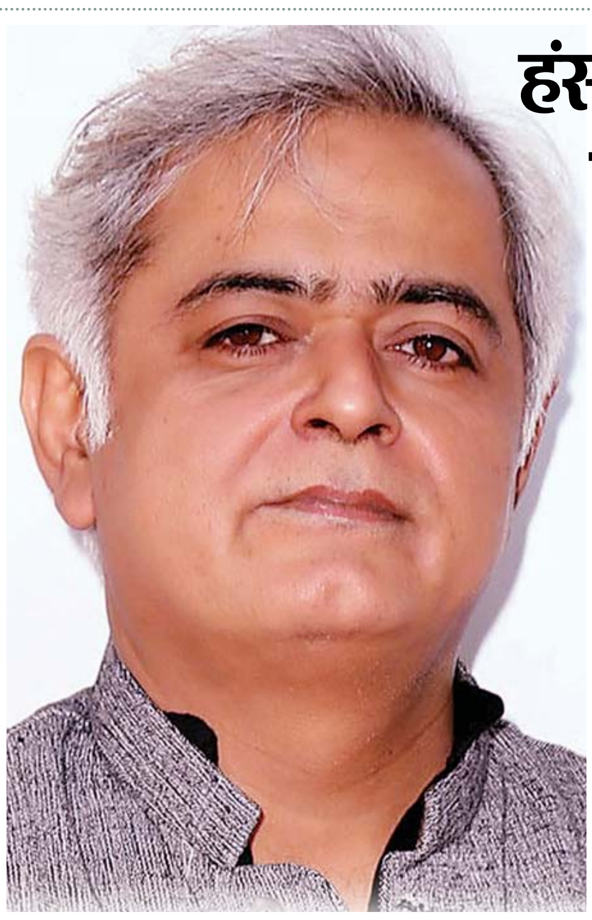

हंसल मेहता ने बांधे कंगना की तारीफों के पुल

अभिनेत्री और भाजपा सांसद कंगना रनौत और फिल्म मेकर हंसल मेहता के बीच बीते दिनों सोशल मीडिया पर कहासुनी हुई। दरअसल, स्टैंडअप कॉमेडियन कुणाल कामरा की महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर कथित आपत्तिजनक टिप्पणी के बाद दोनों आमने-सामने आए। दोनों के फैंस भी आपस में भिड़े। अब इस पूरे मामले के कुछ दिन बाद ही हाल ही में हंसल मेहता ने कंगना की दिल खोलकर तारीफ की है।

दरअसल, हंसल मेहता विवादित टिप्पणी मामले में कुणाल कामरा का बचाव करते दिखे। इसके बाद नेटिजन्स ने उन्हें ट्रोल करना शुरू किया और पूछा कि जब कंगना के दफ्तर पर बुलडोजर चला था तब वे कहां थे? इस पर हंसल मेहता ने कहा, क्या उनके घर तोड़फोड़ हुई थी, क्या गुंडे उनके घर में घुसे थे? क्या उन्होंने उनकी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को चुनौती देने या कथित एफएसआई उल्लंघन के लिए ऐसा किया? कृपया मुझे इसके बारे में बताए। शायद मैं तथ्य नहीं जानता। इस पर कंगना रनौत ने हंसल मेहता को जवाब दिया और याद दिलाया कि उन्हें भी आपत्तिजनक शब्द बोले गए थे।

कैमरे के सामने उनका जादू चलता है

कंगना से सोशल मीडिया पर तकरार के कुछ दिनों बाद हाल ही में हंसल मेहता ने अभिनेत्री की दिल खोलकर तारीफ की है। उन्होंने कहा कि वे कंगना की प्रतिभा के कायल हैं। हंसल मेहता ने कहा कि वे कंगना के कायल हैं। वे उनकी स्क्रीन प्रिजेंस को पहचानते हैं। हंसल मेहता ने माना कि कैमरे के सामने कंगना की उपस्थिति जादुई होती है। हंसल मेहता ने इंडियन एक्सप्रेस से बातचीत में यह कहा। हंसल ने कहा, मैं उनकी अदाकारी का कायल हूं। मैं उनकी प्रतिभा का वर्णन नहीं कर सकता, बस कैमरा उनसे प्यार करता है। यहां तक कि वे भी नहीं जानतीं कि वे कैमरे के सामने क्या जादू कर सकती हैं।

सिमरन में किया है साथ काम

हंसल मेहता ने कंगना को लेकर आगे कहा, हमारी बनती नहीं थी, हमारी नहीं बनी, होता है। मेरी अपनी एक्स वाइफ के साथ भी नहीं बनी। लेकिन वे मुझसे बेहतर इंसान हैं। हंसल मेहता ने कंगना रनौत के साथ फिल्म सिमरन (2017) में काम किया है। उन्होंने इस फिल्म का निर्देशन किया। फिल्म निर्माता ने एक बार घोषणा की थी कि कंगना के साथ फिल्म करना उनकी भारी गलती थी। फिल्म के निर्माण के बाद हंसल और कंगना के बीच अनबन हो गई थी। हालांकि, इस टिप्पणी के बाद भी उन्होंने कंगना की तारीफ की थी। अब सोशल मीडिया पर हुई कहा-सुनी के बाद भी वे कंगना की तारीफों के पुल बांधते दिखे हैं।

फिल्म फौजी में प्रभास के साथ नजर आ सकती है दिशा पाटनी

पैन इंडिया स्टार प्रभास इन दिनों अपनी कई आगामी फिल्मों को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। इसी बीच उनकी एक और फिल्म फौजी को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। इस फिल्म में प्रभास की जोड़ी उनकी फिल्म कल्कि 2898 एडी की एक अभिनेत्री के साथ नजर आएगी। एक खबर के मुताबिक, फौजी एक एक्शन ड्रामा फिल्म होगी। फौजी में प्रभास और दिशा पाटनी एक साथ नजर आ सकते हैं। इस फिल्म से पहले प्रभास और दिशा की जोड़ी को प्रशंसकों ने कल्कि 2898 एडी में खूब पसंद किया था। बहरहाल, इस फिल्म का आधिकारिक नाम अभी तक तय नहीं हुआ है, तब तक इस फिल्म का संभावित नाम फौजी है।

वैसे इस फिल्म में दो अभिनेत्रियों के होने की बात सामने आई है, जिसमें इमानवी इस्माइल का नाम पहले से ही शामिल है और अब उनके अलावा इस फिल्म में दूसरी मुख्य अभिनेत्री के तौर पर दिशा पाटनी का नाम शामिल हो गया है। बहरहाल, अभी तक निर्माताओं की ओर से इस फिल्म की स्टार कास्ट को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

सीएसके पर जीत के इरादे से उतरेगी पंजाब

मुल्लांपुर (एजेंसी)। पंजाब किंग्स की टीम मंगलवार को यहां अपने घरेलू मैदान पर चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी। पंजाब ने इस सत्र में शुरुआती दोनो ही मैच जीते थे पर तीसरे मैच में उसे हार का सामना करना पड़ा। उसके बाद टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर ने कहा कि इससे टीम के खिलाड़ियों को जाग जाना चाहिये। इससे माना जा रहा है कि इस मैच में पंजाब जीत के लिए कोई कसर नहीं रखेगी। उसे घरेलू हालातों का भी लाभ मिल सकता है। श्रेयस अच्छे फार्म में हैं जिसका लाभ भी उसे मिलेगा। उसके बल्लेबाज जमकर रन बना रहे हैं। इसके अलावा उसके गेंदबाजों का प्रदर्शन भी अच्छा रहा है। टीम के पास ग्लेन मैक्सवैल जैसा ऑलराउंर है।

इस प्रकार देखा जाये तो पंजाब का पलड़ा भारी नजर आता है। वहीं दूसरी ओर सीएसके की टीम के लिए ये सत्र अच्छा नहीं रहा है और उसे अब तक एक ही मैच में जीत मिली है। टीम की बल्लेबाजी और गेंदबाजी अच्छी नहीं रही है। अनुभवी बल्लेबाज महेंद्र सिंह धोनी भी अब पहले जैसे फिनिशर नहीं रहे हैं और इसका नुकसान टीम को उठाना पड़ रहा है। इसी कारण टीम लक्ष्य का पीछा करते हुए लगातार तीन मैचों में हारी है।

सीएकसके की टीम को सही संयोजन भी तलाशना होगा। सीएसके के पास अब लक्ष्य का पीछा करते हुए निचले क्रम पर फिनिशर के तौर पर केवल शिवम दुबे ही बचे हैं। ऐसे में विपक्षी टीम अगर 180 से अधिक रन बना लेती है तो सीएसके लिए उसका पीछा करना भी कठिन हो जाता है। इसका कारण है कि शिवम आक्रामक बल्लेबाजी तो करते हैं पर वह कई मैचों में असफल भी रहे हैं।

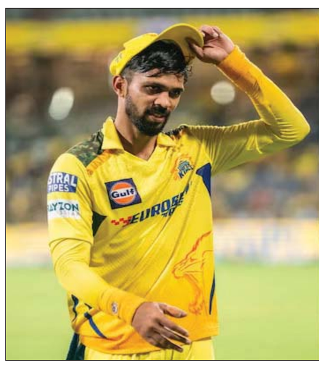

धोनी के खराब प्रदर्शन के कारण सुपरकिंग्स की परेशानी इसलिए भी बढ़ी है क्योंकि उसका शीर्ष क्रम रन नहीं बना पा रहा है। इसी कारण कप्तान रुतुराज गायकवाड़ को सलामी बल्लेबाज की जगह मध्यक्रम में उतरना पड़ रहा है। पंजाब किंग्स से मुकाबला इसलिए भी मुश्किल हैं क्योंकि पंजाब के पास स्पिनर युजवेंद्र चहल हैं जिनका समाना करना सीएसके के बल्लेबाजों के लिए आसान नहीं होगा।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

चेन्नई सुपरकिंग्स = रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), महेंद्र सिंह धोनी, रविंद्र जडेजा, शिवम दुबे, मथीशा पथिराना, नूर अहमद, रविचंद्रन अश्विन, डेवोन कॉनवे, सैयद खलील अहमद, रचिन रविंद्र, राहुल त्रिपाठी, विजय शंकर, सैम कुरेन, शेख राशिद, अंशुल कंबोज, मुकेश चौधरी, दीपक हुड्डा, गुरजनप्रीत सिंह, नाथन एलिस, जेमी ओवरटन, कमलेश नागरकोटी, रामकृष्णन घोष, श्रेयस गोपाल, वंश बेदी और आंद्रे सिद्धार्थ।

पंजाब किंग्स = श्रेयस अय्यर (कप्तान), युजवेंद्र चहल, अर्शदीप सिंह, मार्कस स्टोइनिस, निहाल वढेरा, ग्लेन मैक्सवेल, विशाक विजयकुमार, यश ठाकुर, हरप्रीत बरार, विष्णु विनोद, मार्को यानसेन, लॉकी फर्ग्युसन, जोश इंगलिस, जेवियर बार्टलेट, कुलदीप सेन, पायला अविनाश, सूर्यांश शेडगे, मुशीर खान, हरनूर पन्नू, आरोन हार्डी, प्रियांश आर्य और अजमतुल्लाह उमरजई।

आईपीएल के इस सत्र में अब तक फ्लाप रहे हैं ऋषभ

नई दिल्ली (एजेंसी)। लखनऊ सुपरजायंट्स के कप्तान और आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी ऋषभ पंत अभी तक इस सत्र में फ्लाप रहे हैं। ऋषभ ने अब तक खेले चार मैचों में केवल 19 रन बनाये हैं। ऋषभ से जहां प्रशंसकों को चौके और छक्कों की उम्मीद थी। वहीं वह अब तक के मैचों में एक ही छक्का लगा पाये हैं। इससे प्रशंसकों में निराशा है। बल्लेबाजी के अलावा कप्तानी में भी वह विफल रहे हैं। इसी कारण सुपरजायंट्स को अब तक चार में से दो मैचों में हार का सामना करना पड़ा है जिससे वह अंक तालिक में पहले पांच में भी नहीं हैं।

ऐसे में ऋषभ अब सबसे निशाने पर हैं। सुपर जायंट्स ने उन्हें नीलामी में 27 करोड़ में खरीदा और टीम का नेतृत्व करने की जिम्मेदारी भी सौंपी पर। पर वह असफल रहे। इस बल्लेबाज ने पिछले चार मैचों में कुल 19 रन बनाए हैं। उनका सबसे अधिक स्कोर 15 रन रहा है। उन्होंने ने अब तक चार मैचों में कुल 32 गेंदों का सामना किया। इस दौरान वह एक ही छक्का लगा पाये हैं। आंकड़ों से आप पंत की बल्लेबाजी को समझिए। अपनी पुरानी टीम दिल्ली कैपिटल्स के सामने वह खाता भी नहीं खोल पाये थे। वहीं इसके बाद सनराइजर्स हैदराबाद के सामने 15 रन ही बना पाये। पंजाब किंग्स के सामने वह दो रन ही बना पाये। मुंबई इंडियंस के खिलाफ खेले गए मैच में भी वह दो रन बनाकर पवेलियन लौटे। उनकी बल्लेबाजी नहीं चलने से लखनऊ सुपर जायंट्स का मध्य क्रम दबाव में बिखर रहा है केवल निकोलस पूरन और मिशेल मार्श ही अब तक रन बना पाये हैं।

क्लार्क ने यशस्वी और सैमसन की जोड़ी को शानदार बताया

मुंबई (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क ने आइपीएल टीम राजस्थान रॉयल्स के बल्लेबाजों यशस्वी जायसवाल और संजू सैमसन की जोड़ी की जमकर प्रशंसा की है। क्लार्क ने कहा है कि ये दोनो किसी भी मैच को पलट सकते हैं। क्लार्क ने कहा, 'जायसवाल शुरुआती मैच में असफल होने के कारण पंजाब के खिलाफ बल्लेबाजी के दौरान ज़्यादा सतर्क थे। कुछ अच्छे शॉट्स लगाने से उनका मनोबल बढ़ा जिससे टीम तेजी से आगे बढ़ी। वह मैदान के चारों ओर शॉट मारता है। उसे लेग साइड पसंद है, लेकिन कीपर के ऊपर से ऊपर की ओर शॉट मारना और उसका कवर ड्राइव उसके पास सभी शॉट हैं। अगर वह शुरुआत में संयम से खेले और कुछ गेंदें और पहले ओवर में जमीनी शॉट लगाये तो विरोधी टीम के लिए काफी मुश्किलें पैदा कर सकता है।

उन्होने कहा, 'राजस्थान रॉयल्स पहले से अलग टीम नजर आयी है। उसकी सलामी जोड़ी विस्फोटक है। उसके बल्लेबाज काफी अच्छे हैं। वहीं भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाज संजय मांजरेकर ने युवा रियान पराग की जमकर प्रशंसा की ओर कहा, 'मुझे वाकई लगता है कि राजस्थान रॉयल्स के लिए पंजाब के खिलाफ मैच में रियान पराग की पारी काफी अहम थी। ये सही है कि उन्हें यशस्वी ने उन्हें अच्छी शुरुआत दी पर बाद में पराग ने स्कोर आगे बढ़ाया। वह जानते हैं और भरोसा करते हैं कि धीमी शुरुआत की भरपाई किस प्रकार की जा सकती है। पहली 13 गेंदों में उनका स्ट्राइक रेट 100 से थोड़ा ज़्यादा था। अगली 13-14 गेंदों में यह 200 के करीब था। उस पारी ने राजस्थान रॉयल्स को काफी अच्छी स्थिति में पहुंचा दिया। इसके बाद रही सही कसर गेंदबाजी में तीन विकेट लेकर जोफ्रा आर्चर ने पूरी कर दी।

केकेआर और सुपर जाइंट्स की भिड़ंत में नरायाण और राठी होंगे आमने-सामने

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता नाइट राइडर्स और लखनऊ सुपर जाइंट्स इंडियन प्रीमियर लीग के दोपहर के मैच में मंगलवार को जब यहां आमने-आमने होंगे तो यह सुनील नरेन और उनकी तरह गेंदबाजी करने वाले तथा उनके सबसे बड़े प्रशंसक में से एक दिग्वेश राठी के बीच का मुकाबला भी होगा। दोनों टीम के अब तक दो-दो जीत से चार-चार अंक हैं।

केकेआर के लिए मौजूदा सत्र अब तक मिश्रित परिणाम वाला रहा है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और मुंबई इंडियन्स के खिलाफ हार के बाद केकेआर ने अपने पिछले मैच में शानदार वापसी करते हुए सनराइजर्स हैदराबाद पर आसान जीत दर्ज की और इस दौरान उसके मध्य क्रम ने भी उपयोगी योगदान दिया जो पिछले कुछ मैच में प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहा था। टीम के सबसे महंगे खिलाड़ी वेंकटेश अय्यर ने अंततः अच्छा प्रदर्शन किया जबकि रिंकू सिंह और अनुभवी अजिंक्य रहाणे ने भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। युवा अंगकृष रघुवंशी ने भी प्रभावित किया।

नाइट राइडर्स के लिए हालांकि सलामी जोड़ी चिंता का विषय बनी हुई है। क्विंटन डिकॉक और सुनील नारायण पिछले सत्र में फिल सॉल्ट की तरह टीम को आक्रामक शुरुआत देने में नाकाम रहे हैं। मौजूदा सत्र में इस जोड़ी की सर्वोच्च साझेदारी 44 रन की रही है जबकि अन्य मुकाबलों में सलामी बल्लेबाजों ने चार, एक और 14 रन की साझेदारी की। च्चयक्रको पता है कि नारायण की अहमियत सिर्फ रन बनाने तक ही सीमित नहीं है। नारायण और राठी के विपरीत खेमे में होने के कारण यह देखना दिलचस्प होगा कि कौन दूसरे पर भारी पड़ता है।

दिल्ली प्रीमियर लीग में शानदार प्रदर्शन से ध्यान खींचने वाले राठी अब उस खिलाड़ी के खिलाफ खेलेंगे जिसने उनके क्रिकेट के सपने को आकार दिया। इमरान ताहिर जैसा हेयरस्टाइल, नारायण जैसा गेंदबाजी एक्शन और केसरिक विलियम्स जैसा जश्न मनाने का तरीका, राठी अपने स्टाइल और कौशल से आईपीएल 2025 की सबसे आकर्षक कहानियों में से एक बन गए हैं।

शुक्रवार की रात को मुंबई इंडियन्स के खिलाफ इकाना में जब सुपरजाइंट्स के अन्य गेंदबाजों से 10 से अधिक रन प्रति ओवर की दर से रन दिए तो वहीं राठी ने चार ओवर में 21 रन देकर एक विकेट चटकाया। उन्होंने अब तक चार मैच में 7.62 के प्रभावशाली इकोनॉमी रेट से छह विकेट चटकाए हैं और केवल एक बार मैच में 8 रन प्रति ओवर से अधिक की दर से रन दिए हैं।

राठी की गेंदबाजी असाधारण रही है लेकिन मैदान पर उनके जश्न मनाने के तरीके ने विवाद खड़ा कर दिया है। उन पर पहले ही दो बार जुर्माना लगाया जा चुका है - एक बार पंजाब किंग्स के बल्लेबाज प्रियांश आर्य के साथ शारीरिक संपर्क के लिए और फिर मुंबई के खिलाफ जश्न मनाने के लिए। राठी के नाम पर अब तीन डिमेरिट अंक हैं और अगर उन्हें एक और डिमेरिट अंक मिलता है तो उन पर एक मैच का प्रतिबंध लग जाएगा।

लखनऊ की टीम इस मुकाबले में मुंबई के खिलाफ अपने घरेलू मैदान पर 12 रन की जीत के बाद बढ़े हुए आत्मविश्वास के साथ उतरेगी। मिचेल मार्श शीर्ष क्रम पर प्रभावी प्रदर्शन कर रहे हैं जबकि एडेन मारक्रम ने सत्र की धीमी शुरुआत के बाद मुंबई के खिलाफ अर्धशतक के साथ फॉर्म में वापसी की है। हालांकि आईपीएल में अब तक खराब प्रदर्शन के कारण ऋषभ पंत को प्रशंसकों और विशेषज्ञों से आलोचना का सामना करना पड़ा है।

रिकॉर्ड 27 करोड़ रुपये में खरीदे गए सुपर जाइंट्स के कप्तान पर दबाव बढ़ता जा रहा है, विशेषकर टीम के मालिक संजीव गोयनका के साथ जो खेल में अपनी भावुक भागीदारी के लिए जाने जाते हैं। पिछले सत्र में लोकेश राहुल के साथ 'बहस% के बाद, यह देखना बाकी है कि अगर पंत का खराब फॉर्म जारी रहता है तो गोयनका का धैर्य कब तक बरकरार रहता है।

टीमें : कोलकाता नाइट राइडर्स : क्विंटन डिकॉक, सुनील नाराण, अजिंक्य रहाणे (कप्तान), अंगकृष रघुवंशी, वेंकटेश अय्यर, रिंकू सिंह, मनीष पांडे, आंद्रे रसेल, रमनदीप सिंह, हर्षित राणा, स्पेंसर जॉनसन, वरुण चक्रवर्ती, एनरिक नोर्किया, वैभव अरोड़ा, अनुकूल रॉय, लवनिथ सिसोदिया, मोईन अली, रोवमैन पॉवेल, मयंक मारकंडे, रहमानुल्लाह गुरबाज और चेतन सकारिया।

लखनऊ सुपर जाइंट्स : ऋषभ पंत (कप्तान), अब्दुल समद, आकाश दीप, आकाश सिंह, आवेश खान, आयुष बडोनी, मैथ्यू ब्रीट्जके, युवराज चौधरी, राजवर्धन हांगरगेकर, हिम्मत सिंह, शमर जोसेफ, आर्यन जुयाल, अर्शिन कुलकर्णी, एडेन मारक्रम, मिचेल मार्श, डेविड मिलर, निकोलस पूरन, प्रिंस यादव, दिग्वेश राठी, रवि बिश्नोई, शाहबाज अहमद, मणिमारन सिद्धार्थ, शारदुल ठाकुर और मयंक यादव।

शुभमन ऑरेंज कैप की दौड़ में शीर्ष दस में पहुंचे

मुम्बई। गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैच के बाद सबसे अधिक रनों के लिए मिलने वाली ऑरेंज कैप की दौड़ में शीर्ष दस में पहुंच गये हैं। शुभमन ने हैदराबाद के खिलाफ मुकाबले में 61 रन बनाये थे। उनके अब चार मैचों में 146 रन हो गए हैं और वह 9वें स्थान पर हैं। वहीं गेंदबाजी की बात करें तो मोहम्मद सिराज भी हैदराबाद के खिलाफ 4 विकेट लेकर पर्पल कैप के दावेदार बन गये हैं। वहीं इस मैच में गुजरात टाइटंस के सलामी बल्लेबाज साई किशोर के पास ओरेंज कैप की सूची में शीर्ष पर आने का अवसर था लेकिन वह हैदराबाद के खिलाफ अधिक रन नहीं बना पाये। साई केवल 5 रन ही बना पाये। पूरन के चार मैचों में 201 जबकि सुदर्शन के 191 रन हैं और वह दूसरे नंबरर पर हैं। वहीं 184 रन बनाकर मिशेल मार्श तीसरे नंबर पर हैं। वहीं सिराज सबसे अधिक विकेट के लिए मिलने वाली पर्पल कैप की रेस में दूसरे नंबर पर पहुंच गये हैं। उनके चार मैचों में कुल 8 विकेट हैं। वहीं चेन्नई सुपर किंग्स के नूर अहमद चार मैचों में 10 विकेट लेकर पहले नंबर पर हैं। तीसरे नंबर पर मिचेल स्टार्क हैं। स्टार्क ने भी चार मैचों में 9 विकेट लिए हैं।

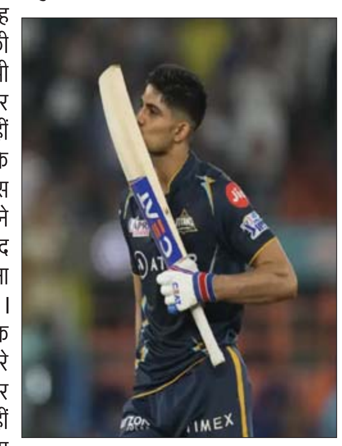

आईपीएल के शुरुआती सत्र में पाक क्रिकेटर ने जीती थी पर्पल कैप

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की आजकल धूम है और इसमें दुनिया भर के क्रिकेटर नजर आ रहे है हालांकि पाकिस्तान के खिलाड़यों को इसमें शामिल नहीं किया जाता पर साल 2008 में हुए सत्र में पाक खिलाड़ियों को भी इसमें खेलने का अवसर मिला था। तब पाक के एक खिलाड़ी सोहेल तनवीर ने शेन वार्न की कप्तानी में राजस्थान रॉयल्स की ओर से शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी टीम को जीत दिलायी थी। तनवी को तब रॉयल्स ने 40.16 लाख रुपए रुपये में खरीदा था। इस गेंदबाज को सबसे अधिक विकेट के लिए पर्पल कैप भी मिली थी। इस गेंदबाज ने तब 11 मैचों में कुल 22 विकेट लिए थे। उनके इस शानदार प्रदर्शन से राजस्थान टीम टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंची थी। फाइनल में भी तनवीर ने 1 विकेट लेकर टीम की सीएसके पर जीत में अहम भूमिका निभाई थी। तनवीर को राजस्थान ने नीलामी में साल 2008 में खरीदा था। तब वह 40.16 लाख रुपए में राजस्थान की टीम में शामिल हुए थे। सोहेल ने पहले ही सत्र में ही सबसे अधिक विकेट लेकर पर्पल कैप जीती थी। उन्होंने 11 मैचों में सबसे अधिक 22 विकेट लिए थे। इस कारण उन्हें 10 लाख रुपए की इनामी राशि भी मिली थ। इस सत्र में बाद सोहेल सहित पाक खिलाड़ी इसलिए नहीं खेल पाये क्योंकि मुम्बई हमले के बाद भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने पाक खिलाड़ियों पर प्रतिबंध लगा दिया था। सोहेल ने पाक की ओर से 2 टेस्ट, 62 एकदिवसीय और कुल 57 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं।

मेरे पास यह तय करने के लिए 10 महीने हैं कि... : संन्यास पर बोले धोनी

नयी दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी इंडियन प्रीमियर लीग में अपने भविष्य को लेकर बढ़ती अटकलबाजी से दूर रहे और कहा कि उनके करियर को खत्म करने का फैसला इस बात पर निर्भर करता है कि उनका शरीर शीर्ष स्तर के क्रिकेट की मांग पर कैसे प्रतिक्रिया देता है और उनके पास यह फैसला करने के लिए '10 महीने' हैं।

मौजूदा आईपीएल में धोनी उस तरह का प्रभाव नहीं डाल पाए हैं जैसा कि वे आमतौर पर निचले मध्य क्रम में बल्लेबाजी करते हुए डालते हैं। शॉट में टाइमिंग की कमी और प्रभावहीनता चार मैच में उनके द्वारा बनाए गए 76 रन के दौरान साफ नजर आई जिसके बाद विशेषज्ञों ने कप्तान के रूप में दो विश्व कप जीतने वाले धोनी को आगे बढ़ने की सलाह दी। हाल ही में उद्यमी राज शमानी के पॉडकास्ट पर धोनी ने कहा, 'मैं अब भी आईपीएल खेल रहा हूं और मैं एक बार में एक साल पर ध्यान दे रहा हूं। मैं अभी 43 साल का हूं और इस आईपीएल सत्र के अंत तक मैं 44 साल का हो जाऊंगा।'

उन्होंने कहा, 'इसलिए मेरे पास यह तय करने के लिए 10 महीने हैं कि मैं एक और साल खेलना चाहता हूं या नहीं और यह मुझे तय नहीं करना है क्योंकि यह मेरा शरीर तय करता है कि मैं खेल सकता हूं या नहीं।' हालांकि टीम को पांच आईपीएल खिताब दिलाने वाले चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व कप्तान ने कहा कि वह मैदान पर अपनी उपलब्धियों से काफी संतुष्ट हैं। धोनी ने कहा, 'यह इस बारे में नहीं है कि मैं खुश हूं या दुखी। जो कुछ भी हुआ है वह हो चुका है। इसे बदला नहीं जा सकता। यह सब कुछ स्वीकार करने के बारे में है। चाहे कुछ भी हो मैं अपने अंतरराष्ट्रीय रन में एक और रन नहीं जोड़ पाऊंगा और कोई भी उन्हें कम नहीं कर पाएगा।'

धोनी हमेशा वर्तमान को देखने वाले व्यक्ति रहे हैं लेकिन उन्होंने एक बार फिर सचिन तेंदुलकर, सौरव गांगुली, वीरेंद्र सहवाग और युवराज सिंह जैसे दिग्गजों को एक ही टीम में देखने की इच्छा जताई। उन्होंने कहा, 'मैं भारतीय खिलाड़ियों पर ही बात करूंगा। वीरू पा (सहवाग) पारी की शुरुआत करेंगे, सचिन, दादा (गांगुली)... और अब आप कल्पना करें कि हर कोई अपने चरम पर है। तब आपको लगेगा कि उनसे बेहतर कोई नहीं हो सकता' धोनी ने कहा, 'सर्वकालिक एकादश चुनना कठिन है। जब आप युवी को छह छक्के लगाते हुए देखते हैं तो आपको लगेगा कि मैं किसी अन्य बल्लेबाज को नहीं देखना चाहता। यह सब भारत के लिए उन्होंने जो किया है उसका लुत्फ उठाने के बारे में है। हमने जो प्रतिभाएं देखी हैं उनमें से कुछ बेजोड़ हैं।'

गुजरात की टीम अंकतालिका में दूसरे नंबर पर पहुंची , सनराइजर्स अंतिम स्थान पर खिसकी

नई दिल्ली (एजेंसी)। शुभमन गिल की कप्तानी वाली गुजराज टाइटंस की टीम ने सनराइजर्स हैदराबाद को सात विकेट से हराकर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) अंक तालिका में लंबी छलांग लगायी है। वहीं सनराइजर्स की टीम लगातार चौथी हार के साथ ही अंकतालिका में सबसे नीचे दसवें पायदान पर खिसक गयी है। गुजरात का प्रदर्शन अब तक अच्छा रहा है और उसे 4 में से 3 मैचों में जीत मिली है। इससे 6 अंकों के साथ गुजरात अंक तालिका में दूसरे नंबर पर पहुंच गयी है। वहीं पहले नंबर पर अक्षर पटेल की कप्तानी में दिल्ली कैपिटल्स की टीम है। कैपिटल्स ने अपने सभी तीन मैच जीते और उसके 6 अंक हैं पर वह रन रेट में गुजरात से आगे है। वहीं सनराइजर्स ने इस सत्र की शुरुआतजीत के साथ की थी पर इसके बाद उसे लगातार हार का सामना करना पड़ा है। उसके केवल 2 अंक हैं।

सनराइजर्स के खिलाफ मुकाबले में सिराज ने गुजरात की जीत में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने 4 ओवर में केवल 17 रन देकर 4 विकेट लिए। गुजरात के खिलाफ मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करने उतरी हैदराबाद की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने पहले ही ओवर में ट्रेविस हेड केवल 8 रन बनाकर सिराज का शिकार बने। . इसके बाद 5वें ही ओवर में अभिषेक शर्मा भी 18 रन बनाकर पेवेलियन लौट गये। बल्लेबाज ईशान किशन से आज बड़ी पारी की उम्मीद थी पर वो भी केवल 17 रन बनाकर ही आउट हो गये। हेनरिक क्लासेन और नीतीश रेड्डी भी रन बनाने में विफल रहे। कप्तान पैट कमिंस ने कुछ अच्छे शॉट खेलकर टीम को 8 विकेट पर 152 रनों तक पहुंचाया। इसके बाद जीत के लिए मिले 153 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए गुजरात की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसके शुरुआती बल्लेबाज भी असफल् रहे लेकिन वॉशिंगटन सुंदर और शुभमन के बीच हुई साझेदारी से टीम ने मैच अपने नाम कर लिया।

क्लासिक भाला फेंक इवेंट में खेलते नजर आयेंगे नीरज

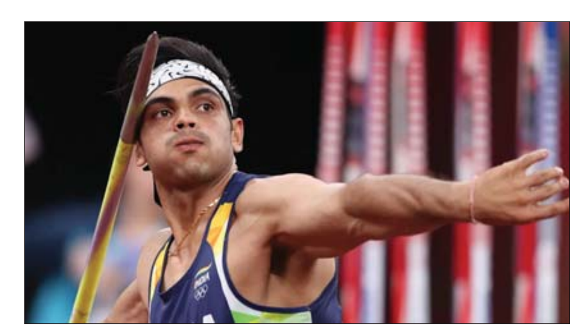

पंचकूला। ओलंपिक पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा अगले माह हरियाणा के पंचकूला में एक घरेलू टूर्नामेंट में भाग लेंगे। नीरज यहां 24 मई को क्लासिक भाला फेंक इवेंट में शामिल होंगे। इसी के साथ ही नीरज एक साल से भी अधिक समय के बाद किसी घरेलू टूर्नामेंट में भारतीय टीम की ओर से खेलते हुए दिखेंगे। इससे पहले घरेलू मैदान पर अंतिम बार वह मई 2024 में भुवनेश्वर में फेडरेशन कप में उतरे थे। अब 374 दिनों के बाद नीरज भारत में प्रतिस्पर्धा करते दिखेंगे। इससे पहले अंतिम बार वह मई 2024 में भुवनेश्वर में फेडरेशन कप में उतरे थे। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) के अध्यक्ष बहादुर सिंह सागू ने कहा कि नीरज चोपड़ा के अलावा इस क्लासिक इवेंट में विश्व के कई अन्य टॉप भाला फेंक खिलाड़ी शामिल होंगे। इस प्रतियोगिता की तैयारियों अभी जारी है। नीरज टोक्यो ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता है हालांकि पेरिस ओलंपिक में वह रजत पदक ही जीत पाये थे। विश्व चैम्पियनशिप सही कई और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में वह नंबर एक स्थान पर रहे हैं। सागू ने कहा कि इस टूर्नामेंट से सभी को अंदाज हो जाएगा कि भारत एथलेटिक्स के क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। सागू ने कहा, 'यह टूर्नामेंट उसी स्थान पर हो रहा है जहां नीरज ने अपने जूनियर शिविर का अधिकांश समय बिताया था। नीरज की भागीदारी के साथ देश में इस टूर्नामेंट की मेजबानी करना खुशी की बात है। नीरज ने इसी स्टेडिया में शुरुआत की थी। इसके बाद वह दोहा डायमंड लीग में खेलेंगे।

अगले माह टेनिस कोट में वापसी करेंगे सिनर

लंदन। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर अब पांच मई से एक बार फिर टेनिस कोर्ट पर खेलते नजर आयेंगे। सिनर सभी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट खेल पाएंगे और उन्होंने विश्व में जो नंबर एक रैंकिंग हासिल की थी वह भी पहले की तरह ही रहेगी। सिनर को गत वर्ष मई में प्रतिबंधित एनाबॉलिक स्टेरॉयड के सेवन का दोषी पाया गया था जिसके बाद से ही वह निलंबित चल रहे थे पर इसके बाद उनका उनका विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) से समझौता हो गया था। इससे बाद उन्हें केवल तीन माह ही निलंबन में और गुजारने थे। ये निलंबर इसी माह समाप्त हो जाएगा। इस दौरान उनके जीते खिताब ओर ईनामी राशि भी वापस नहीं ली जाएगी। उनको इस प्राकर की सुविधा मिलने से काफी विवाद भी उठा था। वहीं विश्व के कई दिग्गज टेनिस खिलाड़ियों ने नाराजगी भी जतायी थी। इन खिलाड़ियों का का मानना है कि डोपिंग मामले में इस प्रकार का समझौता सही नहीं है। इससे खेलों में डापिंग को बढ़ावा मिलेगा। वहीं जो खिलाड़ी इस प्रकार के कामों में लिप्त नहीं होते उन्हें ये अपने साथ धोखा लगेगा क्योंकि डोपिंग में लिप्त खिलाड़ी भी उन्हीं के बराबर में आ जाएंगे। ऐसे में लोग सभी को समान मानेंगे। इसी को लेकर तीन बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन स्विटजरलैंड के स्टैन वावरिंका ने सोशल मीडिया में लिखा, 'खेल में पारदर्शिता नहीं रहेगी।वहीं विंबलडन उपविजेता निक किर्गियोस ने कहा, 'टेनिस में अब निष्पक्षता पर सवाल उठे। सिनर की टीम ने केवल तीन महीने का प्रतिबंध लगाने के लिए अपनी तरफ से पूरी शक्ति लगा दी। उन्हें स्टार खिलाड़ी होने का लाभ मिला जो गलत तरीका है। वहीं दानिल मेदवेदेव ने कहा कि अब हर कोई डोपिंग में लिप्त होने के बाद इसी प्रकार से समझौते करेगा।

आईपीएल में 100 विकेट पूरे करने के बाद सिराज ने दिया पहला बयान, वर्तमान पर ध्यान देना चाहता हूं

हैदराबाद (एजेंसी)। अपनी खोई हुई लय को फिर से हासिल करने वाले मोहम्मद सिराज इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के मौजूदा संस्करण में 'वर्तमान पर ध्यान देना और अपनी गेंदबाजी का 'आनंद लेना' चाहते हैं। सिराज को मेगा नीलामी में गुजरात टाइटन्स ने 12.25 करोड़ रुपए की भारी भरकम रकम में खरीदा था और वह फ्रेंचाइजी की उम्मीदों पर खरे उतर रहे हैं।

आदर्श शुरुआत ना होने और पंजाब किंग्स के खिलाफ अभियान के पहले मैच में 54 रन लुटाए थे और कोई विकेट नहीं लिया था। हालांकि एक बुरे सपने जैसी शुरुआत के बाद सिराज ने अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाया, अपनी तेज गति से गति को बढ़ाया और पारी के सभी चरणों में आसानी से विकेट चटकाए। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ अपने गृहनगर में वापसी करते हुए सिराज ने मैदान पर धूम मचा दी और 100 आईपीएल विकेट लेने के साथ ही टी20 प्रारूप में अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ आंकड़े दर्ज किए।

आईपीएल द्वारा पोस्ट किए गए एक वीडियो में जीटी कप्तान शुभमन गिल के साथ एक स्पष्ट बातचीत में सिराज ने कहा, 'हर दिन, मैं कुछ नया सीखना चाहता हूं। मैं वर्तमान पर ध्यान केंद्रित करना चाहता हूं और अपनी गेंदबाजी का आनंद लेना चाहता हूं।'

सिराज ने रात का अंत 4/17 के आंकड़े के साथ किया जो टी20 में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था और उन्होंने कैश-रिच लीग में 100 विकेट का आंकड़ा पार किया। उनकी रात खास हो गई क्योंकि 31 वर्षीय खिलाड़ी का परिवार 'मियां मैजिक' को पहली बार देखने के लिए कार्यक्रम स्थल पर मौजूद था। सिराज ने कहा, 'जब आप अपने दोस्तों और परिवार के सामने प्रदर्शन करते हैं तो आप उस भावना को शब्दों में बयां नहीं कर सकते। वे केवल एक ही स्थान पर आते हैं, और मैं अभी उस भावना को शब्दों में बयां नहीं कर सकता।'

सिराज के शानदार विकेट पूल में अभिषेक शर्मा, ट्रैविस हेड, अनिकेत वर्मा और सिमरजीत सिंह शामिल थे। उनके अथक स्पेल ने हैदराबाद को 152/8 के औसत स्कोर पर रोक दिया, जिसे जीटी ने बिना किसी परेशानी के हासिल कर लिया और गिल के नाबाद 61 रनों की बदौलत सात विकेट से जीत दर्ज की।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका में मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में भारतीय मूल का जज गिरफ्तार, 10 साल की सजा हो सकती है

फोर्ट बेंड काउंटी, एजेंसी। अमेरिका के टेक्सास राज्य के फोर्ट बेंड काउंटी में भारतीय मूल के अमेरिकी जज ज के.पी. जॉर्ज को मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों में शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया। जॉर्ज पर वायर फ्रॉड और चुनावी फंडिंग रिपोर्ट में गड़बड़ी के आरोप भी लगे हैं। जॉर्ज 2018 से काउंटी जज के पद पर कार्यरत हैं। उन्हें फिलहाल 20 हजार डॉलर की जमानत पर रिहा किया गया है। दोषी पाए जाने पर उन्हें 10 साल की जेल हो सकती है। डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी के मुताबिक, जॉर्ज पर 30 हजार से 1.5 लाख डॉलर की मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप है। जॉर्ज ने सभी आरोपों को राजनीतिक साजिश बताते हुए खारिज किया है।

दक्षिण सूडान के पासपोर्ट धारकों के सभी वीजा रद्द कर रहा अमेरिका: रुबियो

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने शनिवार को कहा कि अमेरिका अब दक्षिण सूडान के पासपोर्ट धारकों के सभी वीजा रद्द कर रहा है। रुबियो ने दक्षिण सूडान की सरकार पर अमेरिका का फायदा उठाने का आरोप लगाया।रुबियो ने एक बयान में कहा, अमेरिका समेत कोई भी देश अगर किसी देश के नागरिकों को अपने यहां से निकालता है, तो उस देश को समय रहते अपने नागरिकों को वापस बुला लेना चाहिए। हालांकि दक्षिण सूडान की सरकार इस नियम का सही ढंग से पालन नहीं कर रही। रुबियो ने कहा किअमेरिका वीजा रद्द करने के अलावा दक्षिण सूडान के पासपोर्ट धारकों को अमेरिका में प्रवेश से रोकने के लिए भविष्य में वीजा जारी करने पर भी रोक लगाएगा।

रूस-यूक्रेन के युद्धबंदियों की रिहाई के लिए संघर्ष, कैदियों की घर वापसी की आस आज भी बरकरार

कीव, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच जारी संघर्ष में सैकड़ो घर तबाह हो गए। हजारों लोगों को हिरासत में ले लिया गया, लेकिन आज भी हजारों यूक्रेनी नागरिकों के घर के दरवाजे और उनरे परिवार के सदस्य उनका इंतजार कर रहे है। ऐसी ही एक घटना है जब लगभग दो साल पहले कोस्टियनटीन जिनोवकिन की मां ने अपने घर का दरवाज़ा खुलने की आवाज़ सुनी, तो उन्हें लगा कि उनका बेटा घर लौट आया है क्योंकि वह कुछ भूल गया था। लेकिन इसके बजाय, कुछ रूसी सैनिक जो बैलेक्लाव पहने हुए थे मेलिटोपोल में उनके अपार्टमेंट में घुस आए। बता दें कि यह शहर दक्षिणी यूक्रेन में है और रूसी सेना द्वारा कब्जा किया गया है। एक छोटे से उल्लंघन में हिरासत में लिए गए जिनोवकिन की जल्दी रिहा होने की उम्मीद थी। इसके बावजूद, जिनोवकिन को रिहा नहीं किया गया। हालांकि लेकिन उनकी पत्नी लिउसिएना ने बताया कि उन्होंने जिनोवकिन के घर की ऐसी तलाशी ली कि घर को अणुओं में तोड़ दिया, क्योंकि मई 2023 में उनकी गिरफ्तारी के कुछ हफ़्तों बाद, रूसी अधिकारियों ने उनकी मां से कहा कि वह एक आतंकवादी हमले की साजिश रच रहे थे। अब उन पर ऐसे आरोप लग रहे हैं, जिनका उनका परिवार विरोध कर रहा है और उन्हें बेतुका मानता है।

अंतरिम सरकार से स्पष्ट चुनावी रोडमैप की मांग, बीएनपी की देशव्यापी विरोध प्रदर्शन की योजना

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) राष्ट्रीय चुनाव के लिए स्पष्ट रोडमैप प्रदान करने में अंतरिम सरकार की नाकामी को उजागर करने के लिए सहयोगियों के साथ देशव्यापी विरोध प्रदर्शन करने पर विचार कर रही है। बांग्लादेशी मीडिया आउटलेट यूएनबी ने शनिवार को बताया कि पार्टी ढाका में बड़े पैमाने पर सार्वजनिक रैली आयोजित करेगी और अंतरिम सरकार को चुनाव की तारीख की घोषणा करने के लिए समय सीमा तय करेगी। रैलियों का सिलसिला मई तक जारी रहेगा। 25 मार्च को राष्ट्र के नाम टेलीविजन संबोधन में यूनुस ने कहा कि चुनाव दिसंबर 2025 और जून 2026 के बीच होंगे। उन्होंने कहा कि सर्वसम्मति आयोग सभी राजनीतिक दलों से सुधारों पर सक्रिय रूप से राय एकत्र कर रहा है। बीएनपी के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि अंतरिम सरकार का कार्यकाल बढ़ाने और चुनाव में देरी करने का जानबूझकर प्रयास किया जा रहा है। पार्टी ने चेतावनी दी कि अगर दिसंबर तक चुनाव नहीं हुए तो लोगों में अस्थिरता और तीव्र आक्रोश पैदा हो सकता है। बीएनपी महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर ने यूनुस के बयान पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा, मैं बहुत निराश हूं कि मुख्य सलाहकार ने 25 मार्च को अपने भाषण में स्पष्ट चुनाव रोडमैप का उल्लेख नहीं किया। मेरा मानना ??है कि चुनाव रोडमैप का अभाव सरकार की राजनीतिक अनुभवहीनता को दर्शाता है। फरवरी में एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए, बीएनपी के कार्यवाहक अध्यक्ष तारिक रहमान ने यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार पर बांग्लादेश में अस्थिरता पैदा करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, पिछले कुछ समय से हम इस बात पर चिंता जता रहे हैं कि सरकार के कुछ अधिकारी लोगों के अधिकारों की बहाली के बारे में विरोधाभासी टिप्पणियां कर रहे हैं। परिणामस्वरूप, विभिन्न क्षेत्रों में अशांति फैल गई है। बांग्लादेश में राजनीतिक संगठनों की बहुचर्चित एकता, जो अगस्त 2024 में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के नेतृत्व वाली लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित अवामी लीग सरकार को हटाने के दौरान पूरी तरह से प्रदर्शित हुई थी, धीरे-धीरे फीकी पड़ रही है।

अमेरिका में ट्रम्प-मस्क के विरोध में 1200 रैलियां निकली : 150 से ज्यादा समूह जुड़े

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में शनिवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और उद्योगपति इलॉन मस्क की पॉलिसी के विरोध में 1200 से ज्यादा रैलियां निकाली गई। इन रैलियों का मकसद सरकारी नौकरी में कटौती, अर्थव्यवस्था, और मानवाधिकार जैसे मुद्दों पर सरकार के फैसलों का विरोध करना था। इस विरोध प्रदर्शन को हैंड्स ऑफ नाम दिया गया है। हैंड्स ऑफ मतलब होता है- हमारे अधिकारों से दूर रहो। इस नारे का मकसद यह जताना है कि प्रदर्शनकारी नहीं चाहते कि उनके अधिकारों पर किसी का नियंत्रण हो।

इस विरोध प्रदर्शन में 150 से अधिक संगठनों ने भाग लिया। इसमें सिविल राइट ऑर्गनाइजेशन, मजदूर संघ, एलजीबीटीक्यू+ वॉलंटियर्स, पूर्व सैनिक और चुनावी कार्यकर्ता शामिल थे। यह प्रोटेस्ट वॉशिंगटन डीसी में नेशनल मॉल, स्टेट कैपिटल और सभी 50 राज्यों में हुआ था।

इलॉन मस्क का दावा- टैक्सपेयर्स के पैसे बचाने के लिए सरकारी नौकरियों में कटौती : इलॉन मस्क अमेरिका की ट्रम्प सरकार में डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी के प्रमुख हैं। उनका दावा है कि सरकारी तंत्र को छोटा करने से टैक्सपेयर्स के अरबों डॉलर बचेंगे। वहीं व्हाइट हाउस ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रम्प सोशल सिक्योरिटी, मेडिकेयर योजनाओं के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। लेकिन डेमोक्रेट्स इन योजनाओं का लाभ अवैध अप्रवासियों को दिलाना चाहते हैं।

वॉशिंगटन के नेशनल मॉल पर निकाली गई रैली में बाइक टूर गाइड डायने कोलिफ्रैथ ने कहा कि हमारे साथ 100 लोग हैं जो न्यू हैम्पशायर से बस और वैन से ट्रंप प्रशासन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने आए हैं। हमें दुनियाभर में अपने सहयोगियों को खोना पड़ रहा है। यहां तबाही मची हुई है। वो हमारी सरकार को खत्म कर रहा है।

लॉस एंजिलिस में एक महिला ने झंडा लहराया। इस पर लिखा था कि मेरे गर्भाशय से बाहर निकल जाओ। महिला ने ट्रंप की गर्भपात विरोधी नीतियों के खिलाफ आवाज उठाई। कोलोराडो के डेनवर में लोगों पे कहा कि अमेरिका के लिए कोई राजा नहीं। लंदन में निकाली रैली में अमेरिकी-ब्रिटिश नागरिकता वाली लिज चैंबरलिन ने कहा कि अमेरिका में जो कुछ हो रहा है, वह हर किसी की समस्या है। यह आर्थिक पागलपन है। वह हमें वैश्विक मंदी की ओर धकेलने जा रहा है। बर्लिन में सेवानिवृत्त सुसैन फेस्ट ने कहा कि ट्रंप ने सांविधानिक संकट पैदा कर दिया है। वह आदमी पागल है।

देश में 150 से ज्यादा समूहों ने 1,200 से अधिक प्रदर्शन आयोजित किए। इस प्रदर्शन का नाम हैंड्स ऑफ रखा गया था। इनमें नागरिक अधिकार संगठनों, श्रमिक संघों, एलजीबीटीक्यू+ समर्थकों, पूर्व सैनिकों और चुनाव कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। हैंड्स ऑफ मतलब होता है- हमारे अधिकारों से दूर रहो। इस नारे का मकसद यह जताना है कि प्रदर्शनकारी नहीं चाहते कि उनके अधिकारों पर किसी का नियंत्रण हो। प्रदर्शनकारी डोमिनिक सैंटेला ने कहा कि हम फासीवाद को रोकने के लिए आए हैं। हम एक नेता को उसके विरोधियों को जेल में डालने से रोक रहे हैं, उसे किसी भी तरह के लोगों, अप्रवासियों को जेल में डालने से रोक रहे हैं।

हम ऐसा तानाशाह नहीं चाहिए : वॉशिंगटन के नेशनल मॉल में हुई रैली में डेमोक्रेट नेता जेमी रस्किन ने कहा कि कोई भी व्यक्ति ऐसा तानाशाह नहीं चाहेगा जो अर्थव्यवस्था को तहस-नहस कर दे, जो हर चीज की कीमत जानता हो और किसी चीज का महत्व नहीं जानता हो। कार्यकर्ता ग्रेलन हैगलर ने भी कहा कि उन्होंने एक सोये हुए दानव को जगा दिया है और उन्होंने अभी तक कुछ भी नहीं देखा है। हम बैठेंगे नहीं, हम चुप नहीं रहेंगे और हम चले नहीं जायेंगे।

अमेरिका में प्रोडक्शन बढ़ाने के लिए ट्रम्प ने रेसिप्रोकल टैक्स लगाया : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 2 अप्रैल को दूसरे देशों पर लगाया जाने वाला रेसिप्रोकल टैक्स का ऐलान किया था। इसमें भारत पर 26 प्रतिशत टैरिफ लगाए जाने की घोषणा की। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारत बहुत सख्त है। मोदी मेरे अच्छे दोस्त हैं, लेकिन हमारे साथ सही व्यवहार नहीं कर रहे हैं। भारत के अलावा चीन पर 34प्रतिशत, यूरोपीय यूनियन पर 20प्रतिशत, साउथ कोरिया पर 25प्रतिशत, जापान पर 24प्रतिशत, वियतनाम पर 46प्रतिशत और ताइवान पर 32प्रतिशत टैरिफ लगेगा। अमेरिका ने करीब 60 देशों पर उनके टैरिफ की तुलना में आधा टैरिफ लगाने का फैसला किया है।

बांग्लादेश में राजनीतिक दमन का दौर, अवामी लीग का एक और नेता गिरफ्तार

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में राजनीतिक असंतोष के निरंतर दमन को उजागर करने वाली एक और घटना में, अवामी लीग पार्टी के एक नेता को शनिवार की सुबह हिरासत में लिया गया। पुलिस ने बाद में मेहरपुर जिले के अवामी लीग के महासचिव एम ए खालेक की गिरफ्तारी की पुष्टि की। खालेक गंगनी उपजिला परिषद के पूर्व अध्यक्ष भी हैं। हालांकि, पुलिस ने उनकी गिरफ्तारी के विशिष्ट कारणों का खुलासा नहीं किया। बांग्लादेश के प्रमुख समाचार पत्र द डेली स्टार के मुताबिक, खालेक को पिछले साल जुलाई में हुए विद्रोह से जुड़े एक मामले में रैपिड एक्शन बटालियन बल ने गिरफ्तार किया। बाद में उन्हें जमानत दे दी गई।खालेक को शेख हसीना के नेतृत्व में आवामी लीग सरकार के पतन के बाद सभी आधिकारिक पदों से हटा दिया गया। अगस्त 2024 में सत्ता संभालने के बाद से, अंतरिम सरकार ने अवामी लीग के नेताओं पर क्रूर कार्रवाई की, जिनमें से अधिकांश का आधार बेहद कमजोर था। पिछले महीने, तंगेल-5 निर्वाचन क्षेत्र के एक पूर्व विधायक सहित अवामी लीग के तीन नेताओं को राजधानी के भटारा क्षेत्र में जुलाई में हुए छात्र आंदोलन पर कथित हमले के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया। इस सप्ताह के शुरू में, सात लोगों को गिरफ्तार किया गया क्योंकि पुलिस को शक था कि वे अवामी लीग और उसके सहयोगी संगठनों के समर्थक हैं। आरोपियों ने सिलहट में पार्टी की स्टूडेंट विंग छात्र लीग के पक्ष में जुलूस निकाला था। अवामी लीग के सदस्यों पर हुए एक और हमले में, पूर्व मेयर अनवरुज्जमां चौधरी और पूर्व सांसद शफीउल आलम चौधरी नादेल के आवासों पर बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के छात्र दल के बैनर तले भीड़ ने हमला किया और तोड़फोड़ की।

ट्रंप के ट्रेड वॉर के बीच देश को संबोधित करेंगे ब्रिटेन के प्रधानमंत्री

लंदन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ और अमेरिका फर्स्ट नीति जैसे कदमों के बाद अब ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर 7 अप्रैल को एक संबोधन देने वाले हैं। बताया जा रहा है कि ब्रिटिश पीएम घोषणा करेंगे कि वैश्वीकरण का युग समाप्त हो चुका है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री यह घोषणा करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं कि 1991 में सोवियत संघ के पतन के साथ ही वैश्वीकरण की शुरुआत हुई थी। ट्रंप के अभूतपूर्व 10 प्रतिशत बेसलाइन टैरिफ ने वैश्विक बाजारों को अनिश्चितता में धकेल दिया है, टाइम्स ने रिपोर्ट किया।

टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, स्टारमर से यह भी स्वीकार करने की उम्मीद है कि वह अपने अमेरिकी समकक्ष के आर्थिक राष्ट्रवाद पर ध्यान केंद्रित करने को समझते हैं। ब्रिटेन के एक वरिष्ठ अधिकारी का हवाला देते हुए आउटलेट ने बताया कि हालांकि स्टारमर प्रशासन ट्रम्प के उपायों से सहमत नहीं है। स्टारमर ने कहा कि वैश्वीकरण बहुत से कामकाजी लोगों के लिए काम नहीं करता। हम नहीं मानते कि व्यापार युद्ध इसका जवाब है। यह दिखाने का एक मौका है कि एक अलग रास्ता भी है। द टाइम्स के अनुसार, जैसा कि ट्रम्प व्यापार बाधाओं को हटाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। स्टार्मर ने स्वीकार किया है कि इसके परिणामस्वरूप प्रतिस्पर्धा बढ़ने से देश उत्पादकता बढ़ाने और आपूर्ति पक्ष सुधारों के माध्यम से घरेलू उत्पादन को बढ़ाने के लिए अपने अंदर की ओर देखेंगे।

ऑपरेशन ब्रह्मा : भारत ने भूकंप प्रभावित म्यांमार को 442 टन खाद्य सहायता पहुंचाई

यांगून, एजेंसी। भूकंप से तबाह म्यांमार को मानवीय सहायता जारी रखते हुए भारत ने शनिवार को चल रहे ऑपरेशन ब्रह्मा के तहत अतिरिक्त 442 टन खाद्य सहायता पहुंचाई। राहत सामग्री लेकर भारतीय नौसेना का जहाज घड़ियाल म्यांमार के थिलावा बंदरगाह पहुंचा। म्यांमार में भारतीय राजदूत अभय ठाकुर ने इसे औपचारिक रूप से यंगून के मुख्यमंत्री यू सोई थीन और उनकी टीम को सौंप दिया।

यंगून में भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया, प्रभावित लोगों की जरूरतों को पूरा कर रहे हैं। भारतीय नौसेना के लैंडिंग शिप टैंक आईएनएस घड़ियाल द्वारा लाई गई खाद्य सहायता (चावल, खाना पकाने का तेल, नूडल्स और बिस्कुट) की एक बड़ी खेप शनिवार को थिलावा बंदरगाह पर पहुंची। राजदूत अभय ठाकुर ने इसे यंगून के सीएम यू सोई थीन और उनकी टीम को सौंप दिया। भारत ने 28 मार्च को म्यांमार में आए विनाशकारी 7.7 तीव्रता के भूकंप के बाद खोज और बचाव (एसएआर), मानवीय सहायता, आपदा राहत और चिकित्सा सहायता सहित आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए ऑपरेशन ब्रह्मा शुरू किया।

अपने पड़ोस में संकट के समय फर्स्ट रिस्पांडर के रूप में कार्य करते हुए, भारत ने 1 अप्रैल तक 625 टन मानवीय सहायता और आपदा राहत (एचएडीआर) सामग्री पहुंचाने के लिए छह विमान और पांच नौसैनिक जहाज भेजे थे। पीएम मोदी ने शुक्रवार को बैंकॉक में बिम्सटेक शिखर सम्मेलन के दौरान म्यांमार के प्रधानमंत्री और राज्य प्रशासन परिषद के अध्यक्ष वरिष्ठ जनरल मिन आंग ह्लाइंग से मुलाकात की और देश में आए विनाशकारी भूकंप के बाद की स्थिति पर चर्चा की। वरिष्ठ जनरल ने मानवीय सहायता, आपदा राहत और चिकित्सा सहायता प्रदान करने के लिए ऑपरेशन ब्रह्मा के तहत भारत द्वारा किए जा रहे प्रयासों के लिए आभार व्यक्त किया।प्रधानमंत्री ने संदेश दिया कि संकट के इस समय में भारत म्यांमार के साथ खड़ा है और जरूरत पड़ने पर और अधिक भौतिक सहायता और संसाधन तैनात करने के लिए तैयार है। पीएम मोदी ने समावेशी और विश्वसनीय चुनावों के माध्यम से लोकतांत्रिक प्रक्रिया की जल्द बहाली के महत्व को भी रेखांकित किया था।

अमेरिका भारी बारिश से बाढ़ के हालात, अब तक 16 की मौत

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के दक्षिणी और मध्य-पश्चिमी राज्यों में भारी बारिश और टॉर्नेडो ने तबाही मचा दी है। अब तक 16 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें से 10 मौतें टेनेसी में हुई हैं। बीते कई दिनों से लगातार हो रही बारिश की वजह से टेक्सास से ओहायो तक के इलाकों में बाढ़ जैसे हालात हैं। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि कुछ जगहों पर नदियों का जलस्तर आने वाले दिनों में और बढ़ सकता है। मिसौरी, केंटकी और आर्कनसॉ में भी मौतों की खबर है। मिसौरी में एक व्यक्ति बहते वाहन से बाहर निकलने के बाद डूब गया। केंटकी में 9 साल का बच्चा और 74 वर्षीय बुजुर्ग की मौत हुई, जबकि आर्कनसॉ में 5 साल के बच्चे की जान गई। इस हफ्ते की शुरुआत में आए टॉर्नेडो कई रिहायशी इलाकों को पूरी तरह तबाह कर चुके हैं और इनमें कम से कम 7 मौतें हुई हैं।

तूफान की शुरुआत के बाद से अब तक कम से कम 16 लोगों की मौत हुई है। इसमें टेनेसी में 10 लोगों को जान गंवानी पड़ी। बाढ़ ने केंटकी में दो लोगों की जान ले ली। एक नौ वर्षीय लड़का स्कूल जाते समय बह गया और एक 74 वर्षीय वृद्ध का शव शनिवार को नेल्सन काउंटी में डूबे वाहन के अंदर मिला।

पुलिस के मुताबिक, शनिवार को अर्कांसस के लिटिल रॉक में एक घर में पांच वर्षीय एक बच्चे की मौत हो गई। सप्ताह की शुरुआत में आए बवंडर ने पूरे इलाके को नष्ट कर दिया। तब सात लोगों की मौत हुई थी। इसके अलावा मौसम के चलते अंतरराज्यीय वाणिज्य प्रभावित हुआ है। लुइसविले, केंटकी और मेम्फिस में प्रमुख कार्गो केंद्रों वाले कॉरिडोर में बाढ़ से शिपिंग और आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित हुई है। लुइसविले के मेयर क्रेग ग्रीनबर्ग ने कहा कि ओहायो नदी 24 घंटे में 5 फीट (करीब 1.5 मीटर) बढ़ गई है। यह कई दिनों तक बढ़ती रहेगी। हमें उम्मीद है कि यह लुइसविले के इतिहास में सबसे बड़ी 10 बाढ़ की घटनाओं में से एक होगी।

सीनेट में रिकॉर्ड 25 घंटे भाषण के बाद पहले सार्वजनिक कार्यक्रम में पहुंचे बुकर, ट्रंप की नीतियों को घेरा

न्यू जर्सी, एजेंसी। डेमोक्रेटिक सीनेटर कोरी बुकर ने शनिवार को सीनेट में दिए अपने भाषण का एक अंश न्यू जर्सी के एक जिम में आयोजित टाउन हॉल बैठक में पेश किया। बुकर ने लोगों से यह पता लगाने का आह्वान किया कि वे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को उनके एजेंटे से पीछे हटाने के लिए क्या कर सकते हैं।

बुकर ने न्यू जर्सी के बर्गन कम्युनिटी कॉलेज में सवालों का जवाब दिया, जब देशभर में 1,200 से अधिक हैंड्स ऑफ प्रदर्शन आयोजित किए गए थे। कोरी-कोरी के नारेबाजी ने इस टाउन हॉल कार्यक्रम में कई बार व्यवधान भी डाला। यह बुकर का अपने गृह राज्य में इस सप्ताह के अपने भाषण के बाद पहला व्यक्तिगत कार्यक्रम था। उन्होंने ट्रंप की नीतियों के खिलाफ 25 घंटे और 5 मिनट तक सीनेट फ्लोर पर भाषण दिया था। उन्होंने 1957 के नागरिक अधिकार अधिनियम के खिलाफ सीनेटर स्ट्रॉम थर्मंड द्वारा दिए गए सबसे लंबे भाषण का रिकॉर्ड तोड़ा।

हर सवाल करने वाले ने उनसे यह पूछा कि वे राष्ट्रपति की नीतियों के खिलाफ अपनी चिंता और असहमति को कैसे व्यक्त कर सकते हैं। बुकर ने उन्हें बताया कि इसके लिए बस थोड़ी और मेहनत करनी पड़ेगी, जैसे क्या वे वाशिंगटन जाकर बजट कटौती के खिलाफ आवाज उठा सकते हैं? सबसे जोरदार तालियों की गड़गड़ाहत तब सुनाई दी जब उन्होंने एक महिला के सवाल का जवाब दिया। महिला ने कहा था कि वह स्वास्थ्य कार्यक्रम में संभावित कटौती को लेक चिंतित हैं, जो उनके ऑटिज्म से पीड़ित बेटे पर असर डाल सकती है।

बुकर ने कहा, ऐसी सभा का मतलब यह नहीं है कि हम अपनी सक्रियता यहीं खत्म कर दें। यह अमेरिका में एक ऐसा पल होना चाहिए, जब हम सभी खुद से यह सवाल करें कि मैं और क्या कर सकता हूं? बुकर ने कहा कि जो सवाल लोग उनसे पूछ रहे थे, वही सवाल चुनावों के बाद डेमोक्रेटिक पार्टी के दूसरे नेताओं से भी पूछे जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह डेमोक्रेटिक पार्टी पर ज्यादा ध्यान नहीं देंगे, क्योंकि पार्टी को 2024 में हार के बाद सही दिशा नहीं मिल रही है।

म्यांमार में भूकंप पीड़ितों की मदद कर रहे यूएसएआईडी कर्मचारियों को नौकरी से निकाला, रिपोर्ट में दावा

वॉशिंगटन, एजेंसी। म्यांमार में राहत और बचाव कार्यों में लगी यूएसएआईडी की एक टीम को नौकरी से निकालने का मामला सामने आया है। यूएसएआईडी की एक पूर्व वरिष्ठ अधिकारी ने यह दावा किया है। गौरतलब है कि ट्रंप सरकार लगातार संघीय सरकार के खर्च में कटौती के लिए कर्मचारियों की बड़े पैमाने पर कटौती कर रही है। इसी के तहत यूएसएआईडी में भी हजारों की संख्या में कर्मचारियों की छंटनी की गई है और अभी भी जारी है।

पूर्व वरिष्ठ अधिकारी ने उठाए सवाल : मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यूएसएआईडी की टीम के साथ म्यांमार में राहत कार्यों में जुटे तीन कर्मचारियों को नौकरी से निकालने का आदेश दिया गया है। एजेंसी की पूर्व वरिष्ठ अधिकारी मार्सिया वॉन्ग ने इस पर कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि जब टीम के लोग बेहद मुश्किल हालात में काम कर रहे हैं और मानवीय मदद में जुटे हैं तो उन्हें नौकरी से निकाले जाने की खबर क्या उनका मनोबल नहीं तोड़ेगी? ट्रंप प्रशासन ने म्यांमार की मदद के लिए 90 लाख डॉलर की मदद देने का एलान किया है, लेकिन यूएसएआईडी के बजट में भारी कटौती करने और कर्मचारियों की छंटनी से एजेंसी के राहत और बचाव कार्यों में काफी अड़चन आ रही है। वहीं चीन, भारत, रूस और अन्य देश तेजी से म्यांमार की मदद कर रहे हैं।

अमेरिका में बड़े पैमाने पर हो रही छंटनी : राष्ट्रपति पद संभालते ही ट्रंप ने संघीय सरकार के खर्च में कटौती शुरू कर दी थी। इसके लिए गठित सरकारी दक्षता विभाग एलन मस्क के नेतृत्व में बड़े पैमाने पर संघीय कर्मचारियों की छंटनी कर रहा है।

इसका सबसे बड़ा खामियाजा विदेशों में मदद करने वाली एजेंसी यूएसएआईडी को उठाना पड़ रहा है। वॉन्ग ने बताया कि यूएसएआईडी के कर्मचारी भूकंप जोन में काम कर रहे हैं और खुले में सड़कों पर सो रहे हैं।

विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने शुक्रवार को इस आलोचना को खारिज कर दिया कि अमेरिका, भूकंप प्रभावित म्यांमार में तेजी से काम नहीं कर पा रहा है क्योंकि यूएसएआईडी को खत्म कर दिया गया था। रूबियो ने कहा कि म्यांमार काम करने के लिए सबसे आसान जगह नहीं है। उन्होंने कहा कि म्यांमार की सैन्य सरकार अमेरिका को पसंद नहीं करती है और उसे देश में अपनी इच्छानुसार काम करने से रोकती है। रूबियो ने कहा कि अमेरिका अब दुनिया का शीर्ष मानवीय दाता नहीं रहेगा, तथा उन्होंने अन्य धनी देशों से म्यांमार की सहायता के लिए आगे आने का आह्वान किया।

‘ऑपरेशन ब्रह्मा’ के तहत म्यांमार के भूकंप पीड़ितों के लिए 405 टन चावल लेकर पहुंचा नौसेना का जहाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। भूकंप से प्रभावित म्यांमार की सहायता के लिए भारत सरकार के ‘ऑपरेशन ब्रह्मा’ के तहत 405 टन चावल सहित 442 टन राहत सामग्री की एक नई खेप लेकर नौसेना का जहाज म्यांमार के शहर यांगून पहुंच चुका है। रविवार को इस विषय में जानकारी देते हुए नौसेना ने बताया कि नौसेनिक जहाज ‘आईएनएस घड़ियाल’ 405 टन चावल सहित 442 टन राहत सामग्री के साथ 5 अप्रैल को यांगून पहुंचा है। यह राहत सामग्री भारत के राजदूत अभय ठाकुर ने यांगून क्षेत्र के मुख्यमंत्री यू सोई थीन को सौंपी है। म्यांमार में प्रभावित लोगों को सहायता प्रदान करने के लिए नौसेना ने अभी तक 512 टन से अधिक राहत सामग्री पहुंचाई है। हिंद महासागर क्षेत्र में प्रथम प्रक्रिया कर्ता के रूप में, भारतीय नौसेना के जहाजों द्वारा बड़े पैमाने पर राहत सामग्री पहुंचाना, म्यांमार में प्रभावित लोगों को सहायता प्रदान करने के लिए भारतीय नौसेना के दृढ़ संकल्प का प्रमाण है। गौरतलब है कि म्यांमार में 28 मार्च को विनाशकारी भूकंप आया था। इसके बाद से भारत सरकार ने म्यांमार के लोगों की मदद के लिए ऑपरेशन ब्रह्मा शुरू किया। ऑपरेशन ब्रह्मा के अंतर्गत एक अप्रैल को नौसेना के जहाज घड़ियाल को चावल, खाद्य तेल और दवाओं सहित करीब 442 टन राहत सामग्री के साथ म्यांमार के लिए रवाना किया गया था।

बीजेपी सांसद का दावा कोलकाता में रामनवमी जुलूस पर हुआ हमला, ममता सरकार को घेरा

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता के पार्क सर्कस इलाके में रामनवमी के जुलूस के दौरान कथित रूप से हमला हुआ है। इस हमले में कुछ वाहनों को नुकसान पहुंचाया गया और कारों के शीशे तोड़े गए। रामनवमी जुलूस पर हमला का दावा कर रहे बीजेपी सांसद ने सीधे तौर पर इस हमले के लिए राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की सरकार को जिम्मेदार ठहराया है। बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष और सांसद सुकांत मजूमदार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो साझा करते हुए लिखा है, कि शोभायात्रा से लौटते वक्त भगवा झंडा ले जाने के कारण हिंदुओं पर हमला किया गया। वाहनों पर पत्थर बरसाए गए, विंडशील्ड तोड़ दिए गए। यह एक सुनियोजित और लक्षित हिंसा थी। उन्होंने आगे लिखा, रामनवमी पर एकजुट हुए बंगाली हिंदुओं की आवाज से ममता सरकार डर गई है। पार्क सर्कस में हुआ यह हमला साबित करता है कि राज्य में कानून-व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं है। लेकिन यह तो बस शुरुआत है, अगले साल इससे भी बड़ा और भव्य जुलूस यहीं से निकलेगा।

पुलिस ने हमले का किया खंडन

बीजेपी सांसद के इन आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए कोलकाता पुलिस ने सोशल मीडिया पर बयान जारी किया है। पुलिस का कहना है कि पार्क सर्कस इलाके में कथित घटना के संबंध में यह स्पष्ट किया जाता है कि वहां किसी भी धार्मिक जुलूस के लिए अनुमति नहीं ली गई थी, और न ही ऐसी कोई गतिविधि दर्ज हुई है। एक वाहन को नुकसान पहुंचने की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने तुरंत कार्रवाई कर स्थिति नियंत्रित की। मामले की जांच जारी है और लोगों से अफवाहों से दूर रहने की अपील की जाती है।

38 फ़ीसदी पैकेज फूड में फंगस, 341 जिलों में सर्वे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में बिक रहे पैकेज फुड के सर्वे में 38 फ़ीसदी पैकेज्ड फूड में फंगस पाया गया है।सर्वे के दौरान जांच में पैकेज फुड में कीड़े फंगस और अन्य गंदगी पाई गई है।जिन पैकेजड फुड की जांच की गई है। उसमें आइसक्रीम, जूस,इंस्टेंट नूडल्स, ब्रेड, आटा और स्नैक्स शामिल हैं। विश्व स्वास्थ्य दिवस के पहले स्थानीय स्तर पर जो सर्वे कराया गया है। उसमें ब्रांडेड पैकेज फूड मे लगभग 38 फ़ीसदी उत्पादों में फंगस देखने को मिला है।यह सर्वे भारत के 341 जिलों में कराया गया है। 40000 से ज्यादा उपभोक्ताओं को इस सर्वे में शामिल किया गया।इनमें 62 फ़ीसदी पुरुष और 38 फ़ीसदी महिलाएं थी। सर्वे में शामिल 88 फ़ीसदी उपभोक्ताओं ने स्वीकार किया है।राज्य खाद्य विभाग को पूरे सप्लाई चैन सिस्टम की ऑडिट और निगरानी बढ़नी चाहिए। सर्वे रिपोर्ट में कहा गया है। कीड़े या फंगस युक्त फूड खाने से फ़ूड प्वाइजनिंग, एलर्जी, संक्रमण और पाचन संबंधी कई समस्याओं से उपभोक्ताओं को जूझना पड़ रहा है। सर्वे में शामिल 59 फीसदी लोगों का कहना था।वह धीरे-धीरे पैकेज्ड फूड से दूरी बना रहे हैं।यह स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है।

नौकरी मामले में सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद बीजेपी ने ममता से मांगा इस्तीफा

कोलकाता, (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी और बीजेपी विधायकों ने ममता सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद एसएससी शिक्षकों की नौकरी जाने के बाद वे सीएम ममता बनर्जी के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। अधिकारी ने कहा कि ममता को जेल जाना चाहिए। वह मुख्य लाभार्थी हैं। उनके भतीजे ने 700 करोड़ रुपए की रिश्वत ली है। उन्होंने दावा किया कि पश्चिम बंगाल सरकार और सीएम ममता उन 26000 लोगों के लिए जिम्मेदार हैं, जिन्होंने सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद अपनी नौकरी खो दी है। उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी की इसमें बड़ी भूमिका है।इससे पहले अधिकारी ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश के कारण नौकरी गंवाने वाले कुछ शिक्षकों से मुलाकात की थी और उन्हें कानूनी सहायता देने का वादा किया था।उन्होंने आरोप लगाया कि 2016 की भर्ती परीक्षा के इन ‘बेदाग’ योग्य उम्मीदवारों के सामने आई स्थिति के लिए पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी जिम्मेदार हैं। सुप्रीम कोर्ट द्वारा 2016 की भर्ती प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर अनियमितताएं पाए जाने और पूरे पैनल को रद्द करने के बाद राज्य द्वारा संचालित और सहायता प्राप्त स्कूलों के 25 हजार से ज्यादा शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों को अपनी नौकरी से हाथ धोना पड़ा है। बीजेपी विधायक ने कहा कि आज वह कई शिक्षकों से मिले जिनमें कई महिलाएं भी शामिल थीं। वे सभी दुखी हैं। मैंने उनसे कहा कि कानून आपके पक्ष में है। सत्य आपके पक्ष में है। हम आपको कानूनी सहायता देंगे।

किरेन रिजिजू ने सीएम उमर अब्दुल्ला के साथ ट्यूलिप गार्डन की सैर की, भड़क गईं महबूबा मुफ्ती

श्रीनगर (एजेंसी)। केंद्रीय संसदीय कार्य एवं अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू और जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सोमवार को श्रीनगर के खूबसूरत ट्यूलिप गार्डन में एक साथ शांतिपूर्ण सुबह की सैर का आनंद लिया। केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के अध्यक्ष डॉ. फारूक अब्दुल्ला से भी मुलाकात की। सोशल मीडिया पर किरेन रिजिजू ने लिखा, ‘श्रीनगर, जम्मू और कश्मीर में ट्यूलिप गार्डन के जीवंत रंगों के बीच माननीय सीएम उमर अब्दुल्ला जी के साथ एक ताज़ा सुबह की सैर और डॉ फारूक अब्दुल्ला साहब से मिलकर भी खुशी हुई।’

रिजिजू ने अपने अनुभव साझा किए, जिसमें उन्होंने आश्चर्यजनक प्राकृतिक परिवेश और उनके बीच हुई सार्थक बातचीत का वर्णन किया, जिसने इसे एक यादगार और विशेष सुबह बना दिया। पोस्ट में लिखा है, ‘प्रकृति अपने सबसे बेहतरीन रूप में है और गर्मजोशी और दूरदर्शिता से भरी बातचीत, यह वास्तव में एक विशेष सुबह है।’ हालांकि, इसको लेकर पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती भड़क गई हैं। उन्होंने कहा कि आज जो कुछ हुआ, उससे मैं बहुत दुखी हूँ। कश्मीर के लोगों ने आज जो कुछ देखा, वह बहुत दर्दनाक है। मुजफ्फरनगर में नमाज के दौरान काली पट्टी बांधने पर मुसलमानों पर 2 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। आज देश में मुसलमानों की यही हालत है।

पूर्व सीएम ने कहा कि एनआरसी लाने के बाद मुसलमानों को यह साबित करना पड़ेगा कि वे देश के मूल निवासी हैं, अब उन्हें अपनी कब्रों के बारे में भी साबित करना होगा। वक्फ की संपत्तियां मुसलमानों के लिए एक सहारा थीं, अब उन्हें भी छीना जा रहा है। हमें जम्मू-कश्मीर सरकार से उम्मीद थी कि वे इसका मुखर विरोध करेंगे और फिर इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाएंगे। उन्होंने कहा कि फारूक अब्दुल्ला जो देश के प्रमुख नेताओं में से हैं, वे सभी नेताओं को विरोध के लिए बुला सकते थे, हम भी शामिल होते, लेकिन आज क्या हुआ? हमने उनके बेटे, जम्मू-कश्मीर के सीएम को ट्यूलिप गार्डन में उस मंत्री (किरेन रिजिजू) के साथ घूमते देखा, जिन्होंने देश के मुसलमानों की गर्दन पर तलवार लटकाने का काम किया।

श्रीनगर में ट्यूलिप गार्डन एशिया का सबसे बड़ा ट्यूलिप गार्डन है, जो करीब 30 हेक्टेयर क्षेत्र में फैला हुआ है। यह ज़बरवान रेंज की तलहटी में स्थित है, जहाँ से डल झील का नज़ारा दिखाई देता है। इस गार्डन को 2007 में कश्मीर घाटी में फूलों की खेती और पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से खोला गया था। ट्यूलिप फेस्टिवल एक वार्षिक उत्सव है जिसका उद्देश्य बगीचे में फूलों की विविधता को प्रदर्शित करना है। इससे पहले, जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने केंद्रीय संसदीय मामलों और अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू के साथ श्रीनगर में लोक संवर्धन पर्व का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम में क्षेत्रीय चुनौतियों को संबोधित करते हुए जम्मू-कश्मीर की सांस्कृतिक विविधता और कलात्मक विरासत का जश्न मनाया गया।

देर रात लगातार तीन धमाकों से दहला बटाला, हैप्पी पशियां ग्रुप ने ली जिम्मेदारी

बटाला। पंजाब के बटाला जिले के थाना किला लाल सिंह के पास रविवार देर रात करीब 12:35 बजे लगातार तीन तेज धमाकों की आवाजें सुनाई दीं। धमाकों की गूंज इतनी तीव्र थी कि इलाके में सो रहे लोग घबराकर उठ गए। पूरे क्षेत्र में भय और तनाव का माहौल बन गया है। जानकारी के अनुसार फिलहाल इन धमाकों से क्या जान-माल को नुक्सान हुआ है, इसकी कोई सूचना नहीं है। वहीं दूसरी तरफ धमाकों की सूचना मिलते ही डीएसपी फतेहगढ़ चूड़ियां विपन कुमार और थाना प्रभारी प्रभजोत सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और जांच शुरू कर दी है। थाने के एसएचओ प्रभजोत सिंह के अनुसार, धमाकों के बाद थाने में तैनात पुलिसकर्मी तुरंत सतर्क हो गए और बाहर निकलकर जांच की, लेकिन वहां कोई संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक सामग्री नहीं मिली। हालांकि, देर रात हुए धमाकों की जिम्मेदारी सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के माध्यम से हैप्पी पशियां ग्रुप ने ली है। पोस्ट में हैप्पी पशियां, मनु अगवान, और गोपी नवांशहरिया ने हमले की जिम्मेदारी लेते हुए लिखा कि यह हमला पुलिस द्वारा पीलीभीत और बटाला में मुठभेड़ में मारे गए उनके साथियों की मौत का बदला है। फिलहाल पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच तेज कर दी है और इलाके की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। पूरे घटनाक्रम को लेकर उच्चाधिकारियों को सूचित कर दिया गया है। साथ ही पुलिस सोशल मीडिया पोस्ट की भी जांच कर रही है ताकि दोषियों तक जल्द पहुंचा जा सके।

भारत माता की जय कहने वाले मुसलमानों का संघ की शाखा में स्वागत है: मोहन भागवत

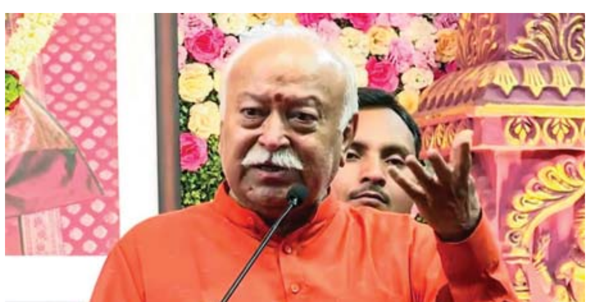

मुंबई (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने कहा है कि आरएसएस शाखा में हर किसी का स्वागत है बशर्ते व्यक्ति खुद को भारतीय मानता हो और भारत माता के प्रति सम्मान रखता हो। उन्होंने कहा कि शाखाएं उन सभी का स्वागत करेंगी जो ‘भारत माता की जय’’ नारे और ‘भगवा झंडा’ का सम्मान करते हैं। हम आपको बता दें कि मोहन भागवत इस समय वाराणसी के दौरे पर हैं। संघ प्रमुख वाराणसी शहर के मलदहिया के लाजपत नगर पार्क में आरएसएस की शाखा में शामिल होने पहुंचे। स्वयंसेवकों ने उनसे सवाल पूछा कि क्या वह अपने मुस्लिम पड़ोसियों को भी शाखा ला सकते हैं? इसका जवाब देते हुए आरएसएस प्रमुख ने कहा कि जो कोई भी भारत माता की जय कहता है, उसका देश भर की शाखाओं में स्वागत है। हालांकि, उन्होंने कहा कि शाखा उन लोगों के लिए नहीं है जो खुद को औरंगजेब का वंशज मानते हैं। उन्होंने कहा कि शाखा में जाति, धर्म या भाषा के आधार पर भेदभाव नहीं किया जाता।

संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि भारतीयों की धार्मिक प्रथाएं भले ही अलग-अलग हों, लेकिन उनकी संस्कृति एक ही है। उन्होंने कहा कि भारत में सभी धर्मों, संप्रदायों और जातियों के लोगों का शाखाओं में स्वागत है। हम आपको यह भी बता दें कि लाजपत नगर में आयोजित कार्यक्रमों में हिस्सा लेने से पहले भागवत ने शनिवार शाम को काशी के वैदिक विद्वानों के साथ बैठक की, जिसमें उन्होंने भारत को विश्व गुरु बनाने के लक्ष्य को हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत करने का आह्वान किया।

उल्लेखनीय है कि देशभर में प्रतिदिन लगने वाली संघ की शाखाओं में विभिन्न आयु वर्ग के स्वयंसेवक एकत्र होते हैं। इस दौरान आरएसएस का ध्वज फहराया जाता है, प्रार्थना गीत गाया जाता है और शारीरिक व्यायाम आदि किये जाते हैं तथा बाद में चर्चा सत्र भी होता है।

वक्फ कानून जम्मू-कश्मीर विस से संबंधित मुद्दा नहीं, इसलिए चर्चा की जरुरत नहीं: सुधांशु

नई दिल्ली (एजेंसी)। नए वक्फ कानून को लेकर जम्मू-कश्मीर विधानसभा में हुए हंगामे पर बीजेपी सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि वक्फ बिल संवैधानिक रूप से स्थापित प्रक्रिया के तहत पारित हुआ है, लेकिन कुछ राज्य सरकारें हैं जो इसका विरोध कर रही हैं, चाहे वह तमिलनाडु सरकार हो या जम्मू-कश्मीर सरकार। इससे साफ पता चलता है कि उनके मन में संविधान के प्रति घोर अवमानना है। क्योंकि संविधान के मुताबिक कोई भी राज्य सरकार भारत की संसद द्वारा पारित किसी भी कानून का विरोध नहीं कर सकती है और जिस तरह के दृश्य जम्मू-कश्मीर विधानसभा में देखने को मिले अगर वह इसकी धज्जियां उड़ा रहे हैं, तो इसका मतलब है कि ये वे लोग हैं जिनके हाथों में संविधान खतरे में है।

बीजेपी विधायक शगुन परिहार ने कहा कि यह वक्फ कानून संसद में पारित हो चुका है और चूंकि यह जम्मू-कश्मीर विधानसभा से संबंधित मुद्दा नहीं है, इसलिए इस पर चर्चा करने की कोई जरुरत ही नहीं है। तो नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस विधायक काले झंडे क्यों दिखा रहे हैं, वॉकआउट कर रहे हैं और कागज क्यों फाड़ रहे हैं?

उन्होंने कहा कि हम यहां जम्मू-कश्मीर से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करने के लिए आए हैं। केंद्रीय गृह मंत्री जम्मू-कश्मीर की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने, पर्यटन को प्रोत्साहित करने, उद्योग लाने, नए होटल खोलने और यहां रोजगार पैदा करने के लिए काम करना चाहते हैं, लेकिन सीएम का रवैया देखें, जो इन मुद्दों पर बोलना नहीं चाहते हैं।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा में अध्यक्ष अब्दुल रहीम राथर ने वक्फ संशोधन बिल पर चर्चा के लिए प्रश्नकाल स्थगित करने संबंधी

प्रस्ताव को नामंजूर किए जाने पर सोमवार को भारी हंगामा किया जिसके चलते कार्यवाही 15 मिनट के लिए स्थगित कर दी गई थी।

गृहमंत्री के दौर के बीच पाकिस्तान ने तोड़ा संघर्ष विराम, भारत ने भी दिया जवाब

जम्मू (एजेंसी)। पाकिस्तानी सेना ने सोमवार को एलओसी पर संघर्ष विराम तोड़ दिया। जिसका भारतीय सेना ने भी जवाब दिया। संघर्ष विराम का उल्लंघन ऐसे समय में हुआ जब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जम्मू-कश्मीर के दौरे पर हैं। अधिकारियों ने बताया कि पाकिस्तानी सेना ने सोमवार को पुंछ जिले के दिगवार सेक्टर में एलओसी पर संघर्ष विराम तोड़ दिया। यह तय करने के लिए कि पाकिस्तानी सेना की गोलीबारी में कोई घुसपैठ न हो, इलाके में तलाशी अभियान शुरू कर दिया गया है। इससे पहले 1 अप्रैल को पाकिस्तानी सेना ने पुंछ जिले में एलओसी पर एक बारूदी सुरंग के धमाके के बाद बिना किसी कारण के गोलीबारी की और संघर्ष विराम तोड़ा।

सेना ने बयान में कहा कि भारतीय सैनिकों ने संतुलित और नियंत्रण तरीके से प्रभावी जवाब दिया। ऐसी खबरें हैं कि आतंकवादी जिनमें मुख्य रूप से विदेशी भाड़े के आतंकवादी शामिल हैं, पुंछ, राजौरी, कठुआ और किश्तवाड़ जिले के पहाड़ी इलाकों में सक्रिय हैं। 23 मार्च को कठुआ जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा के करीब भारतीय हिस्से में घुसपैठ करने वाले 5 आतंकवादियों की मुठभेड़ पुलिस से हुई थी। यह मुठभेड़ अंतर्राष्ट्रीय सीमा से 4 किलोमीटर अंदर सान्याल गांव में हुई थी। मुठभेड़ में दो आतंकवादी मारे गए, जबकि चार पुलिसकर्मी शहीद हो गए थे।

संयुक्त बलों ने बाकी तीन आतंकवादियों को ढूंढने के लिए कठुआ और राजौरी जिलों के ऊंचे इलाकों में अपना खोजो और खत्म करो अभियान तेज कर

दिया है। कठुआ जिले के बिलावर इलाके में पिछले शुक्रवार को आतंकवादियों और संयुक्त बलों के बीच मुठभेड़ हुई थी। जानकारी के मुताबिक कठुआ जिले के ऊंचे इलाकों का इस्तेमाल आतंकवादी राजौरी और पुंछ जिलों में घुसपैठ करने के लिए कर रहे हैं।

आतंकवादियों के हिट-एंड-रन हमलों को नाकाम करने के लिए सेना के करीब चार हजार विशेष प्रशिक्षित पैरा कमांडो को इन जिलों के घने जंगलों में तैनात किया गया। संयुक्त बलों की गतिविधियों के बाद आतंकवादी पुंछ, राजौरी और कठुआ जिलों में हिट-एंड-रन हमले नहीं कर पा रहे हैं, जैसा कि 2024 की आखिरी तिमाही में हुआ था।

पंजाब की पवित्र भूमि को नशे की गिरफ्त से बचाया जाएगा: गुलाब चंद कटारिया

- अमृतसर में राज्यपाल कटारिया का पैदल मार्च लगातार दूसरे ?दिन भी जारी रहा

अमृतसर (एजेंसी)। पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने सीमावर्ती क्षेत्रों में लगातार दूसरे दिन अमृतसर में आयोजित पैदल मार्च में उन्होंने कहा कि पंजाब की पवित्र भूमि, जो वीरता, बलिदान और देशप्रेम के लिए मशहूर है, उसे नशे की गिरफ्त से बचाया जाएगा और बर्बाद नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि नशा सिर्फ पंजाब की चुनौती नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए खतरा बन चुका है। इसी के मद्देनजर पंजाब सरकार राज्य को नशा मुक्त करने के लिए ठोस कदम उठा रही है। उन्होंने दुश्मन देशों की ओर इशारा करते हुए कहा कि सीमा पार से नशीले पदार्थों की तस्करी बदस्तूर जारी है, लेकिन भारतीय सेनाएं इसे रोकने के लिए दिन-रात जुटी हुई हैं। राज्यपाल ने जिला प्रशासन द्वारा गांवों में गठित ग्राम स्तरीय रक्षा समितियों के प्रयासों की प्रशंसा की। ये समितियां तस्करी पर लगाम लगाने में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं, जो बेहद सराहनीय है। पंजाब की भौगोलिक स्थिति इसे नशीली दवाओं की तस्करी के लिए संवेदनशील बनाती है। शत्रु देश इस कमजोरी का लाभ उठाकर मादक पदार्थ भेज रहे हैं। इसे रोकने के लिए सीमा पर

ड्रोन-रोधी तकनीक स्थापित की गई है, और अब इनकी तादाद बढ़ाने की योजना है। पंजाब सरकार भी अपने स्तर पर ड्रोन-विरोधी प्रणाली लागू करने की कोशिश कर रही है। फतेहगढ़ चूड़ियां रोड के शहीद भगत सिंह ग्रुप ऑफ कॉलेज में आयोजित सभा में राज्यपाल ने युवाओं और वरिष्ठ नागरिकों से आह्वान किया कि वे अपने परिवेश को नशे से मुक्त करने में योगदान दें। पंजाब सरकार इन दिनों नशे के खिलाफ युद्धस्तर पर मुहिम चला रही है। हाल ही में प्रदेश के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने मोहाली में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए लोगों से अपील की थी कि अगर कहीं पर कोई नशीला पदार्थ बेचता दिखे, तो फौरन उसकी जानकारी दें। उसके खिलाफ कार्रवाई होगी और जानकारी देने वाले की पहचान गुप्त रखी जाएगी।

बांग्लादेश ले रहा झूठ का सहारा- फिलहाल भारत से संबंधों में सुधार होना कठिन

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मोहम्मद यूनुस की हाल ही में हुई मुलाकात के बाद ये लग रहा था कि भारत और बांग्लादेश के रिश्तों में सुधार होगा। लेकिन इसमें बांग्लादेश ने फिर से अड़चन डाल दी है। उसने पीएम मोदी और यूनुस की मुलाकात को लेकर एक ऐसा बयान दिया है, जिसका सच्चाई कोई वास्ता नहीं है। फिलहाल भारत से संबंधों में सुधार होना कठिन दिखाई दे रहा है। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बीच बैंकॉक में हुई बैठक के संबंध में बांग्लादेश की ओर से जारी बयान ‘शरारतपूर्ण और राजनीति से प्रेरित’ हैं, विशेष रूप से पड़ोसी देश में अल्पसंख्यकों पर हमलों और पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के प्रत्यर्पण के लिए ढाका के अनुरोध से संबंधित पहलू पर। सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी।यूनुस के प्रेस सचिव शफीकुल

आलम ने शनिवार को एक फेसबुक पोस्ट में कहा कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने बैंकॉक में हुई बैठक में पीएम मोदी के समक्ष हसीना के प्रत्यर्पण के लिए बांग्लादेश के अनुरोध को उठाया और ‘प्रतिक्रिया नकारात्मक नहीं थी।’ सूत्रों ने बैठक पर ढाका के आधिकारिक बयान और आलम के फेसबुक पोस्ट को लेकर कहा कि यूनुस और पिछली बांग्लादेश सरकार के साथ संबंधों के बारे में भारतीय प्रधानमंत्री की टिप्पणियों का वर्णन ‘गलत’ था। अपने पोस्ट में आलम ने दावा किया कि पीएम मोदी ने कहा था, हमने आपके (यूनुस) प्रति उनका (हसीना का) अपमानजनक व्यवहार देखा। सूत्रों ने कहा कि पीएम मोदी ने यूनुस द्वारा उठाए गए विभिन्न मुद्दों पर यह कहते हुए प्रतिक्रिया दी थी कि इन मुद्दों पर दोनों देशों के विदेश मंत्रियों द्वारा अच्छी चर्चा की जा सकती है। सूत्रों ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने 2014 से द्विपक्षीय संबंधों में हुई प्रगति की चर्चा की।

तीन महीने में तीसरी बार बिहार पहुंचे राहुल, कन्हैया कुमार की यात्रा में हुए शामिल, बीजेपी ने कसा तंज

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी सोमवार को बेगूसराय में कांग्रेस की छात्र शाखा (एनएसयूआई) की ‘पलायन रोको नौकरी दो’ रैली में शामिल हुए। रैली का नेतृत्व एनएसयूआई के राष्ट्रीय प्रभारी कन्हैया कुमार कर रहे हैं। लोकसभा में विपक्ष के नेता बाद में पटना में एक जनसभा को संबोधित करेंगे। राहुल गांधी तीन महीने में तीसरी बार सोमवार को बिहार पहुंचे, क्योंकि पार्टी इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले ईबीसी, दलित और मुस्लिम वोटों को एकजुट करने के अपने प्रयासों को आगे बढ़ा रही है। एक्स पर एक पोस्ट में राहुल गांधी ने रविवार को कहा कि वह बिहार के बेगूसराय जाएंगे, जहां वह यात्रा निकालेंगे। उन्होंने एक्स पर लिखा कि बिहार के युवा साथियों, मैं 7 अप्रैल को बेगूसराय आ रहा हूं, पलायन रोको, नौकरी दो यात्रा में आपके साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने। लक्ष्य है कि पूरी दुनिया को बिहार के युवाओं की भावना दिखे, उनका संघर्ष दिखे, उनका कष्ट दिखे। आप भी White T-Shirt पहन कर आइए, सवाल पूछिए, आवाज़ उठाइए - सरकार पर आपके अधिकारों के लिए दबाव बनाने के लिए, उसे हटाने के लिए। आइए, हम मिलकर बिहार को अवसरों वाला राज्य बनाएं। कन्हैया को खास तौर पर तब बड़ी बढ़त मिल सकती है जब गांधी उनके गृहनगर में उनकी यात्रा में शामिल होंगे। उनके नेतृत्व के लिए पार्टी का जोर यह दर्शाता है कि वह अपने प्रमुख गठबंधन सहयोगी आरजेडी की छाया से बाहर आने की कोशिश कर रही है। बिहार में कांग्रेस के तीन सांसद और 19 विधायक हैं। कांग्रेस संविधान बचाओ बैठकों के माध्यम से ईबीसी, दलितों और मुसलमानों तक पहुंचने की कोशिश कर रही है, लेकिन मुख्य ध्यान ईबीसी पर ही है। बिहार की आबादी का 36.1 प्रतिशत हिस्सा ईबीसी है, जो राज्य का सबसे बड़ा सामाजिक समूह है। कांग्रेस ने संविधान बचाओ बैठकों में इस समूह के दलित नायकों को याद करने का एक बिंदु बनाया है।

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा ने कहा कि उनके बिहार आने से कोई असर नहीं पड़ेगा। वे आए हैं और भ्रम फैलाएंगे। बिहार में नीतीश कुमार और पीएम मोदी की सरकार है। उन्हें ‘भगवा’ रंग से नफरत है और इसलिए वे सफेद टी-शर्ट पहनते हैं। केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय ने तंज सकते हुए कहा कि राहुल गांधी बिहार आए हैं। वे जहां भी जाते हैं, सबसे पहले अपने गठबंधन और अपनी पार्टी के लिए मुश्किलें खड़ी करते हैं। यहां वे तेजस्वी यादव के लिए मुश्किलें खड़ी करने आए हैं...लालू जी की पार्टी ने जंगल राज स्थापित किया। बिहार की जनता ने भ्रष्ट

लोगों को नकार दिया है। वे विकास चाहते हैं।